दैनिक

पुष्पांजली टुडे

नई सोच नई पहल

वर्ष 03 : अंक : 315 | ग्वालियर, मंगलवार 22 दिसम्बर 2020 | pushpanjalitoday@gmail.com | मूल्य : 01, रुपए, पृष्ठ 8

न्यूज ट्रैक

प्रेमिका पर फूट पड़ा पत्नी का गुस्सा, चप्पलों से की पिटाई

दमोह (मप्र)। मध्य प्रदेश के दमोह जिले में पत्नी ने पति की कथित प्रेमिका की चप्पलों से पिटाई की जिसका वीडियो वायरल हो रहा है। खास बात यह है कि पति, पत्नी और वो का यह हाई वोल्टेज ड्रामा थाना परिसर में ही हुआ। जानकारी के मुताबिक, दमोह जिले के हटा थाना परिसर में हुए एक हाई वोल्टेज ड्रामे का वीडियो इंटरनेट पर तेजी से वायरल हो रहा है। इसमें एक महिला एक युवती को चप्पल मारने की कोशिश कर रही है। इसी दौरान थाना परिसर में मौजूद पुलिसकर्मी उसे रोकने का प्रयास भी कर रहे हैं। महिला लगातार मुंह से अपशब्दों का प्रयोग करते हुए युवती को चप्पल मारने की कोशिश में जुटी हुई है। बताया जा रहा है कि महिला को शक था कि उसके पति का प्रेम-प्रसंग इस युवती से चल रहा है। दरअसल, पति की शिकायत करने महिला हटा थाना पहुंची थी, इसी दौरान प्रेमिका भी हटा थाने पहुंच गई। दोनों का आमना-सामना होते ही पत्नी का गुस्सा फूट पड़ा और वह चप्पल लेकर प्रेमिका पर टूट पड़ी। बताया जा रहा है कि महिला का पति पटेरा जनपद में सचिव के पद पर पदस्थ है जबकि प्रेमिका बड़वानी जिले में किसी सरकारी संस्था में पदस्थ है। हालांकि हाई वोल्टेज ड्रामा होने के बाद दोनों के बीच समझौते की बात भी सामने आ रही है। बताया जा रहा है कि महिला और युवती आपस में बहने हैं। इस सम्बन्ध में हटा थाना टीआई दीपक खत्री का कहना है कि एक महिला दो दिन पहले अपने पति के प्रेम प्रसंग की शिकायत दर्ज कराने आई थी। इसी दौरान प्रेमिका भी थाने पहुंच गई। जिससे महिला अपना आपा खो बैठी और युवती को मारने का प्रयास किया हालांकि बाद में दोनों के राजीनामा की बात होने लगी और वह वापस चली गई।

उत्तर बिहार में शीतलहर जारी, टूटा 20 साल का रिकॉर्ड, एक सप्ताह ठंड से राहत की उम्मीद नहीं, जारी रहेगा कोहरे का प्रकोप

मुजफ्फरपुर। भीषण सर्दी ने उत्तर बिहार में अपने 20 साल पुराने रिकार्ड को तोड़ दी है। सोमवार को न्यूनतम तापमान आठ डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो पिछले 20 साल के 21 दिसम्बर का सबसे न्यूनतम तापमान है। वहीं अधिकतम तापमान भी 17 डिग्री दर्ज किया गया, जो सामान्य से कम है। सामान्यत~ अभी अधिकतम तापमान 21 से 24 डिग्री के बीच रहना चाहिए। उत्तर बिहार में शीतलहर का दौर पिछले कई दिनों से जारी है। इस दौरान सुबह व रात को घना कोहरा लग रहा है, जबकि दिन में भी धूप के दर्शन नहीं हो रहे हैं। मौसम विभाग के अनुसार शीतलहर की यह स्थिति अगले कुछ दिनों तक जारी रहेगी। विभागीय अनुमान के अनुसार न्यूनतम तापमान अभी तक आठ डिग्री पर आया है, लेकिन आशंका है कि यह पांच डिग्री तक जा सकता है। ऐसा हुआ तो न्यूनतम तापमान कई दशकों का रिकार्ड तोड़ेगा। हालांकि दिन व रात के तापमान में 10 डिग्री से अधिक अंतर है, लेकिन धीरे-धीरे यह अंतर कम होगा और लोगों और अधिक ठंड का अहसास दिलायेगा। विभाग के अनुसार इस दौरान आसमान में कभी-कभी बादल भी छा सकते हैं, लेकिन आमतौर पर मौसम के शुष्क रहने की संभावना है। सुबह व रात में घने कोहरे का दौर भी अभी जारी रहेगा। यह स्थिति गेहूं के लिए तो फायदेमंद साबित होगी लेकिन आलू की पैदावार के लिए यह नुकसानदेह हो सकता है। आलू में झुलसा रोग आने की संभावना है।

ब्रिटेन में कोरोना का नया स्ट्रेन

महाराष्ट्र में कल से नाइट कर्फ्यू लागू, यूरोप से आने वालों को होना होगा क्वारंटाइन

मुंबई। महाराष्ट्र सरकार ने ब्रिटेन में कोरोना वायरस के एक नए प्रकार (स्ट्रेन) के फैलने की बढ़ती आशंकाओं के बीच एहतियाती कदम उठाते हुए राज्य के नगर निगम क्षेत्रों में 22 दिसंबर से पांच जनवरी तक नाइट कर्फ्यू लगाने की सोमवार को घोषणा की। इसके अलावा, यूरोप से आने वाले लोगों को क्वारंटाइन में रहना होगा।

एक आधिकारिक बयान के अनुसार, मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे ने यहां ब्रिटेन में सामने आई स्थिति के मद्देनजर एक बैठक की। इसमें कहा गया है कि बैठक में एहतियाती कदम के रूप में नगर निगम क्षेत्रों में 22 दिसंबर से पांच जनवरी तक रात 11 बजे से सुबह छह बजे तक नाइट कर्फ्यू लगाए जाने का फैसला किया गया।

बयान में कहा गया है कि यूरोपीय और पश्चिम एशियाई देशों से राज्य के हवाई अड्डों पर पहुंचने वाले लोगों को 14 दिनों के लिए क्वारंटाइन में भेजने का भी फैसला किया गया। इसमें कहा गया है कि अन्य देशों से महाराष्ट्र आने वाले यात्रियों को घरों में क्वारंटाइन में रहना होगा।

बता दें कि महाराष्ट्र में कोरोना वायरस संक्रमण के 2,234 नए मामले सामने आए हैं। इसके बाद, कुल संक्रमितों की संख्या 18,99,352 पहुंच गई है। महामारी से 55 और मरीजों की मौत होने से मृतकों की संख्या 48,801 हो चुकी है।

उद्धव ने कहा था- नाइट कर्फ्यू के पक्ष में नहीं- महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे ने रविवार को कहा था कि राज्य में कोरोना नियंत्रण में होने के कारण वह राज्य में किसी भी नए लॉकडाउन या रात का कर्फ्यू लगाने के पक्ष में नहीं हैं। ठाकरे ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से राज्य को संबोधित करते हुए लोगों से दिशानिर्देशों का पालन करने का आग्रह किया था और कहा कि अगले छह महीनों तक मास्क लगाना अनिवार्य है ताकि महामारी को समाप्त किया जा सके। ठाकरे ने कहा था कि विशेषज्ञ फिर से रात का कर्फ्यू या दूसरा लॉकडाउन लागू करने के पक्ष में हैं, लेकिन वह (ठाकरे) इस तरह के कदम उठाने के समर्थन में नहीं हैं।

क्या गिर जाएगी नीतीश सरकार? तेजस्वी बोले

मध्यावधि चुनाव के लिए तैयार रहें कार्यकर्ता

पटना। नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी प्रसाद यादव ने विधानसभा चुनाव के बाद हुई पार्टी की पहली बैठक में आह्वान किया कि तैयार रहें, वर्ष 2021 में मध्यावधि चुनाव कभी भी हो सकता है। उन्होंने कहा कि जनता ने महागठबंधन के पक्ष में फैसला दिया लेकिन जोड़तोड़ से सरकार बन गई। तेजस्वी ने कहा कि मकर संक्रांति के बाद वे राज्यभर में धन्यवाद यात्रा पर निकलेंगे। सभी उम्मीदवारों और जिलाध्यक्ष से हार के कारणों की लिखित रिपोर्ट मांगी गई है। उन्होंने दो टूक कहा कि अब पहले वाली बात नहीं है। भितरघात करने वाले बख्शे नहीं जाएंगे। प्रदेश अध्यक्ष जगदानंद सिंह की अध्यक्षता में पार्टी कार्यालय में हुई समीक्षा बैठक में तेजस्वी यादव ने कहा इतनी विपरीत परिस्थितियों के बाद भी राजद सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभरी। सभी वर्गों का वोट पार्टी को मिला। कहा कि चुनाव परिणाम और बेहतर होता अगर कुछ लोग भितरघात नहीं करते। पार्टी में रहते हुए महागठबंधन उम्मीदवारों के खिलाफ काम किया गया। उन्होंने कहा कि राजद के हिस्से 144 सीट आई थीं तो हम इतने पर ही प्रत्याशी उतार सकते थे। सभी को टिकट देना संभव नहीं था। तेजस्वी ने कहा जिन

लोगों ने गड़बड़ी की है उनके खिलाफ कार्रवाई होगी। प्रदेश अध्यक्ष जगदानंद सिंह से कहा कि हर पदाधिकारी के बूथ पर मिले वोटों की समीक्षा होनी चाहिए। उन्होंने चुनाव जीतने और हारने वालों से अपील की कि वे लगातार सक्रिय रहें। लोगों से संपर्क बनाए रखें। जो हालात हैं, ऐसे में 2021 में फिर विधानसभा चुनाव हो सकते हैं। जगदानंद सिंह ने कहा कि जो लोग चुनाव लड़ेंगे, उन्हें पदाधिकारी नहीं बनाया जाएगा। सभी उम्मीदवारों और जिलाध्यक्षों से हार-जीत के कारणों की लिखित रिपोर्ट देने को कहा गया है। राज्य स्तरीय कमेटी बनेगी, जो समीक्षा करेगी। पार्टी 23 दिसंबर को चौधरी चरण सिंह जयंती पर सभी जिला मुख्यालयों पर किसान गोष्ठी आयोजित करेगी।

सिद्दीकी बोले गड़बड़ी हुई- राष्ट्रीय प्रधान महासचिव अब्दुल बारी सिद्दीकी बोले कि पार्टी द्वारा जिला और प्रखंड अध्यक्ष और सभी को चुनाव के संबंध में पहले ही निर्देश दे दिया गया था। इसके बाद भी बूथों पर एजेंट मुस्तैद नहीं हो पाए। आरोप लगाया कि मॉक पोल के नाम पर हर बूथ पर वोटों की हेराफेरी हुई। उन्होंने 10 हजार तक वोटों की गड़बड़ी का आरोप लगाया।

आजम खान की पत्नी तजीन फातिमा जेल से बाहर आकर बोलीं, सरकारी कालेज में प्रोफेसर थी, अचानक इतनी बड़ी क्रिमिनल हो गई?

सीतापुर। कोर्ट से जमानत मिलने के बाद सोमवार शाम सीतापुर जेल से बाहर आई सांसद आजम खान की विधायक पत्नी तजीन फातिमा ने कहा कि जेल में उन्हें कोई सुविधा नहीं मिलती थी। जैसे आम कैदी रहते थे वैसे ही खाना, पीना, रहन-सहन सामान्य कैदियों की तरह था। उन्होंने कहा कि वह सरकारी कालेज में प्रोफेसर थीं। क्या अचानक से इतनी बड़ी क्रिमिनल हो गई।

विधायक तजीन फातिमा, अपने पति सांसद आजम खान और छोटे बेटे अब्दुल्ला आजम के साथ (26 फरवरी से) दस महीने जेल के महिला बैरक में रहीं। कोर्ट ने उनके खिलाफ दर्ज सभी 34 मामलों में जमानत दे दी है। उन्होंने कहा, मैं 10 महीनों के बाद जेल से रिहा हुई हूं, इसका पूरा श्रेय मैं न्यायपालिका को देती हूं, न्यायपालिका ने मेरे साथ इंसाफ किया। मैं सरकारी कॉलेज में प्रोफेसर थी. मेरी सत्य निष्ठा सरकारी अधिकारियों ने प्रमाणित की है। मैं अचानक इतनी बड़ी क्रिमिनल हो गई। उन्होंने बताया कि रिहाई के समय आजम खान से उनकी कोई मुलाकात नहीं हुई। विधायक तजीन की रिहाई के वक्त उनकी बहन तनवीर फातिमा, बड़े बेटे अदीब आजम और बहू सिदरा जेल के बाहर मौजूद रहीं। दोनों पोतियां भी सीतापुर आई थीं। परिवारीजनों ने मीडिया से बात नहीं की। जेल अधीक्षक डीसी मिश्र ने बताया कि कोर्ट से जमानत का आदेश मिलने के उपरांत प्रक्रिया पूरी डॉ. तजीन को रिहा कर दिया गया है।

आजम खान पर चल रहे हैं 85 मामले

सांसद आजम खान के खिलाफ 85 मामले चल हैं। इनमें से 73 में चार्जशीट लग चुकी है। 12 में विवेचना चल रही है। उनकी पत्नी विधायक तजीन फातिमा के खिलाफ कुल 34 मुकदमे दर्ज हैं। 32 मुकदमों में पहले ही जमानत मिल गई थी। अब जौहर यूनिवर्सिटी के लिए शत्रु संपत्ति को कब्जाने और रामपुर पब्लिक स्कूल के लिए धोखाधड़ी कर एनओसी लेने के मामले में भी जमानत मिली है। इसके बाद उन्हें जेल से रिहा कर दिया गया है।

बंगाल की सीएम ममता बनर्जी ने अमित शाह पर किया पलटवार, कहा- चीटिंगबाज पार्टी है बीजेपी

नई दिल्ली। पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव से पहले तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) और भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) के नेता एक-दूसरे पर निशाना साध रहे हैं। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के रविवार को किए गए हमलों के बाद राज्य की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने पलटवार किया है। बनर्जी ने बीजेपी को चीटिंगबाज पार्टी बताया है। इसके साथ ही, उन्होंने आरोप लगाया है कि बीजेपी राजनीति के लिए कुछ भी कर सकती है।

पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने अमित शाह पर पलटवार करते हुए कहा, आप गृह मंत्री हैं। आपको झूठ बोलना शोभा नहीं देता है। उन्होंने कहा कि बीजेपी एक चीटिंगबाज पार्टी है। राजनीति के लिए वे कुछ भी कर सकते हैं। हम संशोधित नागरिकता कानून (सीएए) का तब से विरोध कर रहे हैं, जब से उसे कानून बनाया गया है। वे (बीजेपी) नागरिकों के भाग्य का फैसला नहीं कर सकते, उन्हें अपनी किस्मत खुद तय करने दें। हम सीएए, एनपीआर और एनआरसी के खिलाफ हैं। उन्होंने आगे कहा कि अमित शाह ने कल (रविवार) झूठ का पुलिंदा बोला है। उन्होंने दावा किया कि हमारा

राज्य उद्योग में शून्य है, लेकिन हम एमएसएमई क्षेत्र में नंबर एक हैं। उन्होंने दावा किया कि हम ग्रामीण सड़कों का निर्माण नहीं कर सकते, लेकिन हम उसमें नंबर एक हैं। यह जानकारी भारत सरकार की है।

गृह मंत्री अमित शाह ने क्या कहा था?

पश्चिम बंगाल के दो दिनों के दौरे के अंतिम दिन केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने रविवार को कहा था कि संशोधित नागरिकता कानून (छ्र) के सिर्फ नियम बनना बाकी हैं। उन्होंने बताया था कि कोरोना वायरस की वैक्सीन बन जाने के बाद सरकार आगे विचार करेगी। संशोधित नागरिकता कानून (छ्र) को लेकर पूछे गए एक सवाल के जवाब में अमित शाह ने कहा था, सीएए के अभी नियम बनना बाकी हैं। कोरोना वायरस महामारी के चलते यह नहीं हो सका है। जैसे ही वैक्सीन आ जाएगी, उसके बाद सरकार विचार करके जानकारी देगी। वहीं, अमित शाह ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में यह जानकारी भी दी थी कि अगर बीजेपी को राज्य में जीत मिलती है, तो फिर पार्टी किसे अपना मुख्यमंत्री घोषित करेगी। शाह ने कहा कि बंगाल का अगला मुख्यमंत्री बीजेपी इसी राज्य से बनाएगी। हालांकि, क्या पार्टी चुनाव से पहले मुख्यमंत्री उम्मीदवार उतारेगी या नहीं, शाह ने कहा कि पार्लियामेंट्री बोर्ड की बैठक में यह फैसला लिया जाएगा।

साजिशों के कारण संसद भंग करने पर हुआ मजबूर, सरकार गिराने की थी तैयारी : ओली

काठमांडू। नेपाल के प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली ने सोमवार को कहा कि वह अपने खिलाफ रची जा रही साजिशों के कारण संसद भंग करने की सिफारिश करने के लिए मजबूर हुए। ओली ने कहा कि उनकी सरकार के खिलाफ संसद में अविश्वास प्रस्ताव लाने की भनक लगने पर उन्होंने यह कदम उठाया। उन्होंने कहा कि सरकार गिराने के अलावा राष्ट्रपति बिद्या देवी भंडारी के खिलाफ भी महाभियोग लाने की तैयारी चल रही थी।

ग्वालियर से प्रकाशित

दैनिक पुष्पांजली टुडे

राष्ट्रीय मासिक पत्रिका, ऑनलाइन न्यूज चैनल, पोर्टल, एंड्रॉयड ऐप

को

सम्पूर्ण भारत में नियुक्त करना है

ब्यूरो चीफ/रिपोर्टर

मध्यप्रदेश, उत्तरप्रदेश, छत्तीसगढ़, राजस्थान, हरियाणा, गुजरात, बिहार, झारखंड, उड़ीसा, पंजाब, हिमाचल प्रदेश, आंध्रप्रदेश, अरूणाचल प्रदेश, असम, गोआ, कर्नाटक, केरल

आदि राज्यों के जिला एवं तहसील स्तर पर मनोनीत करना है।

सम्पर्क करें

जी.एस. प्लाजा सूर्य मंदिर रोड गोले का मंदिर, ग्वालियर मध्यप्रदेश

मो. 7879637585, 8770253710

Website-www.pushpanjalitoday.com

Email.- pushpanjalitoday@gmail.com

पश्चिम बंगाल चुनाव को लेकर

प्रशांत किशोर के दावे में है टीएमसी की आधी हार और बीजेपी की आधी जीत?

> पश्चिम बंगाल में विधानसभा चुनाव में अभी भले ही चार महीने का वक्त हो, लेकिन जिस तरह सत्ताधारी तृणमूल कांग्रेस (टीएमस) और भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) के बीच जंग तेज हो चुकी है उससे किसी को भ्रम हो सकता है कि जैसे चार दिन बाद ही मतदान है।

कोलकाता। बीजेपी के पूर्व अध्यक्ष और गृहमंत्री अमित शाह दो दिन के दौरे के बाद जहां एक बार फिर 200 से अधिक सीटें जीतकर बंगाल में ममता बनर्जी की सरकार को उखाड़ फेंकने का दावा किया है तो दूसरी तरफ टीएमसी के रणनीतिकार और शुभेंदु अधिकारी सहित कई नेताओं की नाराजगी के पीछे वजह बताए जा रहे प्रशांत किशोर ने भविष्यवाणी की है कि बीजेपी दहाई अंक को पार नहीं कर पाएगी। उन्होंने यहां तक कह दिया है कि यदि बीजेपी इससे अधिक सीटें जीत लेती है तो वह चुनावी रणनीतिकार का काम छोड़ देंगे। हालांकि, राजनीतिक जानकार अब प्रशांत किशोर के इस दावे को टीएमसी की आधी हार और बीजेपी की आधी

जीत स्वीकार करने वाला बता रहे हैं। वह इसलिए कि प्रशांत किशोर ने कहा है कि बीजेपी को दहाई का अंक पार करने में संघर्ष करना पड़ेगा, यानी उनके बयान का यह भी मतलब हुआ की बीजेपी अधिकतम 99 सीटें जीत सकती है। 294 सीटों वाली विधानसभा में बहुमत के लिए 148 सीटें की आवश्यकता होती। इस लिहाज से बीजेपी को सत्ता में आने के लिए 49 और सीटों की जरूरत होगी। दूसरी तरफ बीजेपी का दावा 200 सीटों का है। अब यदि प्रशांत किशोर की ओर से दिए गए अधिकतम आंकड़े से तुलना करें तो पीके मान रहे हैं कि बीजेपी 50 फीसदी लक्ष्य हासिल कर सकती है। वरिष्ठ पत्रकार सतीश के. सिंह प्रशांत किशोर के दावे को दोनों पार्टी की ओर से चल रही माइंडगेम का हिस्सा बताते हैं। उन्होंने कहा, असल में बीजेपी ने बंगाल को जीतने के लिए पूरा जोर लगा दिया है।

एक नजर....

रतनलाल सिंदडा ने श्री आईजी सेवा समिति को दिया 21हजार रूपयों का आर्थिक सहयोग

चैन्नई। सीरवी समाज पेरूनगुड़ी के अध्यक्ष एवं श्री आईजी सेवा समिति के संरक्षक तथा जाने-माने समाजसेवी रतनलाल सिंदडा (साडिया) ने सामाजिक संस्था को मजबूत बनाने में अपनी अहम भूमिका निभा रहे हैं जीवन के शुरू से ही अत्यंत परिश्रमी ,विषम परिस्थितियों में संघर्षशील, समाज सेवा के प्रति पुर्ण समर्पित भाव रखने वाले ,आप जैसे अनुभवी, नेक ,निर्भीक, कर्मठ ईमानदार एवं कुशल छवि के समाजसेवी का नेतृत्व/ संरक्षण समिति को मिलना हमारे लिए बड़े ही सौभाग्य की बात है समिति के लिए आपका सहयोग बहुत ही सराहनीय रहा है,, इस सामाजिक संगठन के लिए आपने सदैव उचित मार्गदर्शन करवाया है ,,समिति कार्यकर्ताओं के लिए आपने सदैव हौसला अफजाई की है, हर विषम परिस्थिति में आपने उचित मार्गदर्शन करवाकर उचित राहा बताकर एवं उचित आर्थिक सहयोग प्रदान करके समिति कार्यकर्ताओं के मनोबल को ऊंचा एवं मजबूत करने का दायित्व निभाया है आपने अपना महत्वपूर्ण सहयोग इस स्वयंसेवी संस्था को देकर अपनी महानता का उदारता का एक और उदाहरण प्रस्तुत किया है ,,हम आपके द्वारा इस संगठन के लिए किए जा रहे सहयोग के लिए धन्यवाद देते हैं।। आपके द्वारा सदैव समाज सेवा में दिए जा रहे उचित मार्गदर्शन एवं सुझावों का सम्मान करते हैं,, आशा करते हैं आपके कुशल संरक्षण में यह संस्था समाज की सर्वोच्च प्रतिष्ठित संस्थाओं में से एक बने ,,ज्यादा से ज्यादा इस संस्था के माध्यम से कमजोर परिवारों की सहायता हो सके ,,ज्यादा से ज्यादा संख्या में विद्यार्थियों के लिए फीस भरने का कार्य हो सके एवं समाज में घटते हुए संस्कारों के स्तर को हम मजबूती प्रदान कर सकें, पुनः आपके इस आर्थिक सहयोग के लिए समिति परिवार की ओर से आपका कोटि-कोटि अभिनंदन करते हैं,, आपका आभार व्यक्त करते हैं,, एवं आपका ऐसा ही सहयोग समर्थन एवं मार्गदर्शन इस मंच को मिलता रहे इसके लिए आशा रखते हैं उम्मीद करते हैं,,और विश्वास भी करते हैं कि आपका सहयोग आपका मार्गदर्शन आपका आशीर्वाद हमें सदैव ऐसा ही मिलता रहेगा।

श्रीमंत माधवराव सिंधिया व्यापार मेला आयोजन पर बैठक में व्यापारी बोले तीन दिन में घोषित हो व्यापार मेला लगाए जाने की तिथि

कोविड-19 के मानकों का व्यापारी स्वयं करेंगे पालन व ग्राहकों से भी करेंगे मानकों का पालन करने की अपील

ग्वालियर। श्रीमंत माधवराव सिंधिया ग्वालियर व्यापार मेला कोविड-19 को दृष्टिगत रखते हुए किस प्रकार लगाया जाये, इस पर चर्चा एवं सुझाव हेतु आज एक बैठक का आयोजन चेम्बर भवन में सायंकाल 4.30 बजे से किया गया7 बैठक में एमपीसीसीआई अध्यक्ष-विजय गोयल, संयुक्त अध्यक्ष-प्रशांत गंगवाल, मानसेवी सचिव-डॉ. प्रवीण अग्रवाल, मानसेवी संयुक्त सचिव-ब्रजेश गोयल एवं कोषाध्यक्ष-वसंत अग्रवाल सहित कार्यकारिणी सदस्य-महेश मुदगल, उमेश उप्पल, निर्मल जैन, संतोष जैन, राजेश बांदिल 'मनीष', साकेत आनंद आदि सहित मेला व्यापार संघ से महेन्द्र भदकारिया व चेम्बर सदस्य काफी संख्या में उपस्थित थे7 बैठक की अध्यक्षता एमपीसीसीआई अध्यक्षता-विजय गोयल द्वारा एवं संचालन मानसेवी सचिव-डॉ. प्रवीण अग्रवाल द्वारा किया गया। बैठक में व्यापारियों ने एकराय से सुझाव दिया कि केन्द्रीय मंत्री-श्री नरेन्द्र सिंह तोमर एवं राज्यसभा सदस्य व पूर्व केन्द्रीय मंत्री-श्रीमंत ज्योतिरादित्य सिंधिया जी द्वारा विगत दिवस घोषणा की गई है कि ग्वालियर व्यापार मेला लगेगा, इसलिए इसकी तिथि शीघ्रातिशीघ्र घोषित की जाना चाहिए, संभवत~आगामी तीन दिवस में इसकी घोषणा होना चाहिए ताकि व्यापारी इसकी तैयारियां प्रारंभ कर सकें7 व्यापारियों ने सुझाव दिया कि हम स्वयं कोविड-19 के मानकों जैसे मास्क, सेनेटाइजर का प्रयोग करेंगे व ग्राहकों को भी इसके उपयोग के लिए कहेंगे और किसी भी ग्राहक को इसके बिना इंटरटेन नहीं करेंगे7 ग्वालियर का व्यापार मेला ग्वालियर की शान है7 यह लगाया जाना चाहिए जिस प्रकार हम अपने बाजारों में कोरोना के मानकों का स्वयं पालन करते हैं वैसे ही मेला में करेंगे। बैठक में सभी व्यापारियों ने मांग की है कि गत वर्ष की तरह ही इस वर्ष भी आरटीओ रजिस्ट्रेशन शुल्क में 50 फीसदी की छूट शासन द्वारा दी जाना चाहिए ताकि मेले का कारोबार गत वर्ष के कारोबार 1100 करोड़ को भी पार सके7 शासन को ग्वालियर मेला को महोत्सव के रूप में आयोजित करना चाहिए, जिस प्रकार सरकार महोत्सव को स्वयं के खर्च पर करती है और उसमें नफा-नुकसान नहीं देखती है, उसी तर्ज पर मेला लगना चाहिए। एमपीसीसीआई अध्यक्ष-विजय गोयल एवं मानसेवी सचिव-डॉ. प्रवीण अग्रवाल ने संयुक्त रूप से कहा कि जब केन्द्रीय मंत्री-श्री नरेन्द्र सिंह तोमर एवं राज्यसभा सदस्य व पूर्व केन्द्रीय मंत्री-श्रीमंत ज्योतिरादित्य सिंधिया जी द्वारा इसे लगाने का आश?वासन दिया गया है और एमएसएमई मंत्री श्री सखलेचा भी इसे लगाने पर सहमत हैं तो इसकी तिथि की घोषणा शीघ्र करने की मांग आज ही पत्रों के माध्यम से की जायेगी। बैठक उपरांत एमपीसीसीआई द्वारा प्रदेश के मुख्यमंत्री-श्री शिवराज सिंह चौहान, केन्द्रीय मंत्री-श्री नरेन्द्र सिंह तोमर, राज्यसभा सदस्य एवं पूर्व केन्द्रीय मंत्री-श्रीमंत ज्योतिरादित्य सिंधिया, एमएसएमई मंत्री-श्री ओमप्रकाश सखलेचा, ऊर्जा मंत्री-श्री प्रद्युम्न सिंह तोमर एवं सांसद-श्री विवेकनारायण शेजवलकर को पत्र प्रेषित किये गये।

मुख्यमंत्री ग्रामीण पथ विक्रेता ऋण वितरण कार्यक्रम में 1 करोड़ 1 लाख 40 हजार रूपये का ऋण वितरण हुआ

मुरैना। मुख्यमंत्री ग्रामीण पथ विक्रेता योजना के तहत प्रदेश के मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान द्वारा लाईव के माध्यम से योजना के बारे में अवगत कराया। मुख्यमंत्री सोमवार को ग्रामीण पथ विक्रेता योजना में छोटे-छोटे स्ट्रीट वेण्डर्स फल, सब्जी, आइसक्रीम, ब्रेड, बिस्किट, अण्डे, जूते-चप्पल, झाडू, साइकिल रिपेयरिंग, बढ़ई, कुम्हार, बुनकर, धोबी, टेलर्स आदि को 10-10 हजार रूपए का ब्याज रहित ऋण उनके कार्य के लिए ऑनलाइन एक क्लिक के माध्यम से हितग्राहियों के खातों में जमा कराया। मुख्यमंत्री के कार्यक्रम को मुरैना जिले के जिला मुख्यालय, विकासखण्ड के अलावा अन्य पंचायत स्तर पर भी लैपटॉप के माध्यम से देखा गया। जिला मुख्यालय मुरैना में एनआईसी कक्ष में प्रभारी मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत श्री आरके गोस्वामी की उपस्थिति में कार्यक्रम संपन्न हुआ। जिसमें बैंक ऑफ बड़ोदा से सुश्री स्तुति श्रीवास्तव, इलाहबाद बैंक से शाखा प्रबंधक श्री हर्षवर्धन को गुलदस्ता देकर शत प्रतिशत वितरण करने हेतु समान्नित किया गया। जिसमे जिला मुरैना द्वारा समस्त जिले में निम्न प्रकार कार्य किया जा रहा है आवेदन करने व् वितरण स्वीकृत में सम्पूर्ण मप्र में मुरैना का 15वां स्थान है। जानकारी में बताया गया कि मुरैना जिले में 25145 आवेदन प्राप्त हुये थे, जिसमें 18918 आवेदन स्वीकृत किये गये। 3 हजार 168 हितग्राहियों द्वारा बैंक द्वारा स्वीकृत किया गया और एक हजार 682 लोंगो को बैंको द्वारा वितरण किया गया। इससे पहले भी 20 सितम्बर 2020 को 1000 हितग्राहियो को 10000 रूपये की दर से 01 करोड़ रूपये वितरण किया था। जिले में कुल 1014 हितग्राहियो को कुल 10140000 रूपये (एक करोड़ एक लाख चालीस हजार रूपये) का वितरण किया गया है। वही आज दो सफल हितग्राहियो को भी फीडबेक हेतु ग्राम नगरा विकासखण्ड मुरैना से श्री श्याम सुंदर को कार्यक्रम में अनुभव हेतु आमंत्रित किया है जो सबजी दुकान से 5000 से 6000 रूपये कमा रहे है। वहीं श्री कल्लूराम ग्राम हिंगोनाखुर्द मुरैना के श्री कल्लूराम ने भी सब्जी फेरी के लिये 10000 रूपये ऋण बैंक ऑफ इंडिया से प्राप्त कर कार्य कर 5000 से 6000 रुपये कमा रहे है। इस अवसर पर जिला अग्रणी बैंक मैनेजर श्री कर्नल कुमार, जिला परियोजना प्रबन्धक दिनेश सिंह तोमर, जिला प्रबन्धक (कौशल) श्री धर्मेंद्र कारोरिया, श्री उमेश राजोरिया, श्री अकील खान, श्री राकेश अहिरवार सहित 20 हितग्राही उपस्थित थे।

डॉ देशलहरा बने युवा कांग्रेस के जिलाअध्यक्ष

मोहन मांझी

गोहद। कांग्रेस पार्टी द्वारा अपने संगठन का विस्तार करते हुए जमीनी स्तर पर सक्रिय कार्यकर्ताओं को आगे लाने के लिए हाल ही में युवा कांग्रेस के चुनाव संपन्न कराए। जिसमें गोहद के सक्रिय कांग्रेसी नेता डॉ राजकुमार देशलहरा गोहद को युवा कांग्रेस जिला अध्यक्ष पद पर निर्वाचित किया गया।

युवा कांग्रेस के जिला अध्यक्ष पद के लिए 4 प्रत्याशी मैदान में थे इस चुनाव में डॉक्टर देशलहरा को 1003 मत प्राप्त हुए और वह 273 वोटों से जीत दर्ज कर भिंड जिले के युवा कांग्रेस अध्यक्ष बने हैं डॉ देशलहरा लहार विधायक डॉक्टर गोविंद सिंह के करीबी माने जाते हैं डॉ. देशलहरा के निर्वाचित होने पर भिंड जिले के युवाओं ने खुशी जाहिर करते हुए जश्न मनाया कई जगह मिठाइयां और आतिशबाजी की गई जिला अध्यक्ष निर्वाचित होने पर डॉ. राजकुमार देशलहरा ने संगठन के वरिष्ठ नेताओं सहित पूर्व सीएम कमलनाथ एवं पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह, पूर्व मंत्री डॉक्टर गोविंद सिंह एवं युवा कांग्रेस के राष्ट्रीय सचिव अनिरुद्ध प्रताप सिंह ,डॉ अमित सिंह का आभार जताया डॉ देशलहरा ने कहा कि उनका उद्देश्य संगठन के विस्तार के साथ जमीनी स्तर पर युवाओं के साथ मिलकर आमजन की समस्याओं को एवं युवाओं की समस्याओं को उठाना है बधाई देने वालों में लोकसभा पूर्व प्रत्याशी देवाशीष जरारिया पूर्व विधायक हेमंत कटारे, जिला प्रवक्ता अनिल भारद्वाज, आशुतोष शर्मा, विवेक पचोरी पूर्व जिला अध्यक्ष आशीर्वाद शर्मा, प्रदेश सचिव शालू पुरोहित, किसान कांग्रेस जिला अध्यक्ष आशीष गुर्जर, संजय सिंह यादव, राम हरि शर्मा, और शहर अध्यक्ष टोनी मुद्गल पूर्व नगर अध्यक्ष तहसील शाह ,अनुसूचित जाति ब्लॉक अध्यक्ष नवल किशोर बरैया ,आईटी सेल जिला अध्यक्ष शिशुपाल भदोरिया, दीपक बंटी शर्मा आईटी सेल प्रदेश सचिव, अनुसूचित जाति जिलाध्यक्ष सत्यपाल सिंह , राहुल उपाध्याय,आईटी सेल जिला अध्यक्ष युवा कांग्रेस सुरेंद्र बघेल लोकेंद्र गुर्जर अवधेश सिंह मनोहर गौर आलोक मिश्रा उपेंद्र यादव आदि लोगों ने बधाई एवं शुभकामनाएं दी।

आधार सेवा केंद्र पर नहीं हो रहा टोटल डिस्टेंसिंग का पालन कर रहे हैं अनदेखी

संचालक द्वारा किया जा रहा है उपभोक्ताओं को परेशान कनेक्टिविटी के नाम पर

मोहन मांझी

गोहद। लोक निर्माण विभाग कार्यालय में संचालित आधार सेवा केंद्र पर कोरोना महामारी के बचाव के लिए टोटल डिस्टेंसिंग एवं मास्क का उपयोग नहीं कर रहे हैं आधार सेवा केंद्र के कर्मचारी एवं ग्रामीण और नगर के लोगों को समय पर ना तो आधार कार्ड बन रहे हैं जबकि लोगों को कई दिनों से परेशान होना पड़ रहा है आधार कार्ड संचालक द्वारा ग्रामीण इलाकों से आने वाले आधार कार्ड धारकों से कार्ड बनाने के नाम पर रुपए वसूली की जा रही हैं जो लोग रुपए नहीं देते उन्हें जानबूझकर कनेक्टिविटी ना होने का बहाना बनाकर परेशान किया जा रहा है इस बात की ग्रामीणों ने और नगर के नागरिकों ने स्थानीय एसडीएम से शिकायत की है लोक निर्माण विभाग के शासकीय कार्यालय में संचालित आधार सेवा कार्ड के नाम से संचालक द्वारा लोगों को आधार कार्ड के लिए परेशान किया जा रहा है अवधेश बाथम वार्ड क्रमांक कीरतराम कुशवाह वार्ड क्रमांक 18 फिरोज खान गब्बर तोमर शिवनंदन शर्मा राकेश शर्मा विष्णु शर्मा इत्यादि लोगों ने बताया है कि आधार सेवा केंद्र दोपहर 12~00 बजे के बाद खुलता है और टोटल डिस्टेंसइग और मास्क

दोपहर 2~00 बजे बंद कर चले जाते हैं लोगों का कहना है कि आधार कार्ड संचालक कह देते हैं कि कनेक्टिविटी नहीं है और जिन लोगों से पैसा मिल जाता है उन लोगों के लिए कनेक्टिविटी आ जाती है

इनका कहना है

अति महत्वपूर्ण आधार सेवा केंद्र पर अगर नगर और ग्रामीण लोगों को परेशान किया जा रहा है तो बहुत ही गलत बात है शासन के द्वारा निर्धारित दर से अधिक रुपए लेते हुए पाए जाते हैं तो कार्रवाई की जाएगी

शुभम शर्मा
एसडीएम गोहद

धायमहादेव शिक्षा एवं जनकल्याण संस्था द्वारा एमपी पुलिस भर्ती परीक्षा

2020 के लिए नि :शुल्क कोचिंग का हुआ शुभारंभ

ऑफलाइन के साथ-साथ प्रोजेक्टर पर भी ऑनलाइन तैयारी करेंगे छात्र

पिछोर।शिवपुरी। रविवार को पिछोर अनुविभाग के धायमहादेव मंदिर के पास नयागांव में धायमहादेव शिक्षा एवं जनकल्याण संस्था के तत्वाधान में एमपी पुलिस भर्ती के लिए नि:शुल्क कोचिंग का शुभारंभ किया गया जिसमें क्षेत्र के सर्व समाज के बच्चे एमपी पुलिस की तैयारी निशुल्क करेंगे।कार्यक्रम का शुभारंभ माँ सरस्वती,वीरांगना अवंतीबाई लोधी एवं स्वामी ब्रह्मानंद जी के छायाचित्र पर दीप प्रवज्जलित एवं माल्यार्पण कर किया गया। इसके बाद वाद्ययंत्रों पर यशोधरा,जूली,क्रांति व प्रार्थना ने सरस्वती वंदना व स्वागत गीत की प्रस्तुति देकर कार्यक्रम को आगे बढ़ाया तदुपरांत कार्यक्रम की मुख्य अतिथि रिंका लोधी (सीएचओ),विशिष्ट अतिथि रवीना लोधी (आईटीवी),संध्या लोधी इमलिया ने फीता काटकर निशुल्क कोचिंग का शुभारंभ किया गया तो वहीं कार्यक्रम की अध्यक्षता कवि लक्ष्मण सिंह लोधी ने की।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए सभी वक्ताओं ने अपने अपने विचार रखते हुए कहा कि ये बड़ा ही सौभाग्य है कि जो हमारे युवा पढ़ लिखकर उच्च पदों पर पहुंच गए हैं वह इस प्रकार की निस्वार्थ भावना से ऐसी पहल की

शुरुआत कर रहे हैं जो हमारे बच्चों के भविष्य को बनाने के साथ-साथ समाज को भी एक नई दिशा देने में वरदान साबित होगी। इस क्षेत्र में नि:शुल्क कोचिंग का शुभारंभ हुआ है, जो इस क्षेत्र के लिए भी वरदान साबित होगा।

निःशुल्क कोचिंग में यह देंगे अपनी सेवाएं-शिक्षक पुष्पेंद्र लोधी एवं अर्जुन लोधी विजयपुर,हरिशंकर लोधी नयागांव ऑफलाइन सेवाएं देंगे जबकि संस्था द्वारा प्रोजेक्टर के माध्यम से ऑनलाइन कोचिंग संस्थान से आईडी लेकर निःशुल्क बच्चों को पढ़ाई कराई जावेगी,। तथा समय-समय पर ऑनलाइन प्रोजेक्टर के माध्यम से बच्चों को डीएसपीप्रमोद शाकय,वीडीओगौरीशंकर राजपूत,शिवजीत यादव निज सहायक मंत्री,विजयराम लोधी शिक्षक,रामगोपाल लोधी मंत्रालय एवं रामकेश लोधी स्टेशन मास्टर ऑनलाइन पढ़ाएंगे।

इन्होंने किया अतिथियों का स्वागत-चंद्रभान लोधी, बलवीर लोधी, प्रमोद लोधी, नवल लोधी, कृष्णकांत लोधी,राहुल लोधी,बबलू लोधी आदि ने कार्यक्रम में पधारे अतिथियों का माल्यार्पण कर स्वागत किया।

यह लोग रहे कार्यक्रम में उपस्थित-कार्यक्रम में मुख्य रूप से आरएस अकेडमी के संचालक रामपाल लोधी, विजयपुर सरपंच केरन सिंह लोधी, शिक्षक दिनेश लोधी रामकिशन लोधी, शिशुपालसिंह लोधी, सुन्दर लोधी, पूजा लोधी, अनीता लोधी, आरती कारपेंटर, रेखा पाल, प्रहलाद, रामप्रकाश, जगदीश, चंद्रपाल बीएसएफ, विनोद बीएसएफ, सुजान, दयाशंकर, ब्रजमोहन, मोहर सिंह, अतर सिंह लोधी पेंटर, अवधेश लोधी, तोरण सिंह, कमलेश लोधी, नरेंद्र, अंकेश, सुरेंद्र, मनोज सहित अनेक लोग मौजूद रहे। वहीं मंच संचालन धर्मपाल सिंह लोधी लभेडा द्वारा किया गया।

वन स्टॉप सेंटर अंतर्गत विभिन्न पदों के लिए 4 जनवरी तक जमा होंगे अनुरोध प्रस्ताव

मुरैना। हिंसा से प्रभावित एवं संघर्षरत महिलाओं एवं बालिकाओं को एक ही स्थान पर अस्थायी-आश्रय, पुलिस-सहायता, विधिक सहायता, चिकित्सकीय सहायता एवं विधिक, साइको-सोशल परामर्श का सपोर्ट प्रदाय किये जाने के लिए प्रदेश अंतर्गत 52 जिलों में जिला मुख्यालयों पर वन स्टॉप सेंटर संचालित किये जा रहे हैं। समस्त 52 वन स्टॉप सेंटर्स अंतर्गत शासन द्वारा स्वीकृत मानव संसाधन (केसवर्कर, परामर्शदाता, आई.टी.वर्कर, बहुद्देशीय कार्यकर्ता तथा सुरक्षाकर्मी के पदों) की पूर्ति जिला कलेक्टर द्वारा अशासकीय समाजसेवी संस्थाओं से अनुरोध प्रस्ताव (ऋड्ढह्वद्गह्यह्ल द्घशह्र क्चह्म्श्चशह्यड्डद्य) प्राप्त कर, आउटसोर्स के माध्यम से की जाना है। अशासकीय समाजसेवी संस्थाओं की योग्यता, अनुभव, चयन-मापदंड, मानव संसाधन की योग्यता, मानव संसाधन के अनुभव, मानदेय आदि की जानकारी के लिए अनुरोध प्रस्ताव (आर.एफ.पी.) प्रारूप विभागीय पोर्टल, वेबसाईट 222.द्वश्च2ष्स्रद्गद्वह्य.द्दश1.द्बठ्ठ या संबंधित जिले की एनआईसी वेबसाइट या संबंधित जिले के जिला कार्यक्रम अधिकारी (महिला एवं बाल विकास) कार्यालय से शासकीय कार्य दिवसों (कार्यालयीन समयावधि) में प्राप्त किया जा सकता है।

Kds Photography
A quality Work
Dir. Arvind Rathor
9179432260
7514925493
H-23, Aditya Puram, Bhind Road, Gwalior (M.P.)
(Near of Reliance Petrol Pump)
E-mail : photographykds@gmail.com
Website : www.kdsphotography.in
Pre-Wedding
Post Wedding
Ring Ceremony
Candid Photography
Cinematic Videography
Event Photography
Model Shoot
Make-up Shoot
Arial Photography
Portfolio
Crane, Drone, LED Wall

दिव्यांगों को बस किराए में 50 प्रतिशत की छूट

मुरैना। सभी तरह की बसों में दिव्यांगजनों को यूनिक आईडी दिखाने पर किराए में 50 प्रतिशत की छूट मिलेगी। परिवहन आयुक्त द्वारा प्रदेश के जिले के सभी क्षेत्रीय अतिरिक्त एवं जिला परिवहन अधिकारी को निर्देशित किया गया है कि राज्य शासन द्वारा मध्य प्रदेश के राजपत्र में 24 नवम्बर 2016 को किये गये प्रावधान के तहत समस्त प्रक्रम बस सेवाओं में विभिन्न प्रकार के दिव्यांग व्यक्तियों को प्रभारित किराये में 50 प्रतिशत की छूट दी जायेगी, यदि वे सक्षम प्राधिकारी का प्रमाण-पत्र प्रस्तुत करते हैं। निर्देश दिये गये हैं कि दिव्यांगजनों द्वारा भारत सरकार के सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय अथवा राज्य सरकार द्वारा जारी युनिक आईडी (युडीआईडी) के तहत जारी किये गये परिचय-पत्र दिखाये जाने पर किराये में 50 प्रतिशत की छूट का लाभ दिया जाये।

संत गाडगे बाबा की 64वीं पुण्यतिथि पर उनके चित्र पर माल्यार्पण किया

समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री श्री अखिलेश यादव ने आज पार्टी मुख्यालय, लखनऊ में संत गाडगे बाबा की 64वीं पुण्यतिथि पर उनके चित्र पर माल्यार्पण किया। उन्होंने बाबा के समाज सुधार आंदोलन से प्रेरणा लेने को कहा। अंधविश्वास और कुरीतियों के विरोध के साथ शिक्षा, स्वच्छता और लोक शिक्षण की दिशा में उनके अप्रतिम योगदान के अनुकरण पर भी उन्होंने बल दिया। श्री अखिलेश यादव ने कहा कि संत गाडगे निष्काम कर्मयोगी थे। उन्होंने महाराष्ट्र के कोने-कोने में अनेक धर्मशालाएं, गौशालाएं, विद्यालय, चिकित्सालय तथा छात्रावासों का निर्माण कराया। यह सब उन्होंने लोगों से भीख मांगकर बनाया किन्तु अपने लिए एक कुटिया तक नहीं बनवाई। संत गाडगे दिवस पर सैकड़ों कार्यकर्ताओं के बीच श्री अखिलेश यादव ने कहा कि निर्दोषों को फंसाना भाजपा का एजेण्डा है। भाजपा मुख्यमंत्री जी को विपक्षी नेताओं का उत्पीड़न करके खासतौर पर खुशी मिलती है। भाजपा षडयंत्र में लगी है। मोहम्मद आजम खां को झूठे मुकदमों में फंसाया गया है। श्री यादव ने कहा कि उन्हें न्यायालय पर भरोसा है। मोहम्मद आजम खां ने रामपुर में मोहम्मद अली जौहर विश्वविद्यालय की स्थापना की। गरीब बच्चों को उच्च शिक्षा तक दिलाने की व्यवस्था की। जनपद में तमाम विकास कार्य किये। यहां तक कि कुम्भ मेला की सुचारू व्यवस्था के लिए विदेशियों और साधु-संतो ने भी उनकी प्रशंसा की। आजम साहब सामाजिक सद्भाव के पैरोकार रहे है। सरकार जानबूझकर बदले की भावना से न केवल मोहम्मद आजम खां अपितु उनकी पत्नी और बेटा के खिलाफ फर्जी मुकदमें लगाए जा रही है। जेल में उन्हें यातना दी जा रही है। समाजवादी पार्टी उनके पक्ष में निरंतर आवाज उठाती रही है। पूर्व केन्द्रीय मंत्री श्री सलीम शेरवानी, श्री आबिद रजा पूर्व सदर विधायक बदायूं सर्वश्री फरहान इलाहाबाद, शकील अहमद वाराणसी, शाहिद अली खां बिजनौर, जफर अमीन 'डक्कू' गोरखपुर, राफे राना रायबरेली, नफीसुल हसन अम्बेडकरनगर, परवेज वाराणसी, सुहेल अयूब लखनऊ, असलम परवेज फिरोजाबाद, महबूब अजीज फिरोजाबाद, आरिफ मुरादाबाद, सरफराज अली खां बरेली, कारी अब्दुल रसूल साहब बदायूं, सैफअली बरेली, खुदादाद खां मलिहाबाद लखनऊ, सैय्यद आबिद अली आंवला बरेली, मुईन अहमद एटा, अनवर अली खां सैदपुर बदायूं, सलीम अहमद खां सहसवान बदायूं, तारिक अहमद सहसवान बदायूं, मोहम्मद अजहर बदायूं, सरताज अली खां बदायूं, मोहम्मद उमर मैनपुरी, रफीउल इस्लाम बुलन्दशहर, सरताज आलम मुरादाबाद और साकिर खान सीतापुर ने श्री अखिलेश यादव के नेतृत्व एवं शालीनता की प्रशंसा करते हुए 2022 में समाजवादी सरकार बनाने के लिए एकजुटता का भरोसा दिलाया। कार्यक्रम में समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय सचिव श्री राजेन्द्र चौधरी एवं प्रदेश अध्यक्ष श्री नरेश उत्तम पटेल तथा सर्वश्री श्री कमलेश्वर दिवाकर, सुनील दिवाकर, डॉ0 भूपेन्द्र दिवाकर, प्रवीन दिवाकर, ज्ञानेन्द्र दिवाकर, रत्नेश दिवाकर, डॉ0 रामकरन निर्मल प्रदेश अध्यक्ष लोहिया वाहिनी सहित राजन कन्नौजिया, जयराम कन्नौजिया, अमन चौधरी, सत्यवीर सिंह दिवाकर ने भी संत गाडगे को पुष्पांजलि दी।

कोरोना काल में घर घर जाकर पढ़ा रहे शिक्षक

पिछोर। कोरोना वायरस के संक्रमण के खतरे को देखते हुए पिछले कई महीनों से स्कूल बंद हैं ऐसे में राज्य सरकार ने ऑनलाइन सहित अनेक प्रकार की गतिविधियों को लाकर पढ़ाई को जारी रखा है जिससे बच्चों की पढ़ाई प्रभावित न हो। जिले में कुछ शिक्षक बच्चों के बेहतर शिक्षा के लिये प्रयास में जुटे हुए हैं. कोरोना काल में शिक्षा विभाग ने ऑनलाइन क्लास,गली मोहल्ला क्लास की तरह की पहल की है जिसमें घर-घर जाकर बच्चों को पढ़ाया जाए। ऐसे ही पिछोर ब्लॉक के लभेडा में माध्यमिक विद्यालय की प्रधानाध्यापक वीरेंद्र कुमार नीखरा एवं शिक्षक सतीश शर्मा द्वारा गांव के गली मोहल्ले में पहुंचकर कोविड-19 के नियमों का पालन करते हुए कक्षाएं लगाई जा रहीं है और बच्चों को शिक्षा दी जा रही है।

VISION 2030
ग्वालियर शहर में पहली बार हर सेवा और वस्तु बहुत ही सस्ती
जियो रीचार्ज एक माह 199 वाला केवल 180 में।
आइडिया और एयरटेल का रीचार्ज केवल 225/- में 249 वाला।
किराना का सामान सबसे सस्ता।
HOME TUITION का डेमो फ्री वो भी 15 दिन।
केक केवल 180/- में फ्री HOME DELIVERY के साथ।
टिफिन सेंटर खाना बिल्कुल घर जैसा।
ऐसे ही 5 लाख प्रोडक्ट्स और 50 से ज्यादा सेवाएँ
बस एक कॉल या वॉट्सएप्प, हर सेवा आपके पास।
Only WHATSAPP 9425823988
call-9691937250/- 9516003221

प्रो. दीपक परिहार - मो. 7974926845
बेवफा चाय वाला
क्या लेंगे आप चाय या धोखा
प्रेमी जोड़ो के लिये
20 रु. की चाय
प्यार में धोका खाये लोगो के लिये
15 रु. की चाय
फौजी भाईयों के लिये
फ्री चाय
चाय दूसरी ऐसी चीज है...
जिससे आँखे खुलती है...
धोखा आज भी पहले 1 नम्बर पर है...

दैनिक पुष्पांजली टुडे

न्यूज. ब्रीफ

मंत्री भूपेन्द्र सिंह ने किया स्वच्छ सर्वेक्षण जागरूकता अभियान के वीडियो एवं आडियो जिंगल्स का अनावरण

भोपाल। नगरीय विकास एवं आवास मंत्री भूपेन्द्र सिंह ने रविवार को नगर निगम सागर द्वारा स्वच्छ सर्वेक्षण-2021 जागरूकता अभियान के तहत तैयार किए गए वीडियो एवं आडियो जिंगल्स का अनावरण किया। इस अवसर पर सांसद राजबहादुर सिंह, विधायक श्री शैलेन्द्र जैन सहित नगर निगम के अधिकारी उपस्थित थे।

इन्वेस्ट इंडिया के सर्वे में प्रदेश को मिले 97 प्रतिशत अंक

भोपाल। 'इन्वेस्ट इंडिया' और डीपीआईआईटी द्वारा कराए गए आईपीए सर्वे में मध्यप्रदेश औद्योगिक विकास निगम पूरे भारत में अग्रणी निवेश संवर्धन एजेंसी के रूप में सामने आयी है। निवेश संवर्धन के क्षेत्र में मध्यप्रदेश का स्कोर 97 प्रतिशत रहा है। निवेशकों को आमन्त्रित करने, मध्यप्रदेश में निवेश लाने, निवेशकों को सुविधाएं देने का उद्यमों के स्थापित होने के बाद उनका ध्यान रखने, अधोसंरचना विकास तथा वेबसाइट के मानदंडों में मध्यप्रदेश का स्कोर शत-प्रतिशत रहा है। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने इस उपलब्धि के लिए मप्र औद्योगिक विकास निगम को बधाई दी है।

ओम यादव का निधन

भोपाल। भोपाल विकास प्राधिकरण के पूर्व अध्यक्ष ओम यादव का रविवार को निधन हो गया। यादव भाजपा के वरिष्ठ नेता थे। उनके निधन से प्रदेश की राजनीतिक वीथिका में शोक की लहर है। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने यादव के निधन पर दुख व्यक्त किया है। मुख्यमंत्री ने कहा यादव ने समाज को महत्वपूर्ण सेवाएं दीं। मुख्यमंत्री ने ईश्वर से स्व. यादव की आत्मा की शांति और उनके शोकग्रस्त परिजन को यह दुख सहन करने की क्षमता देने की प्रार्थना की है। वहीं भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष व सांसद विष्णुदत्त शर्मा, प्रदेश संगठन महामंत्री सुहास भगत एवं प्रदेश सह संगठन महामंत्री हितानंद शर्मा ने भोपाल विकास प्राधिकरण के पूर्व अध्यक्ष ओम यादव के दुखद निधन पर शोक व्यक्त किया है और शोक संतप्त परिवार के प्रति गहन संवेदना व्यक्त की है। पार्टी के प्रदेश उपाध्यक्ष अरविन्द सिंह भदौरिया, विनोद गोटिया, श्रीमति रंजना बघेल, सुउषा ठाकुर, रामलाल रौतेल, प्रदीप लारिया, सुदर्शन गुप्ता, विजेश लुणावत, जीतू जिराती, प्रदेश महामंत्री भगवानदास सबनानी, सुकविता पाटीदार, हरिशंकर खटीक, सरतेन्दु तिवारी, रणवीरसिंह रावत एवं राजपाल सिंह सिसोदिया ने ओम यादव के निधन पर शोक व्यक्त किया है और शोक संतप्त परिवार के प्रति गहन संवेदना व्यक्त की है।

| मुख्यमंत्री चौहान ने किया ग्राम जमुनिया खेजड़ा में 300 करोड़ लागत की पाइप निर्माण इकाई का शुभारंभ |

जमुनिया बनेगा नया इंडस्ट्रियल एस्टेट

- उद्योगों में महिलाओं का रोजगार प्रतिशत बढ़ाएंगे, उद्योगपतियों से चर्चा कर बनेगी नीति
- प्रधानमंत्री मोदी के आत्मनिर्भर भारत की लक्ष्य प्राप्ति में मध्यप्रदेश आगे रहेगा

भोपाल

मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा है कि प्रदेश में औद्योगिक विकास कर अधिकाधिक लोगों को रोजगार उपलब्ध करवाना राज्य सरकार की सबसे बड़ी प्राथमिकता है। प्रधानमंत्री मोदी ने कोरोना की चुनौती को अवसर में बदला और आत्मनिर्भर भारत का संकल्प लिया है। इस संकल्प को पूरा करने में मध्यप्रदेश अधिकतम भागीदारी करेगा। उद्योगों को सभी सुविधाएं उपलब्ध करवाई जाएंगी ताकि आत्मनिर्भर मध्यप्रदेश के लक्ष्य को जल्दी हासिल किया जा सके। मुख्यमंत्री चौहान आज भोपाल से पच्चीस किलोमीटर दूर रायसेन जिले में दीवानगंज के निकट ग्राम जमुनिया खेजड़ा में करीब 300 करोड़ की लागत से वेलस्पन समूह द्वारा स्थापित पाइप एवं प्लेट्स एंड क्वाईल निर्माण इकाई के शुभारंभ कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। इस इकाई से करीब 1500 लोगों को प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष तौर पर रोजगार मिलेगा। मुख्यमंत्री चौहान ने कहा कि जमुनिया क्षेत्र रायसेन जिले का दूसरा महत्वपूर्ण औद्योगिक क्षेत्र है। पहले सभी उद्योग मण्डीदीप में ही लगाए जाते रहे हैं। मण्डीदीप के समान्तर इस क्षेत्र का औद्योगिक विकास होने से इस नए इंडस्ट्रियल एस्टेट में अन्य इकाईयां आएंगी। कुछ इकाईयां तो आ भी चुकी हैं।

इस संपूर्ण क्षेत्र की अर्थव्यस्था में सकारात्मक बदलाव आएगा। उन्होंने कहा कि वर्ष 2018 में निवेश आमंत्रण दिए जाने के बाद वेलस्पन समूह ने तेजी से कार्य कर आज संयंत्र तैयार कर लिया। मुख्यमंत्री चौहान ने कहा कि इस अंचल के लोगों के लिए स्वास्थ्य, शिक्षा और रोजगार की बेहतर व्यवस्थाएं संभव होंगी। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि उद्योगों में महिलाओं का रोजगार प्रतिशत बढ़ाएंगे। इसके लिए उद्योगपतियों से चर्चा कर नीति तैयार की जाएगी। हमारी बेटियां ऐसे संयंत्रों में कार्य करने के लिए पूरी तरह काबिल हैं।

10 हजार करोड़ रुपये का निवेश करेगा वेलस्पन समूह

प्रारंभ में वेलस्पन समूह के चेयरमेन बालकृष्ण गोयनका ने कहा कि अगले 3-4 साल में मध्यप्रदेश में समूह द्वारा करीब 10 हजार करोड़ रुपए का इन्वेस्टमेंट कर हजारों लोगों को रोजगार के अवसर उपलब्ध करवाए जाएंगे। वेलस्पन ग्रुप पाइप लाइन क्षेत्र में देश की सबसे बड़ी कंपनी है। जमुनिया की इस इकाई में महिलाओं की रोजगार में बराबर की हिस्सेदारी रहेगी। कंपनी के 80 प्रतिशत उत्पाद विश्व के अग्रणी देशों को निर्यात किए जाते हैं। वेलस्पन ग्रुप औद्योगिक क्षेत्र देवास में जल आपूर्ति का काम भी कर रही है। इसके अलावा वेलस्पन ग्रुप महिला सशक्तिकरण के लिए भी काम कर रहा है। शिक्षा और स्वास्थ्य के लिए 50 करोड़ रुपए वार्षिक खर्च किए जाते हैं। गोयनका ने कहा कि मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने अपने गंभीर प्रयासों से प्रदेश का रंग-रूप बदल दिया है। इसके पूर्व समूह द्वारा नीमच स्थित सोलर पावर प्लांट में वेलस्पन ग्रुप का बड़ा योगदान दिया गया है। वास्तविकता यह है कि मध्यप्रदेश में अब औद्योगिक क्षेत्र में काम करना आसान हुआ है। उन्होंने पूर्व वर्षों के अनुभव बताते हुए कहा कि जब 2003 में पहली बार जब भोपाल आए तो लगा कि यहां कैसे काम करेंगे, निवेश कैसे करेंगे। फिर धीरे-धीरे यह देखा कि 15 वर्ष में शिवराज जी ने औद्योगिक क्षेत्र में काम करने के पक्ष में माहौल बना दिया है। कार्यक्रम में अन्य औद्योगिक संस्थानों के पदाधिकारी, जनप्रतिनिधि और स्थानीय नागरिक उपस्थित थे।

उद्योग बनेंगे हमारे पार्टनर

मुख्यमंत्री चौहान ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी जिस तरह भारत को उद्योग स्थापना का डेस्टिनेशन बनाना चाहते हैं, उसमें भी मध्यप्रदेश सक्रिय भूमिका निभाएगा। मध्यप्रदेश सरकार वेलस्पन समूह और इसी तरह के औद्योगिक संस्थानों को विकास में पार्टनर बना रही है। मुख्यमंत्री चौहान ने कहा कि कोरोना काल में आत्मनिर्भर मध्यप्रदेश का रोडमेप तैयार कर अधोसंरचना, सुशासन, स्वास्थ्य, शिक्षा और रोजगार के माध्यम से समग्र विकास की तैयारी की गई है। वेलस्पन समूह की नई इकाई आत्मनिर्भर मध्यप्रदेश के संकल्प को पूरा करने की कड़ी में एक महत्वपूर्ण कदम है। इसके लिए यह समूह इसलिए बधाई का पात्र है क्योंकि दो वर्ष के रिकॉर्ड समय में जमुनिया में यह संयंत्र बनाकर तैयार कर लिया गया।

झटका: सरकार ने दिया कई योजनाओं में बैंकों से कर्ज बंद करने का फरमान

- युवा, स्वरोजगार और कृषक उद्यमी योजना से शिवराज सरकार ने खींचे हाथ

भोपाल

बेरोजगारी की मार झेल रहे मध्यप्रदेश के युवाओं को शिवराज सरकार ने बड़ा झटका दिया है। आत्मनिर्भर मध्यप्रदेश का रोडमैप लागू करने की कवायद में जुटी सरकार ने बेरोजगार युवाओं को आत्मनिर्भर बनाने के लिए शासकीय योजनाओं के तहत मिलने वाले लोन देने से हाथ खींच लिए हैं। दरअसल, सरकार ने सभी बैंकों को निर्देश दिए हैं कि मुख्यमंत्री युवा, स्वरोजगार और कृषक उद्यमी योजना के तहत लोन देने की प्रक्रिया फिलहाल बंद कर दें। यदि प्रकरण स्वीकृत हो चुके हैं, तो भी उन्हें रोक दें। इस संबंध में सूक्ष्म लघु एवं मध्यम उद्यम विभाग (एमएसएमई) के सचिव विवेक पोरवाल ने 18 दिसंबर को स्टेट लेवल बैंकर्स कमेटी (एसएलबीसी) के संयोजक को पत्र भेजा है। जिसमें हवाला दिया गया है कि मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान की अध्यक्षता में गत 14 दिसंबर को विभाग की समीक्षा बैठक में यह निर्णय लिया गया है।

मुख्यमंत्री युवा उद्यमी और युवा स्व-रोजगार योजना के आवेदन एमपी ऑनलाइन पोर्टल के जरिए ऑनलाइन लिए जाते हैं, लेकिन पोर्टल पर लिख दिया गया है- विभाग के आगामी आदेश तक आवेदन की प्रक्रिया बंद की जाती है। योजनाएं दोबारा शुरू होंगी या नहीं, इसको लेकर कोई जानकारी पोर्टल पर नहीं दी गई है।

एमएसएमई, नगरीय प्रशासन एवं आवास विभाग, कुटीर एवं ग्रामोद्योग विभाग, पंचायत एवं ग्रामीण विकास, आदिम जाति कल्याण, पिछड़ा वर्ग एवं अल्पसंख्यक कल्याण, विमुक्त घुमक्कड़ एवं अर्धघुमक्कड़ विभाग, कृषि, उद्यानिकी एवं खाद्य प्रसंस्करण, पशुपालन और मछुआ कल्याण विभाग द्वारा संचालित है। इस योजना में 10 लाख से 2 करोड़ तक के लोन पर 15 प्रतिशत मार्जिन मनी और 5 प्रतिशत ब्याज अनुदान का प्रावधान है। सभी योजनाओं से ज्यादा फायदा 40 प्रतिशत ग्रांट एमएसएमई की योजनाओं में है। प्रदेश का युवा अलग-अलग योजनाओं के कारण भ्रमित न हो और उसे एक दिशा में अधिकतम फायदा कैसे दिया जाए, ताकि मप्र की एंटरप्रन्योरशिप की स्किल बढ़े। कोविड के आते ही सीएम ने यह फैसला लिया था। मुख्यमंत्री युवा उद्यमी और युवा स्व-रोजगार योजना के तहत लोन लेकर अपना रोजगार स्थापित करने के लिए युवा जिला व्यापार एवं उद्योग केंद्रों और अनुसूचित जाति एवं जनजाति वि‍त्त एवं विकास निगम के चक्कर काट रहे हैं। यहां उन्हें एक ही जवाब मिल रहा है कि योजनाएं बंद हैं। राज्य सरकार ने इस वर्ष इनके लक्ष्य जिलों को आवंटित नहीं किए। प्रदेश में इस साल एक भी युवा को अपना रोजगार स्थापित करने के लिए लोन नहीं मिला है। वजह यह है कि इस वर्ष एमएसएमई विभाग ने जिला उद्योग केंद्रों, अनुसूचित जाति एवं जनजाति वित एवं विकास निगम और अन्य विभागों को इन योजनाओं के लिए लक्ष्य नहीं दिए।

एमएसएमई लोन डिस्बर्समेंट पर रोक लगाने का फैसला बेरोजगारों के सपनों की हत्या है: भूपेंद्र गुप्ता

भोपाल। एक तरफ मध्य प्रदेश की सरकार बेरोजगार नौजवानों को रोजगार मेले लगाने का छद्म परोस रही है और दूसरी तरफ बैंकों से कह रही है कि जिन बेरोजगारों का लोन स्वीकृत हो चुका है और उनका वितरण नहीं हुआ है उसका डिसबर्समेंट रोक दिया जाए। एम एस एम ई विभाग द्वारा जारी यह सर्कुलर मध्य प्रदेश के लाखों बेरोजगारों के साथ जो उद्यमी बनना चाहते हैं एक बड़ा धोखा है।

मध्य प्रदेश कांग्रेस के मीडिया उपाध्यक्ष भूपेंद्र गुप्ता ने कहा कि मध्य प्रदेश को आत्मनिर्भर बनाने का जो झूठा नारा दिया गया है उसकी पहली पोल इस सर्कुलर ने खोल दी है। जो लोग अपने पांव पर खड़े होना चाहते हैं और अपना उद्योग खड़ा करने का साहस कर रहे हैं उन बेरोजगार नौजवानों के लोन डिसबर्समेंट पर रोक लगाकर सरकार ने यह बता दिया है कि आत्मनिर्भर मध्यप्रदेश का नारा खोखला है और प्रदेश की जनता के साथ एक बड़ा धोखा है। गुप्ता ने सरकार से तत्काल निर्देश वापस लेने की मांग की। उन्होंने बेरोजगारों के साथ हुए इस छल और उन्हें हताश करने वाले फैसले के लिए माफी मांगने की अपील की।

मंथन जारी: मध्य प्रदेश में दो चरणों में होंगे नगरीय निकाय चुनाव

भोपाल

प्रदेश के नगरीय निकायों के चुनाव दो चरण में कराए जाएंगे। इसके लिए तारीखों पर अंतिम दौर का मंथन चल रहा है। कोरोना की स्थिति को लेकर राज्य निर्वाचन आयोग सरकार से फीडबैक ले रहा है। संक्रमण से बचाव के सभी उपायों का अपनाते हुए एक जनवरी 2020 की मतदाता सूची से चुनाव कराए जाएंगे। इसके लिए मतदाता सूची, इलेक्ट्रानिक वोटिंग मशीन, मतदान केंद्र, कोरोना वायरस के संक्रमण से बचाव के उपाय सहित अन्य इंतजाम आयोग ने कर लिए हैं। बताया जा रहा है कि चुनाव की अधिसूचना जारी करके नामांकन प्रक्रिया की शुरूआत इसी माह से करने की तैयारी है। सूत्रों के मुताबिक ऐसे जिले, जिनमें निकायों की संख्या कम है, वहां एक चरण में ही चुनाव होंगे। बड़े नगर निगम वाले जिलों में दो चरणों में चुनाव कराए जाएंगे। कोरोना संक्रमण की स्थिति को देखते हुए मतदान की समयसीमा एक घंटे बढ़ाई जाएगी। मतदान केंद्र में बिना मास्क आने की किसी को अनुमति नहीं होगी। मतदानकर्मियों को फेस शील्ड से लेकर कोरोना संक्रमण से बचाव की सभी जरूरी सामग्री उपलब्ध कराई जाएगी। इसकी व्यवस्था करने के निर्देश जिला प्रशासन को दिए जा चुके हैं। चुनाव एक जनवरी 2020 की मतदाता सूची से कराया जाएगा, इसके लिए चुनाव की अधिसूचना जल्द जारी होगी। इसके बाद ही नामांकन प्रक्रिया भी शुरू कर दी जाएगी। नामांकन आनलाइन होगा और इसका प्रिंट रिटर्निंग आफिसर के पास जमा कराना होगा। आयोग के सचिव दुर्गविजय सिंह ने बताया कि सभी तैयारियां लगभग पूरी हो गई हैं। कोरोना की स्थिति को देखते हुए चुनाव कार्यक्रम को अंतिम रूप देने का काम चल रहा है।

दिव्यांगजनों को समाज में बराबरी के अवसर देने के लगातार प्रयास जारी

भोपाल। पिछड़ा वर्ग एवं अल्पसंख्यक कल्याण राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) रामखेलावन पटेल ने कहा है कि प्रदेश में दिव्यांगजनों को समाज में बराबरी के अवसर देने के लगातार प्रयास जारी हैं। रामखेलावन पटेल ने सामाजिक कार्यकताओं एवं नागरिकों से दिव्यांगजनों को बढ़-चढ़कर मदद देने का आग्रह किया।

सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय के केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने 765 किलोमीटर की लंबाई के साथ 13,000 करोड़ रुपये की लागत से

तेलंगाना में 14 राष्ट्रीय राजमार्ग परियोजनाओं का उद्घाटन किया

के. रवि (दादा)

नई दिल्ली। केंद्रीय सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने तेलंगाना में वर्चुअल तरीके से 14 राष्ट्रीय राजमार्ग परियोजनाओं का उद्घाटन किया और एक कोने में स्थापित किया . यह परियोजनाएं 13,169 करोड़ रुपये की लागत से 765.663 किलोमीटर सड़कों को कवर करेंगी . केंद्रीय मंत्री जी. किशन रेड्डी और तेलंगाना सड़क और निर्माण मंत्री जनरल डॉ . वी के सिंह सहित कई गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे .

तेलंगाना के सभी जिले जल्द ही राष्ट्रीय राजमार्ग से जुड़ जाएंगे- नितिन गडकरी

पिछले छह वर्षों में, तेलंगाना राज्य के लिए 17,617 करोड़ रुपये के कुल 59 कार्यों को मंजूरी दी गई है, गडकरी ने कहा . राज्य के लगभग सभी 33 जिले आज राष्ट्रीय राजमार्गों से जुड़े हुए हैं . उन्होंने कहा कि शेष पेदापल्ली जिले को भी जल्द ही जोड़ा जाएगा . राज्य में राष्ट्रीय राजमार्ग सड़कों की लंबाई पिछले 6 वर्षों में 55.71त्न बढ़ी है . उन्होंने कहा कि इस अवधि के दौरान 1400 किलोमीटर लंबे राष्ट्रीय

राजमार्गों का निर्माण किया गया था . उन्होंने कहा कि अब तक सीआरआईएफ योजना के तहत तेलंगाना के लिए 2,436 करोड़ रुपये मंजूर किए गए हैं, जिसमें से 1,483 करोड़ रुपये का वितरण किया गया है . तेलंगाना में 2014-15 से 4,793 करोड़ रुपये की लागत से 841 किलोमीटर सड़कें बनाई गई हैं और 13,012 करोड़ रुपये की लागत से 809 किलोमीटर सड़कों पर काम चल रहा है . चालू वित्त वर्ष में, राज्य के लिए 8,957 करोड़ रुपये की लागत से 328 किलोमीटर सड़कों के निर्माण के लिए 13 परियोजनाएँ प्रस्तावित हैं . इस गलियारे का विकास मौजूदा यातायात की भीड़ को कम करेगा, यात्रा के समय को कम करेगा, लागत को बचाएगा और कार्बन उत्सर्जन को कम करेगा . उन्होंने कहा कि तेलंगाना राज्य को कृषि क्षेत्र को आर्थिक उत्पादकता में स्थानांतरित करना चाहिए . देश वर्तमान में बड़ी मात्रा में चीनी और चावल का उत्पादन कर रहा है और सरकार के पास पर्याप्त भंडार है, इसलिए वाहनों के लिए वैकल्पिक ईंधन प्रदान करने के लिए इथेनॉल उत्पादन के लिए दोनों के अतिरिक्त भंडार का उपयोग किया जाना चाहिए . गडकरी ने कहा कि इससे न केवल किसानों की आय बढ़ेगी बल्कि देश में ईंधन उत्पादन का एक स्वदेशी स्रोत भी बनेगा .

जनजागरण — कृषि मंत्री कमल पटेल ने हरदा से की शुरुआत, 6 गांवों में सुनेंगे किसानों की समस्याएं

नया अभियान: किसानों को कृषि कानून के फायदे समझाने के लिए मंत्री-विधायक खेत में लगाएंगे चौपाल

भोपाल

कृषि कानून को लेकर जनजागरण कर रही भाजपा अब नया अभियान शुरू कर रही है। इसके तहत मंत्री-विधायक कृषि कानूनों के फायदे समझाने के लिए खेत में चौपाल लगाएंगे। इस अभियान की शुरुआत कृषि मंत्री कमल पटेल ने गृह जिले हरदा से की है। कृषि मंत्री कमल पटेल ने पहली चौपाल हरदा के ग्राम धुरगाड़ा में लगाई। यहां उन्होंने कहा कि अब तक बिचौलिए किसानों के लाभ को हजम कर जाते थे। इन कानूनों के आने के बाद किसानों को वाजिब हक मिलेगा। पटेल ने चौपाल में कहा कि कानून किसानों के हित में लाए गए हैं। इससे किसानों की आय बढ़ेगी। खेती का उन्नत स्वरूप विकसित होगा। गांव में कृषि आधारित अधोसंरचनात्मक विकास होगा। किसान अपने उद्योग खुद लगा सकेंगे। उन्होंने किसानों को आश्वस्त किया कि मध्यप्रदेश में मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान और केंद्र में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सरकार किसानों की आय को न सिर्फ दोगुना करेगी, बल्कि किसानों को आर्थिक रूप से सशक्त और समृद्ध बनाने का प्रयास करेगी।

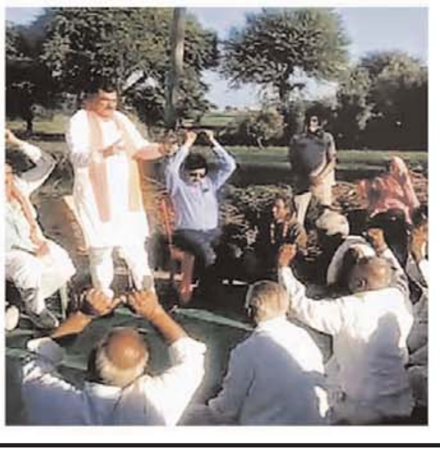

इधर, कांग्रेस स्थापना दिवस पर बड़े किसान आंदोलन की तैयारी

इधर, कांग्रेस स्थापना दिवस 28 दिसंबर को है। इसके बहाने कांग्रेस प्रदेश भर के किसानों को भोपाल बुलाकर बड़ा आंदोलन करने की तैयारी कर रही है। पार्टी सूत्रों ने बताया कि कांग्रेस अपने स्थापना दिवस को किसानों को समर्पित करेगी। इस संबंध में सभी जिला अध्यक्षों को निर्देश भी जारी कर दिए हैं। चूंकि इसी दिन विधानसभा के शीतकालीन सत्र का पहला दिन है। ऐसे में कांग्रेस तीनों कृषि कानूनों के समर्थन में विधानसभा को घेरने की तैयारी भी कर रही है।

मुख्यमंत्री आज ग्रामीण पथ विक्रेताओं को करेंगे ब्याज मुक्त ऋण का वितरण

भोपाल। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान 21 दिसम्बर को प्रदेश के लगभग 20 हजार पथ विक्रेताओं को मुख्यमंत्री ग्रामीण पथ विक्रेता योजना के अंतर्गत 10-10 हजार रूपए के ब्याज-मुक्त ऋण का वितरण (वर्चुअली) करेंगे। कार्यक्रम मिंटो हॉल में दोपहर 03 बजे से आयोजित होगा। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री श्री चौहान कुछ जिलों के हितग्राहियों से वीडियो कान्फ्रेंसिंग के माध्यम से संवाद भी करेंगे। मुख्यमंत्री ग्रामीण पथ विक्रेता योजना में छोटे-छोटे स्ट्रीट वेण्डर्स फल, सब्जी, आइसक्रीम, ब्रेड, बिस्किट, अण्डे, जूते-चप्पल, झाड़ू, साइकिल रिपेयरिंग, बढ़ई, कुम्हार, बुनकर, धोबी, टेलर्स आदि को 10-10 हजार रूपए का ब्याज रहित ऋण उनके कार्य के लिए दिलवाया जाता है। क्रेडिट गारंटी राज्य शासन देता है। स्टाम्प ड्यूटी भी नहीं लगती। कोई भी 18 से 55 वर्ष की आयु का ग्रामीण पथ व्यवसायी इस योजना का लाभ ले सकता है।

बिजलीकर्मियों की सेवानिवृत्ति आयु 62 वर्ष होने का रास्ता साफ

भोपाल

सुप्रीम कोर्ट ने मध्य प्रदेश पावर जनरेटिंग कंपनी लिमिटेड की विशेष अनुमति याचिका खारिज कर दी। इसके साथ मध्यप्रदेश के बिजलीकर्मियों की सेवानिवृत्ति आयु 58 वर्ष से बढ़कर 62 वर्ष होने का रास्ता साफ हो गया। सुप्रीम कोर्ट के न्यायमूर्ति अदुल नजीर व जस्टिस संजय खन्ना की युगलपीठ के समक्ष मामले की सुनवाई हुई। इस दौरान बिजलीकर्मियों की ओर से अधिवक्ता फारूख रसीद, हर्ष पाठक, सविता महाजन, अरविंद चौपड़ा, मोहित चौबे, सिद्धार्थ शुक्ला, केव्ही उपाध्याय व एसआर सेठिया ने पक्ष रखा। कोर्ट ने कहा कि मध्य प्रदेश हाईकोर्ट का आदेश विधि-सम्मत था। लिहाजा, सुप्रीम कोर्ट हस्तक्षेप करने की स्थिति में नहीं है। विद्युत कंपनी की विशेष अनुमति याचिका सारहीन होने के कारण खारिज की जाती है।

फैसले से होगा यह असर

सुप्रीम कोर्ट से मध्य प्रदेश पावर जनरेटिंग कंपनी लिमिटेड की विशेष अनुमति याचिका खारिज होने के साथ ही कर्मियों को बड़ी राहत मिल गई है। अब जो बिजलीकर्मी 58 वर्ष की आयु (रिटायरमेंट एज) से पूर्व विकल्प पत्र भर देंगे, उनके लिए 62 वर्ष में सेवानिवृत्त होने का रास्ता साफ हो जाएगा।

उल्लेखनीय है कि मध्य प्रदेश हाई कोर्ट के तत्कालीन मुख्य न्यायाधीश हेमंत गुप्ता व जस्टिस विजय कुमार शुक्ला की युगलपीठ ने 13 जुलाई, 2017 को बिजलीकर्मियों के हक में महत्वपूर्ण आदेश पारित किया था। इसके जरिये सेवानिवृत्ति आयु 58 वर्ष से 60 वर्ष के लिए विकल्प पत्र भरने की स्वतंत्रता दे दी थी। कोर्ट ने साफ कर दिया था कि बिजली कर्मी 58 वर्ष की आयु पूर्ण करने से पूर्व कभी भी विकल्प पत्र दे सकता है।

सम्पादकीय

अच्छी या बुरी राजनीति

राजनीतिक खींचतान का जरूरत से ज्यादा बढ़ना और अदालत में पहुंचना लोकतंत्र के लिए दुखद ही नहीं, शर्मनाक भी है। राजनीतिक मकसद से विरोधियों या विपक्षियों को निशाना बनाने की प्रवृत्ति अब किसी एक राज्य की मोहताज नहीं है। आए दिन किसी न किसी राज्य से अप्रिय राजनीतिक घटनाक्रम सामने आता है, जिसमें संविधान की शपथ लेने वाली सरकारों को अनुच्छेदों का दुरुपयोग करते देखा जाता है। शुक्रवार को सुप्रीम कोर्ट ने जहां पश्चिम बंगाल सरकार से जवाब मांगा, वहीं दिल्ली हाईकोर्ट ने दिल्ली पुलिस से। सुप्रीम कोर्ट ने भाजपा के उन पांच नेताओं को राहत दी है, जिनके खिलाफ पश्चिम बंगाल सरकार बिना प्राथमिक जांच के मामले दर्ज किए जा रही थी। कोर्ट ने आदेश दिया है कि भाजपा नेताओं अर्जुन सिंह, कैलाश विजयवर्गीय, पवन सिंह, सौरव सिंह और मुकुल रॉय के खिलाफ कोई ठोस कार्रवाई नहीं की जानी चाहिए। अर्जुन सिंह का मामला तो खासतौर पर राजनीतिक भयादोहन की जीती जागती मिसाल है, जिसमें तृणमूल कांग्रेस छोड़ने के बाद बिना प्राथमिक जांच के ही अर्जुन सिंह के विरुद्ध पुलिस ने 64 मामले बना दिए हैं। भोले से भोला व्यक्ति भी यह समझ सकता है कि पश्चिम बंगाल में सत्ताधारी दल कानून-व्यवस्था का दुरुपयोग कर रहा है। उम्मीद करनी चाहिए कि सुप्रीम कोर्ट में मामला उठने के बाद राज्य सरकार अपनी सम्मान रक्षा और सुशासन के लिए ज्यादा सक्रिय होगी। इधर, दिल्ली पुलिस की खिंचाई कुछ अलग वजह से हुई है, यह वजह विचारणीय है। आम आदमी पार्टी दिल्ली में केंद्रीय गृह मंत्री और दिल्ली के उप-राज्यपाल के घर के आगे प्रदर्शन करना चाहती है। मामला भारतीय जनता पार्टी के नेतृत्व वाले उत्तरी दिल्ली नगर निगम द्वारा धन की कथित हेराफेरी का है। लोकतंत्र के हिसाब से आम आदमी पार्टी को विरोध करने का हक है, पर दिल्ली पुलिस ऐसा करने नहीं दे रही। आप के कार्यकर्ता सीमित समय के लिए शांतिपूर्वक धरना प्रदर्शन करना चाहते हैं, पर दिल्ली पुलिस ने 30 सितंबर से लागू दिल्ली आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के एक आदेश के तहत राष्ट्रीय राजधानी में सभी राजनीतिक गतिविधियों पर प्रतिबंध लगा रखा है। अब दिल्ली पुलिस को हाईकोर्ट में अपना जवाब दाखिल करना है। सवाल महत्वपूर्ण है कि क्या किसी आदेश से शांतिपूर्वक विरोध प्रदर्शन को रोका जा सकता है? कहीं स्वयं राजनीतिक प्रदर्शन करना और कहीं विरोधियों के प्रदर्शन को रोकना आदर्श स्थिति कतई नहीं है। शालीन ढंग से भी राजनीति हो सकती है और सभ्य-संवेदनशील तरीकों से सरकारें भी काम कर सकती हैं। संविधान में विरोध प्रदर्शन और उसकी सीमा स्पष्ट है। लोकतंत्र में किसी को भी शांतिपूर्ण प्रदर्शन से नहीं रोका जा सकता, अगर हम ऐसा करने लगेंगे, तो लोकतंत्र की एक बड़ी विशिष्टता का लोप हो जाएगा। एक बड़ी चिंता यह भी हो रही है कि क्या अच्छी राजनीति की इजाजत लेने और बुरी राजनीति से बचने के लिए हर नेता या हर पार्टी को अदालत का दरवाजा खटखटाना पड़ेगा? क्या यह उचित नहीं कि हर राजनीतिक दल राजनीति के लिए अनुकूल माहौल तैयार करे? लोकतंत्र की खूबसूरती ही यही है कि जनता को साथ लेकर ऐसे चला जाए कि सत्ता में रहते न कानूनों के दुरुपयोग की जरूरत पड़े और न विपक्ष में रहते कानून तोड़ने की।

अधिकार से

व्यथित हृदय से आम आदमी पूछ रहा सरकार से।
आखिर कब तक दूर रखोगे हमको निज अधिकार से?
संविधान में तो समता की, बात लिखी हर पन्नों पर।
मगर तड़पता भूखा कोई, सोता कोई अन्नों पर।
अधिकारों से वंचित मानव जीता किसी प्रकार से।
आखिर कब तक दूर रखोगे हमको निज अधिकार से?
राष्ट्र विधाता? है जो उस पर नहीं किसी का जोर है।
गलत नीतियों के कारण ही पिसता बस कमजोर है।
सुविधा-वितरण में हम सबने भेदभाव ही देखा है।
पूंजीपतियों के सम्मुख अब लगता किसका लेखा है?
घर में बेटी हक से वंचित फिर भी पूछे प्यार से।
आखिर कब तक दूर रखोगे हमको निज अधिकार से?
घर के बूढ़े हुए निराश्रित, हक से वंचित सेवा से।
खुद की थाली रोज है सजती खीर मलाई मेवा से।
कूड़े - दानों में भी रोटी खोज रहे कुछ वर्षों से,
कुछ के मुंह में एक निवाला गया नहीं है अर्शों से।
खुद का भोजन ताक रही है बूढ़ी अम्मा द्वार से,
आखिर कब तक दूर रखोगे हमको निज अधिकार से?
अधिकारों से वंचित हो अब कितना ठोकर खाएंगे?
प्रतिकारों के गहन गर्त में कब तक रौंदे जाएंगे?
खुद के हक को रखने से यदि, विमुख आज हो जाएंगे।
तो फिर क्या अधिकार दिलाने गांधी फिर से आएंगे?
अतः एक जुट होकर यारों मांगो हक सरकार से।
आखिर कब तक दूर रखोगे हमको निज अधिकार से?

कवि अरुण शुक्ल अर्जुन
रत्यौरा कारपिया कोरांव प्रयागराज

महादेव

गौर वर्ण जो ध्यान करत है,
कहलावत शिव अविनाशी।
प्रेम पर्ण जो मोह प्रमत्त् है,
शिव हैं सुख जीवन राशी।
भस्म अंग जो नृत्य करत है,
भोला है शिव ह्रद वासी,
भक्तन के जो कष्ट हरत है,
शिव हैं यम के प्रणयासी।
पन्चाक्षर जो मन्त्र रचत हैं,
शिव हैं वेदन के साक्षी।
मान मोक्ष जो चक्र धरत है,
शिव हैं काशी के वासी।

रेखा घनश्याम गौड़
जोधपुर,राजस्थान

साहिल

हम जो उतरे सागर में साहिल पे खड़े लोग देखा किए ,
मौजों ने लगाया पार हमें साहिल ने फिर मझदार में ला खड़ा किया ।
ना -खुदा के जुल्मों - सितम का करूं क्या मैं बयां ,
सितम तो मुझ पर अपनों ने ही किये ।
माना कि हम दो किनारे हैं दरिया के मिलना मुमकिन नहीं
चलते हैं साथ ये भी तो कम नहीं ।
रहते हो खूवाबगाह में भी किनारे की तरह ,
एक किनारा खामोश और एक सिसका किए ।
फ़ना हो कर इश्क में तुम्हारे तड़फते रहते हैं रात भर
यूं ही तेरी आंखों के समुन्दर में डूब जाने के लिए ।
सारा जहां बेशक कर ले किनारा तुझसे मेरा साथ ना छुटेगा
दो किनारों सा है प्यार हमारा संग रहा , संग रहेगा ।
लहर नहीं मैं कश्ती हूं प्यार के समुन्दर की, लहर तो आकर लौट जाती है ,
कश्ती किनारे का साथ सदा रहता है ।
नहीं होश कोई हम दोनों को ,इस प्यार की उफ़नती नदी का
पानी मदहोश किए जाता है छु कर तुझे , मुझे आ छुता है ।
हम दो किनारे मिलकर बिछड़ने के लिए , बिछड़ कर मिलने के लिए ,
ये लहरें कुछ तुमसे ले आती हैं , कुछ मुझको दे जाती हैं ,
यही तो हमारा प्रेम है , दो किनारों का अमर प्रेम ।

मौलिक एवं स्वरचित
प्रेम बजाज, जगाधरी (यमुनानगर)

प्रख्यात लेखिका निक्की शर्मा रश्मि को तुर्की से मिली डॉक्टरेट की उपाधि

नई दिल्ली 19 दिसम्बर (डॉ शम्भू पंवार) प्रसिद्ध साहित्यकार, लेखिका निक्की शर्मा रश्मि को एच.बी.फैडरेशन तुर्की ने डॉक्टरेट की मानद उपाधि से अलंकृत किया है। तुर्की की प्रसिद्ध संस्था एच.बी. फैडरेशन तुर्की के चैयरमेन प्रोफेसर डॉ.जी.एम. इलमाज़ बेगुल ने शांति सदभाव एवं मानवता के लिए प्रख्यात साहित्यकार व लेखिका निक्की शर्मारश्मि भागलपुर(मुम्बई) को डॉक्टरेट की मानद उपाधि से संम्मानित किया है। लेखिका निक्की शर्मा मूलतः बिहार से है,वर्तमान में माया नगरी मुम्बई में रह कर साहित्यिक सृजन कर रही है।इनको राष्ट्रीय व अंतर्राष्ट्रीय सहित देश की चुनिंदा साहित्यिक संस्थाओ द्वारा अभी तक 500 से अधिक सम्मानों से नवाजा जा चुका है। निक्की शर्मा रश्मि की इस उपलब्धि पर परिजनों के साथ वरिष्ठ पत्रकार,लेखक,व साहित्यकार डॉ. शम्भू पंवार, अंतरराष्ट्रीय एम्बेसडर डॉ.सुनीता खोखर,(राजस्थान) योग सेवा संस्थान दिल्ली की निदेशक योगाचार्य व प्राकृतिक चिकित्सक डॉ.सुशीला बिस्वास,प्रसिद्ध साहित्यकार सुवर्णा परतानी,(हैदराबाद),सहित देश के साहित्यकारो,एवं साहित्यिक, सामाजिक संस्थाओं ने शुभकामनाये प्रेषित की है।

डॉ शम्भू पंवार
ब्यूरो चीफ
टू मीडिया,दिल्ली

मेरा बेटा मेरा अभिमान कभी ये भी बोलकर देखें

बेटियों की बातें हर दूसरी पोस्ट पर हर दूसरे लेख में या हर चौथी कविता में पढ़ ली, कुछ गलत नही बेटियाँ बड़ी प्यारी होती है। पर आज एक एसा माहौल खड़ा कर दिया है सबने मिलकर की भाग्यशाली के घर ही बेटी पैदा होती है। नसीब वालों की लकीरों में ही बेटी लिखी होती है। ये कहकर क्या हम बेटों के साथ अन्याय नहीं कर रहे ? तो क्या जिसके घर बेटा पैदा होता है वो पापी है ? नहीं ये एक ढ़ोंग है साहब बेटी के जन्म पर मानों मन को मना रहे हो ये सब लिखकर कि हम बेटे बेटी में नहीं फ़र्क कर रहे है। कुछ एक को बाद करके समाज में हर तरह की जिम्मेदारी एक बेटा ही तो निभाता है। बेटियाँ ससुराल की नींव है और बेटे हमारी धरोहर है। पिता का दायां हाथ और बुढ़ापे की लाठी है। बहुत लोगों को कहते सुना है की जो प्यार बेटियाँ दे सकती है वो बेटे नहीं दे सकते। एसा क्यूँ? मुझे तो मेरे दोनों बच्चों से एक सा प्यार मिला है। हाँ भावनाएँ जताने में बेटियों की तरह बेटे शायद खुलकर ना जता पाएँ, तो इसका मतलब यह नहीं है कि बेटे को हमारी परवाह नहीं है। बेटे को माँ पर प्यार लूटाते हमने तो खूब देखा और पिता की परवाह में आँखें नम करते भी खूब देखा। आज तक सुना है किसी बेटे ने शादी से पहले माँ बाप को वर्द्धिाश्रम भेजा हो? मानों ना मानों उसके पीछे किसीकी लाड़ली बेटी का ही हाथ होता है। दिल पर हाथ रखकर कहिएगा जितना बेटी ओर दामाद के साथ सब घुल-मिल जाते है क्या उतना बेटे बहू के साथ एडजस्ट होते है? क्यूँ आख़िर बेटे बहू को एक शक के दायरे में ही रखते है। एक बार बेटे पर भरोसा करके देखिए बहू को बेटी बनाकर देखिए बेटा कोई कसर नहीं छोड़ता फ़र्ज़ निभाने में, और बहू कभी परायों सा व्यवहार नहीं करेगी। बेटा मतलब हमारी भावनाओं की कोंपलें, बेटा मतलब फूल को झँखता वृक्ष, बेटा मतलब हमारे जाने के बाद भी बेटियों के लिए मायके के खुल्ले दरवाज़े, बेटा मतलब अपने काँधे पर हर जिम्मेदारी को ढ़ोता सहारा। बेटी के आँसू सबकी वोटसअप फेसबुक की वॉल भिगोते है, बेटे के आँसू देखे है कभी ? सुबह उठकर बेटा जब नौकरी की जुगाड़ में निकल जाता है तब एक माँ जब उसके तकिये का गिलाफ छूती है तो उसकी नमी दिल चीर देने वाली होती है। बेटी को चाहते रहो ताउम्र पर बेटों को समझो वो चाहने लगेगा आपको। बेटे की भावनाओं को परवाज़ चाहिए थोड़ा सहला दो, हथेलियों से थामकर आपको अपने दिल के आसमान पर बिठाएगा। बेटियों को एसे संस्कार दें की समाज में से वृद्धाश्रम का कलंक ही मिट जाए, बेटियाँ गुरुर है तो बेटे गृहस्थंभ का गौरव है। खानदान की नींव है। चलो आज ये भी कहे मेरा बेटा मेरा अभिमान है।।

भावना ठाकर सभावु
बेंगलोर, कर्नाटक

अन्नदाता दिवस पर अन्न हड़ताल

(कितना उचित /अनुचित ?)

वर्ष 2020 किसानों और प्रवासी मजदूरों के लिए बेहद निराशाजनक रहा है। किसान जिसके पास हल, उनका हल, कुछ राजनीतिक लोग अपनी गंदी राजनीति की चाल चलने के कारण होने नहीं दे रहे। नए कृषि कानूनों के विरोध में सिंघु बॉर्डर पर किसान 26 दिनों से अपने घरों से दूर ठंड का सामना करते हुए आंदोलनरत हैं।न्यूनतम समर्थन मूल्य का लिखित रूप की मांग को लेकर शुरू हुई कहानी ने नया रूप ले लिया है। किसान अब आर-पार की लड़ाई, यानि बिल वापसी को लेकर अपनी मांगों पर अड़े हुए हैं। यदि प्रारंभ में ही किसानों की कुछ आवश्यक मांगों को मान लिया जाता, जिस पर सरकार आंदोलनों के कई दिनों बाद किसानों की सहमति पर विचार कर रही है तो ऐसी स्थिति पनपती ही नहीं। 23 दिसंबर को किसान दिवस है, इस दिन किसान देश की जनता से किसान समर्थन हेतु उनके आंदोलन के लिए एक दिवसीय भोजन ना ग्रहण करने के लिए आग्रह कर रहे हैं। 21 दिसंबर को किसानों ने स्वयं एक दिन की भूख हड़ताल की। आंदोलन के बीच 16 दिसंबर को हरियाणा, पंजाब और विश्व भर में सिंगड़ा वाले संत के नाम से प्रसिद्ध संत बाबा राम सिंह ने स्वयं को गोली मार ली। स्वयं को गोली मारने से पहले एक पत्र भी लिखा, जिसमे उन्होंने लिखा कि, किसानों का दुख देखा, अपने हल के लिए सड़कों पर उन्हें देखकर मुझे गहरा दुख हुआ है। सरकार इन्हें न्याय नहीं दे रही, जो कि एक जुल्म केसमान है, जो जुल्म करता है वह पापी है जुल्म सहना भी पाप है किसी ने किसानों के हक के लिए तो किसी ने जुल्म के खिलाफ कुछ किया है किसी ने पुरस्कार वापस करके अपना गुस्सा जताया है किसानों के हक के लिए, सरकारी जुल्म के गुस्से के बीच सेवादार आत्मदाह करता है यह जुल्म के खिलाफ आवाज है यह किसानों के हक के लिए आवाज है वाहे गुरु जी का खालसा, वाहे गुरुजी की फतेह। किसान आंदोलन के मामले पर सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई चल रही है। 17 दिसंबर को सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि किसानों को विरोध प्रदर्शन का अधिकार है बशर्ते उससे किसी की संपत्ति या जीवन को नुक़सान ना पहुंचे लेकिन। सुप्रीम कोर्ट ने सुझाव दिया कि न्यायालय इस विवाद का समाधान खोजने के लिए एक समिति गठित कर सकता है। किसानों ने समिति बनाने से इनकार कर दिया है। उनका कहना है कि इससे समस्या का हल नहीं निकलने वाला है साथ ही कृषि मंत्री के पत्र को भी भ्रमित करने वाला बताया। प्रधानमंत्री नए कृषि कानूनों के लेकर, किसानों को कई बार आश्वासन दे चुके हैं। किसानों को बार बार समझाते हुए कहते हैं कि कुछ राजनीतिक दलों का असली दर्द यह है कि उन्हें यह पच नहीं पा रहा

कि जो स्वयं नहीं कर पाए वो काम मोदी ने कैसे कर दिया। दुनिया भर में प्रतिस्पर्धा के माहौल में भारत का किसान पीछे नहीं रह सकता। उसे भी वैश्विक संसाधनों और तकनीकों की मदद मिलनी चाहिए। प्रधानमंत्री ने कहा कृषि कानूनों को किसी भी जल्दबाजी में नहीं लाया गया। कृषि से संबंधित जानकारों कृषि समूहों, कृषि विशेषज्ञों, सरकारी प्रतिनिधियों के बीच पिछले 20-22 साल से इस मुद्दे पर चर्चा और बहस होती रही है। प्रधानमंत्री ने कहा स्वामीनाथन कमेटी की रिपोर्ट लागू करने का काम हमारी ही सरकार ने किया अगर हमें स्र्स्कहटानी ही होती तो स्वामीनाथन कमेटी की रिपोर्ट लागू ही क्यों करते? प्रधानमंत्री कहते हैं की किसानों को भड़काने वाले लोग कितने निर्दयी हैं इसका बहुत बड़ा सबूत है स्वामीनाथन कमेटी की रिपोर्ट। पिछली सरकारों ने स्वामीनाथन कमेटी की सिफारिशों को 8 साल तक दबाकर रखा। किसान आंदोलन करते थे, प्रदर्शन करते थे लेकिन इन लोगों के पेट का पानी नहीं हिला। जबकि किसानों के लिए समर्पित हमारी सरकार किसानों को अन्नदाता मानती है। फाइलों के ढेर में फेंक दी गई स्वामीनाथन कमेटी की रिपोर्ट को हमारी सरकार ने बाहर निकाला और उसकी सिफारिशें लागू की, किसानों को लागत का डेढ़ गुना स्र्स्क दिया। प्रधानमंत्री के आश्वासन के बाद भी किसानों का अनवरत आंदोलन करना कितना उचित है या अनुचित ? आगे आने वाले समय में सब स्पष्ट हो जाएगा। अन्नदाता का सड़कों पर होना बहुत ही अनुचित है। अन्नदाता ने भी अपनी जिद्द बना ली है के जब तक तीनों कृषि कानून वापस नहीं होंगे हम यहां से नहीं हटेंगे। किसानों के आंदोलनों में कुछ शरारती तत्वों द्वारा राजनीति से प्रेरित हो देश विरोधी गतिविधियां भी हो चुकी है। निम्न स्तर की सोच वाले लोगों की गंदी राजनीत के कारण अन्नदाता को शक के दायरे में रखा गया। उनके द्वारा उठाई गई आवाज को दबाने की कोशिश की गई। फिर भी किसानों ने हार नहीं मानी। किसान दिवस पर किसानों का आंदोलनरत रहना देशहित में नहीं। इन हालातों में पूर्व प्रधानमंत्री चौधरी चरण सिंह को याद किया जा रहा है। अगर चौधरी चरण सिंह होते तो किसान का समाधान हो जाता। जैसा कि हम जानते हैं, चौधरी चरण सिंह कहते थे कि देश की समृद्धि का रास्ता गांवों के खेतों एवं खलिहानों से होकर गुजरता है। उनका कहना था कि भ्रष्टाचार की कोई सीमा नहीं है जिस देश के लोग भ्रष्ट होंगे वो देश कभी, तरक्की नहीं कर सकता। चाहे कोई भी लीडर आ जाये, चाहे कितना ही अच्छा कार्यक्रम चलाओ। अभी भी समय है सरकार को किसानों को विश्वास में लेते हुए उनके साथ बैठकर शांति पूर्वक जल्दी ही विचार करने की आवश्यकता है। अन्नदाता को भी चाहिए गंदी राजनीति से प्रेरित लोगों के बहकावे में ना आकर सरकार से वार्ता कर आंदोलन को समाप्त करने की कोशिश करें। अन्नदाता दिवस पर अन्नदाता को अपने कर्म क्षेत्र से जुड़ा हुआ होना, सरकार की प्राथमिकता होनी चाहिए।

ऋषि कुमार दीक्षित
एटा, उत्तर प्रदेश

जो दान-पुण्य करना है, अपने जीते जी कर लें : आचार्य विमदसागर

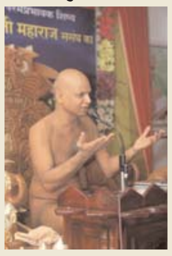

जो कुछ दान-पुण्य करना है कर लो, मरने के बाद क्या दान करोगे। बल्कि जब तक स्वस्थ हो तब तक करलो, इन्द्रियां शिथिल हो जाने के बाद दान-पुण्य की इच्छा नहीं होती या कर नहीं पाते। एक उदाहरण हमारे पास है। एक श्रेष्ठी मरणासन्न हो जाते हैं, बोलती बंद हो जाती है, अशक्य होजाते हैं, अब गये कि तब गये। पंच उनसे मिलने आते हैं, वे कहते हैं सेठजी कुछ अनाथ आश्रम, मंदिर-धर्मशाला आदि बनवाने के लिए दान करदें। श्रेष्ठी को अच्छा लगा किन्तु वे बोल नहीं पा रहे थे। उन्होंने सोना-चांदी दीवारों में छपाया हुआ था, उनहोंने दीवार की ओर इशारा किया कि उसमें से निकलवा लें। निकट ही उनके चारों बेटे खड़े थे, बेटों ने दीवार की ओर इशारा करने की व्याख्या की कि बाबूजी का कहना है कि जितना धन था सब इन दीवारों-मकान को बनाने में लगा दिया। बाबूजी के देहान्त के बाद बेटों ने दीवार में से धन निकाल लिया। इसलिए जो कुछ दान-पुण्य करना है अपने सगे हाथों से करें। बाद का क्या भरोसा। ये उपदेश रतलाम में ससंघ विराजमान श्रमणाचार्य श्री विमदसागर जी मुनिराज 20 दिसम्बर को एक धर्मसभा में दिये। आगे उन्होंने कहा जो दान कर दिया उसको याद नहीं करना। जो दान कर दिया उसका हिसाब किताब नहीं लगाना। जो दे दिया वह आपका नहीं है। रोज दान करो, रोज पूजा करो। कल पूजा की थी उस समय क्या भाव था, आज कैसे भाव हैं, कल कैसे भाव होंगे। अच्छा काम अर्थात् दान पूजा कर लिया उसे याद नहीं करना और पुनः पुनः करना। और बुरे कार्य बार-बार याद करना कि हमें अब ऐसा कार्य नहीं करना है। जो मोक्ष गए उनको याद करना, जो मरण को प्राप्त हो गए उनको याद नहीं करना। जो मोक्ष चले गए उनके लिए निर्वाण लाडू चढ़ाना, पर जो मरण को प्राप्त हो गए उनके नाम से लड्डू नहीं खाना। आप कैसे दरिद्र हो, मरे व्यक्ति के लड्डू खा रहे हो। एक व्यक्ति है जिसने अपने जीते जी 8 दिन भगवान की पूजा की, उत्सव किया, सारे समाज को भोजन कराया, अपने हाथों से लड्डू खिलाये हैं और कहा कि मेरे मरने के बाद तेरवां नहीं करना। जीते जी उत्सव मनाया, मरने के बाद क्या करना। घी नहीं भाता, दूध नहीं भाता, पिज्जा-मेगी चाहिए। बीमारियां बढ़ रहीं हैं, पहले व्यक्ति आवश्यकता में जीते थे इसलिए परिवार में प्रेम वात्सल्य था, पर अब व्यक्ति आकांक्षा में जीता है, कितना भी मिल जाए पर कम है। अपनी आकांक्षाओं की पूर्ति में दिन-रात भागदौड़ कर रहा है। कितना भी धन मिल जाए पर तृप्त नहीं हो रहा है। पत्नी अपनी आकांक्षाओं की पूर्ति करने में लगी है। बच्चों पर किसके संस्कार पड़ेंगे, उनका बचपन कौन सुधारेगा, बचपन नहीं सुधरेगा तो बड़े होकर आपकी बात मानने वाले नहीं हैं। आवश्यकता की पूर्ति करो, पर आकांक्षाओं के लिए मत दौड़ो। आवश्यकता से कोई दुखी नहीं है आकांक्षाओं से व्यक्ति दुखी हैं। इसलिए जो भी दान-पुण्य करना है, कर लो। धर्म अपने जीते जी कर लो, मरने के बाद कुछ नहीं कर पाओगे।

संकलन-डॉ. महेन्द्रकुमार जैन 'मनुज', इन्दौर
22/2, रामगंज, जिंसी, इन्दौर, 9826091247

दिल की दहलीज पर

दिल की दहलीज पर ,
एक मेहमान जो आया है ।
साथ अपने ,
प्रेम का तार भी लाया है ।
बातें इशारों में करता है पर
नजरों से घायल करने आया है।
दिल की दहलीज पर,
एक मेहमान जो आया है ।
मासूम चेहरा , मीन सी आँखे,
मुस्कुराहट ने उसकी दिल मेरा
चुराया है ।
कब तक साथ रहेगा?
अभी कुछ नही बताया हैं ।
दिल की दहलीज पर ,
एक मेहमान जो आया है ।
दीदार उसका सुबह शाम होता है ,
मुझको भी वो चोरी छुपे देख लेता है
खोया रहता है वो सपनों में
हाँ लेकिन सपनें वो सुहाने लाया हैं ।
दिल की दहलीज पर ,
एक मेहमान जो आया है।
क्या वो समझेगा मुझे या ,
वो भी खिलौना समझकर
खेल जाएगा मेरे जज्बातो से ।
फिलहाल दोस्ती का रिश्ता बनाया है ।
दिल की दहलीज पर ,
एक मेहमान जो आया है....?

टीकम नागर राधे
झालावाड़,राजस्थान

सस्ता उपचार स्वास्थ्य के मौलिक अधिकार का हिस्सा - निजी अस्पतालों के फीस की अधिकतम सीमा तय हो: सुप्रीम कोर्ट

डॉक्टर को आदि काल से ही भगवान का दर्जा - कोरोना वारियर्स को सैल्यूट - एड किशन भावनानी

गोंदिया - भारत में यदि हम बहुत दशक पहले की बात करें तो हमारे पौराणिक किताबों से ही हमें ज्ञात होता है कि उस समय वैध को एक भगवान का दर्जा दिया गया है जिसे आज के समय में हम डॉक्टर का दर्जा देते हैं वह भी मरीजों के लिए एक भगवान का ही रूप है जो अपनी काबिलियत मेहनत व ऊपर वाले की कृपा व सब की दुआओं के साथ मरीजों की जान बचाने के लिए हर संभव कोशिश करता है साथियों, अगर बात हम वर्तमान समय की करें तो कोविड-19 महामारी में तो डॉक्टर सहित पूरा मेडिकल स्टाफ, सुरक्षा विभाग और सफाई कर्मचारी याने कोरोनावरियर्स सभी ही मरीजों के लिए एक भगवान से कम नहीं है। जो दिन रात एक कर कोविड-19 से लड़ाई में भिड़े हुए हैं। देश में प्रधानमंत्री ने भी जनता से थालियां और घंटियां बजाकर व अन्य प्रकार से भी इन कोरोनावरियर्स की हौसला आफजाई की थी और प्रधानमंत्री सहित कई नामी गिरामी हस्तियों ने भी हौसला अफजाई की थीं कोरोना महामारी ने जनता की आर्थिक रूप से भी कमर तोड़ी है जिन में मरीजों को आर्थिक संकट भी आन पड़ा है अत कार्यपालिका व न्यायपालिका निजी क्षेत्र की स्वास्थ्य सेवाओं की फीस को भी रीजनेबल करने की ओर कदम बढ़ाया है और इस संबंध में प्रदेश व केंद्र शासित प्रदेशों की इस संबंध में अस्पतालों के मेंटेनेंस सुरक्षा उपाय दिशा निर्देशों का पालन संबंधी अनेक व्यवस्थाओं को देखने संबंधी दिशानिर्देश शुक्रवार दिनांक 18 डिसेंबर 2020 को माननीय सुप्रीम कोर्ट की तीन सदस्यीय बेंच जिसमें माननीय न्यायमूर्ति अशोक भूषण माननीय न्यायमूर्ति आर सुभाष रेड्डी व माननीय न्यायमूर्ति एम आर शाह की बेंच ने अपने 17 पृष्ठों के व 15 प्वाइंटों के अपने आदेश दिए आदेश कापी के अनुसार, बेंच ने कहा है कि सस्ता उपचार, स्वास्थ्य के मौलिक अधिकार का हिस्सा हैं।बेंच ने कहा, ÷या तो राज्य सरकार और स्थानीय प्रशासन द्वारा अधिक से अधिक प्रावधान किए जाने हैं या निजी अस्पतालों द्वारा लिए जाने वाले शुल्क की अधर्?कत सीमा हो, जिसे आपदा प्रबंधन अधिनियम के तहत शक्तियों के प्रयोग से तय किया जा

सकती है। कोर्ट ने यह भी कहा कि यह राज्य का कर्तव्य है कि वह सस्ती चिकित्सा के लिए प्रावधान करे और राज्य और / या स्थानीय प्रशासन द्वारा चलाए जाने वाले अस्पतालों में अधिक से अधिक प्रावधान किए जाएं। बेंच ने कहा, अभूतपूर्व महामारी के कारण, दुनिया में हर कोई, एक तरीके से या दूसरे तरीके से पीड़ित है। यह कोविड-19 के खिलाफ एक विश्व युद्ध है। इसलिए,इस से बचने के लिए सरकारी-निजी भागीदारी हो। कोर्ट ने अपने आदेश में कहा, ÷भारत के संविधान के अनुच्छेद 21 के तहत स्वास्थ्य का अधिकार एक मौलिक अधिकार है। स्वास्थ्य के अधिकार में सस्ता उपचार शामिल है। इसलिए, यह राज्य का कर्तव्य है कि वह सस्ते उपचार और राज्य और / या स्थानीय प्रशासन द्वारा चलाए जा रहे अस्पतालों में अधिक से अधिक प्रावधान करे। यह विवादित नहीं है कि जिन भी कारणों से उपचार महंगा और महंगा होता गया है और यह आम लोगों के लिए बिल्कुल भी वहन करने योग्य नहीं रहा है। भले ही कोई कोविड-19 से बच गया हो, लेकिन वह वित्तीय और आर्थिक रूप से कमजोर हो चुका है। इसलिए, राज्य सरकार और स्थानीय प्रशासन द्वारा किए या तो अधिक से अधिक प्रावधान जाएं या निजी अस्पतालों द्वारा लिए जाने वाले शुल्क की अधकितम सीमा तय हो, जिसे आपदा प्रबंधन अधिनियम के तहत शक्तियों को प्रयोग करके किया जा सकता है। अधिक से अधिक जांच करनी होगी कोर्ट ने कहा कि अधिक से अधिक जांच और सही तथ्यों और आंकड़ों को घोषित करना होगा। बेंच ने कहा, कोरोना पॉजिटिव व्यक्तियों के आंकड़ों और जांच की संख्या घोषित करने में पारदर्शी होना चाहिए। अन्यथा, लोग गुमराह होंगे और उन्हें यह आभास होगा कि सब कुछ ठीक है और वे लापरवाह हो जाएंगे। आग की दुर्घटनाओं से बचने के लिए दिशा निर्देश बेंच ने 26.11.2020 को गुजरात के राजकोट में हुई आग की घटना का स्वतः संज्ञान लिया, जिसके परिणामस्वरूप कॉविड अस्पताल में कोविड पीड़ितों की मृत्यु हो गई थी। इस संबंध में, पीठ ने निम्नलिखित निर्देश जारी किए- 1) सभी राज्यों / केंद्र शासित प्रदेशों को प्रत्येक कॉविड अस्पताल के लिए एक नोडल अधिकारी नियुक्त करना चाहिए, यदि पहले से नियुक्त नहीं हैं, उन्हें सभी अग्नि सुरक्षा उपायों का अनुपालन सुनिश्चित करने के लिए जिम्मेदार बनाया जाए। 2) प्रत्येक जिले में, राज्य सरकार को महीने में कम से कम एक बार प्रत्येक कॉविड अस्पताल का फायर ऑडिट करने के लिए एक समिति का गठन करना चाहिए और अस्पताल प्रबंधन को कमी की सूचना देनी चाहिए और कार्रवाई करने के लिए सरकार को रिपोर्ट करना चाहिए। 3) जिन कॉविड अस्पतालों ने अग्निशमन विभाग से एनओसी प्राप्त नहीं की है, उन्हें तुरंत एनओसी के लिए आवेदन करने के लिए कहा जाना चाहिए और आवश्यक निरीक्षण करने के बाद निर्णय लिया जाएगा। जिन कॉविड अस्पतालों ने अपने 3 एनओसी का नवीनीकरण नहीं किया है, उन्हें तुरंत नवीनीकरण के लिए कदम उठाने चाहिए, जिस पर उचित निरीक्षण किया जाए और निर्णय लिया जाए। यदि कॉविड अस्पताल में एनओसी नहीं है या नवीकरण प्राप्त नहीं किया गया है, राज्य द्वारा उचित कार्रवाई की जाएगी।

कर विशेषज्ञ एड किशन भावनानी गोंदिया (महाराष्ट्र)

इस बारे में तब ही सोचेंगे जब प्रस्ताव अच्छा होगा, उसके बाद पूरी तैयारी कर लेंगे

मेरे म्यूजिक वीडियो देखने के बाद अभिनय के आ रहे ऑफरः अरमान

नए जमाने के सिंगर स्टार अरमान मलिक का कहना है कि उन्हें अभिनय के लिए कई प्रस्ताव मिल रहे हैं। हालांकि इस बारे में वे तब ही सोचेंगे, जब प्रस्ताव अच्छा होगा और उसके बाद वे पूरी तैयारी कर लेंगे। अरमान ने कहा कि मैं कोई भी काम आधे-अधूरे मन से नहीं करना चाहता। मैं बचपन से म्यूजिक सीख रहा हूं और मैं सिर्फ अभिनय करने के लिए ही यह काम नहीं करना चाहता है। मैं फिल्मों में आने से पहले अच्छी तरह से तैयार होना चाहता हूं और मैं अच्छे तरीके से पेश होना चाहता हूं।

अरमान ने कहा, डांस और एक्शन अभिनय के महत्वपूर्ण अंग हैं और मुझे नहीं लगता कि मैं इस समय इनमें कुशल हूं। इसलिए, मैं खुद को तैयार करना चाहता हूं और फिर उसके बाद अभिनय में उतरना चाहता हूं। अभी मेरा पूरा समय संगीत के लिए ही है। यदि कोई दिलचस्प प्रोजेक्ट मेरे पास आता है, जैसे कि वेब सीरीज या फिल्म, जिसमें मैं संगीतकार की भूमिका निभा सकूं तो मैं इसके लिए विचार कर सकता हूं। क्योंकि यह काम स्वाभाविक रूप से मुझे आता है। वरना अभिनय करने के बारे में मैंने अभी नहीं सोचा है।

अरमान के नए गाने 'वीहम' को 11 मिलियन से अधिक बार देखा जा चुका है और अभी यह यूट्यूब पर ट्रेंडिंग है। इसे लेकर उन्होंने कहा, मुझे सोशल मीडिया पर ट्रेंड करने या मेरे गानों को लाखों व्यूज मिलने का मुझे ज्यादा आकर्षण नहीं है। लेकिन जब मेरे गानों के बारे में सोशल मीडिया पर कुछ लिखते हैं या रिएक्ट करते हैं तो इससे मुझे सबसे ज्यादा खुशी होती है। जब लोग मेरे शो पर आते हैं और मेरे साथ गाते हैं तो मुझे बहुत अच्छा लगता है और किसी भी कलाकार के लिए यही सबसे बड़ी उपलब्धि है। 'वीहम' के वीडियो में असीम रियाज और साक्षी मलिक हैं। गाने को रश्मि विराग ने लिखा है और मनन भारद्वाज ने कंपोज किया है। यह यूट्यूब पर स्ट्रीम हो रहा है।

अभिनेता राजकुमार राव ने एक साथ साइन की तीन नई फिल्में

बालीवुड अभिनेता राजकुमार राव का करियर बुलंदियों को छू रहा है। लगातार हिट फिल्मे दे रहे राजकुमार ने दर्शकों के दिल में अलग जगह बना ली है। उन्होंने अपने काम से सभी को प्रभावित किया है। अब कहा जा सकता है कि 2021 भी राजकुमार राव के नाम ही रहने वाला है। अभिनेता ने एक नहीं दो नहीं, बल्कि तीन फिल्मों की बड़ी डील साइन की है। खबरों के मुताबिक इन तीनों प्रोजेक्ट के लिए राजकुमार राव ने हामी भर दी है।

राजकुमार राव ने ये बड़ी डील वाशु भगनानी के प्रोडक्शन हाउस के साथ साइन की है। उन्हें ये प्रोजेक्ट इतने पसंद आए हैं कि वे जल्द इन पर काम शुरू करने की तैयारी कर रहे हैं। वैसे जितने बड़े प्रोजेक्ट बताए जा रहे हैं, राजकुमार राव की फीस भी उतनी ही ज्यादा होती दिख रही है। खबरों की माने तो एक फिल्म के राजकुमार 10 करोड़ के करीब ले सकते हैं। अगर ऐसा होता है तो 2020 वाले कोरोना काल के बाद राजकुमार राव का अगले साल नई ऊंचाइयों को छूना तय माना जा रहा है। वैसे राजकुमार राव के लिए 2020 भी बढ़िया साबित हुआ है। उन्होंने लूडो और छलांग जैसी फिल्मों में काम किया है। अब अगले साल भी राजकुमार राव कई फिल्मों में नजर आने वाले हैं। इस लिस्ट में बधाई दो तो सबसे बड़ी फिल्म मानी जा रही है। बधाई हो के बाद राजकुमार की ये पेशकश भी सभी को उत्साहित कर रही है। बधाई दो के लिए राजकुमार राव की तैयारी भी जोरों पर चल रही है। वे अपनी फिटनेस पर खासा ध्यान दे रहे हैं। वे लगातार वर्कआउट कर रहे हैं। हाल ही में उनकी सोशल मीडिया पर एक फोटो वायरल हो गई थी। वायरल फोटो में राजकुमार की फिटनेस देखते ही बन रही थी। उन्होंने इतनी तगड़ी मसल्स बना ली कि सभी सिर्फ उनकी तारीफ करते रह गए। एक्टर ने अपने फिल्मी करियर में कई बार अपनी ट्रांसफॉर्मेशन से हैरान किया है।

फिल्म बधाई दो में पुलिस अधिकारी की भूमिका निभाएंगे राजकुमार राव

आयुष्मान खुराना के अभिनीत सुपरहिट फिल्म बधाई हो का अब सीक्वल बनने जा रहा है। इसका नाम "बधाई दो" होगा और इसमें राजकुमार राव एक पुलिस अधिकारी की भूमिका निभाएंगे जो महिला पुलिस थाने में तैनात है। इस रोल के लिए राजकुमार राव को अपनी फिजिक पर काफी काम करना है और उन्होंने सोशल मीडिया पर तस्वीर साझा कर बता भी दिया है कि वह कितनी कठिन तैयारी कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि वह अपनी बॉडी पर पिछले 2 महीने से काम कर रहे हैं और सख्त डाइट चार्ट फॉलो कर रहे हैं। वैसे केवल राजकुमार राव बॉडी से ही सख्त नहीं दिखाई देंगे बल्कि इस फिल्म में वह मूछों में भी नजर आने वाले हैं। उनकी हेयरस्टाइल भी बिल्कुल नई और अलग किस्म की होगी। फिल्म के बारे में बात करते हुए राव ने कहा कि 'मेरे लिए यह बेहद खास फिल्म है। मैं इसके लिए सख्त तैयारी कर रहा हूं। मैं वैजिटेरियन हूं तो मुझे अपनी नैचरल और ऑर्गैनिक डाइट में फल, ओट्स, सत्तू और बहुत सारी सब्जियां शामिल करनी पड़ रही हैं। लॉकडाउन के टाइम भी जब जिम बंद थीं तो मैं घर पर रोजाना एक्सरसाइज कर रहा था। मेरे लिए यह प्रोसेस जिंदगी बदल देने वाला है।' बता दें कि इस फिल्म में भूमि पेडनेकर भी मुख्य भूमिका में नजर आएंगी। 'बधाई दो' को जंगली पिक्चर्स के प्रॉडक्शन के तले बनाया जा रहा है। इसे अक्षत गिल्डियाल और सुमन अधिकारी ने लिखा है और इसकी शूटिंग जनवरी 2021 से शुरू होने जा रही है।

पहाड़ियों में अब भी ज्यादा कुछ नहीं बदला हैः विनय

अभिनेता विनय पाठक का कहना है कि दार्जिलिंग के रहने वाले तिब्बती फिल्म निमार्ता शेनपेन खुंसार की आगामी फिल्म 'ब्रोकन विंग्स' पर काम करना आसान समय में वापस जाने जैसा था। फिल्म पर काम करने के अपने अनुभव को साझा करते हुए विनय ने कहा, वाकई में यह ज्यादातर समय ताजी हवा में सांस लेने जैसा था। हमने पूरी फिल्म की शूटिंग दार्जिलिंग और कुरसेओंग की पहाड़ियों और सिलीगुड़ी के कुछ हिस्सों में की। मुझे ऐसा लग रहा था कि मुझे बहुत साधारण समय में वापस ले जाया गया है क्योंकि पहाड़ियों में अब भी ज्यादा कुछ नहीं बदला है। उन्होंने कहा, स्थानीय प्रतिभाओं, अभिनेताओं और क्रू के साथ काम करना मेरे लिए एक शानदार अनुभव था। 1988-1992 के आसपास गोरखालैंड आंदोलन की पृष्ठभूमि पर बनी यह फिल्म एक अंतरजातीय प्रेम कहानी बताती है। उन्होंने कहा, उस समय की एक मासूमियत और सादगी थी जो इसे दशार्ती थी। ऐसी वास्तविकता की पृष्ठभूमि में एक प्रेम कहानी जो इसके राजनीतिक और सामाजिक संघर्ष के बीच फंसी हुई थी, मुझे पेचीदा लगी। लेकिन मैं इसका हिस्सा बनने के लिए तैयार था। इसके अलावा खुंसार के 'बिना मिलावट वाले दृष्टिकोण और सोच' ने भी विनय को प्रभावित किया। वह कहते हैं, फिल्म में जिस तथ्य के साथ वह आ रहे हैं, इसने बहुत बड़ा प्रभाव डाला है।

घर की छत पर टिकाऊ गार्डन चाहती हूंः मानुषी छिल्लर

मुंबई बॉलीवुड में डेब्यू करने के लिए तैयार पूर्व ब्यूटी क्वीन मानुषी छिल्लर अपनी छत को एक टिकाऊ गार्डन में बदलना चाहती हैं, क्योंकि उन्हें लगता है कि ऐसा करना आधुनिक समाज के भविष्य के नजरिए से पर्यावरण के लिए अनुकूल है। उन्होंने कहा, मैंने अपने घर पर विभिन्न प्रकार के पौधे लगाने शुरू कर दिए हैं और मैं यह देखने का इंतजार नहीं कर सकती कि यह सब एक साथ कैसे लगेंगे।

मानुषी ने आगे कहा, मेरा ड्रीम गार्डन वास्तव में वर्तमान में एक बहुत ही शुरूआती अवस्था में है और इसे धीरे-धीरे पूरा करने में मुझे कई महीनों का समय लगेगा। शाकाहारी मानुषी अपने घर के बगीचे में फल और सब्जियां उगाना चाहती हैं। उन्होंने कहा, हालांकि मैं शाकाहारी हूं, इसलिए यह गार्डन निश्चित रूप से होम गार्डन टू टेबल कॉन्सेप्ट ऑफ लिविंग की भूमिका निभाएगा। मैं निकट भविष्य में फलों और सब्जियों की कई किस्में उगाना चाहती हूं और जैविक, टिकाऊ जीवन के बारे में अधिक सीखने की इस यात्रा को लेकर काफी उत्साहित हूं। मानुषी, पृथ्वीराज चौहान के जीवन पर आधारित अक्षय कुमार अभिनीत फिल्म 'पृथ्वीराज' से बॉलीवुड में कदम रखने के लिए पूरी तरह तैयार हैं। फिल्म का निर्देशन डॉ. चंद्रप्रकाश द्विवेदी ने किया है, जिन्होंने टेलीविजन महाकाव्य 'चाणक्य' और पीरियड ड्रामा 'पिंजर' का निर्देशन किया था।

ट्रोल्स से परेशान उर्मिला ने बयां किया दर्द, कहा- लोग मेरे पति को आतंकवादी और पाकिस्तानी कह रहे

बॉलीवुड से राजनीति में आईं एक्ट्रेस उर्मिला मातोंडकर का इंस्टाग्राम अकाउंट हाल ही में हैक हो गया था, जिसे बाद रिस्टोर कर लिया गया। अब एक्ट्रेस ने बरखा दत्त को दिए इंटरव्यू में अपना दर्द बयां किया है। उनकी मानें तो उनके पति मोहसिन अख्तर मीर को सोशल मीडिया पर लगातार ट्रोल किया जा रहा है। उर्मिला ने कहा, "मेरे पति को आतंकवादी और पाकिस्तानी कहा जा रहा है। हर चीज की कोई हद होती है। उन्होंने मेरे विकिपीडिया पेज से छेड़छाड़ करते हुए वहां मेरी मां का नाम रुखसाना अहमद और पिता का नाम शिवेंद्र सिंह कर दिया। ये दो लोग देश में कहां रहते हैं, मुझे नही पता। मेरे पिता का नाम श्रीकांत मातोंडकर और मां का नाम सुनीता मातोंडकर है।"

एक्ट्रेस ने आगे कहा- "मेरे पति न सिर्फ मुस्लिम बल्कि कश्मीरी मुस्लिम हैं। हम दोनों अपने धर्मों का पालन समान रूप से करते हैं। इसी के चलते लोग मेरे पति और उनके परिवार को लगातार ट्रोल कर रहे हैं। मुझे लगता है कि महिलाएं बेहद संवेदनशील होती हैं और यही चीज उन्हें मजबूत बनाती है। वहीं संवेदनशीलता और सहानुभूति जैसी चीजें मुझे महिला बनाती हैं। बता दें कि, उर्मिला ने सितंबर 2019 में कांग्रेस पार्टी छोड़ी थी। हाल ही में उन्होंने महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे के नेतृत्व में शिवसेना ज्वाइन की है।

'हनक' में दिखेगी अनुराधा मुखर्जी

अभिनेत्री अनुराधा मुखर्जी फिल्म 'हनक' में कुख्यात गैंगस्टर विकास दुबे की पत्नी ऋचा दुबे का किरदान निभाने वाली हैं। फिल्म में अपनी भूमिका के बारे में बात करते हुए अनुराधा ने कहा कि ₹मेरा स्क्रीन कैरेक्टर बहुत मजबूत और अनयूजुअल है और मुझे खुशी है कि यह भूमिका मुझे मिली। हर कलाकार का सपना होता है कि वह उस रोल को निभाए जहां उसे अपनी प्रतिभा दिखाने का मौका मिले। विकास दुबे की कहानी मीडिया में सबसे ज्यादा चर्चा में थी, इसलिए कहानी के तौर पर देखा जाए तो हनक नई और रुचिकर है।₹ बता दें कि हनक मृदुल कपिल द्वारा लिखी गई किताब 'मैं कानपुर वाला' पर आधारित है।

सुष्मिता सेन की बेटी का इंस्टाग्राम अकाउंट हैक

मिस यूनिवर्स रहीं और बॉलिवुड ऐक्ट्रेस सुष्मिता सेन की बेटी रिनी का इंस्टाग्राम अकाउंट हैक हो गया है। सुष्मिता ने रिनी के अकाउंट हैक होने की जानकारी खुद ही दी है। सुष्मिता ने अपनी बेटी रिनी की प्रोफाइल का स्क्रीनशॉट शेयर करते हुए लिखा, 'कृपया ध्यान दें, मेरी बेटी रिनी का इंस्टाग्राम अकाउंट किसी मूर्ख ने हैक कर लिया है जो अभी तक यह नहीं समझ पाया है कि रिनी अभी भी अपना नया अकाउंट खोल सकती है। मुझे इस आदमी के लिए अफसोस है। आपको जानकारी देती रहूंगी।' रिनी ने कुछ दिनों पहले ही अपना इंस्टाग्राम अकाउंट पब्लिक किया था और उन्होंने अपने इंस्टाग्राम पर अपनी बहुत सी तस्वीरें शेयर की हुई हैं। बता दें कि रिनी के इंस्टाग्राम पर 10 हजार से ज्यादा फॉलोअर्स हैं। वहीं, रिनी अब एक शॉर्ट फिल्म के जरिए ऐक्टिंग की दुनिया में डेब्यू कर चुकी हैं।

फिल्म 'कभी खुशी कभी गम' को 19 साल हुए पूरे

करण जौहर की फिल्म 'कभी खुशी कभी गम' की रिलीज को 19 साल पूरे हो गए हैं। इस मौके पर अभिनेत्री काजोल देवगन ने अपना एक मजेदार वीडियो शेयर किया है। इस वीडियो में काजोल अलग-अलग अंदाज में अपना मुंह बनाती दिख रही हैं, जो इसी फिल्म का एक हिस्सा है। इस वीडियो में काजोल के फनी मूड को कैप्चर किया गया है, जिसमें कभी वह हंस रही हैं तो कभी रोने जैसी शक्ल बना रहीं। काजोल के फैन्स को उनका यह वीडियो काफी पसंद आ रहा है। हालांकि, काजोल ने इसे शेयर करते हुए इस वीडियो की तुलना साल 2020 में बिताए समय से भी की है। इस फिल्म के रिलीज होने को 19 साल पूरे होने पर करण जौहर ने भी एक एक पोस्ट शेयर किया। करण जौहर ने सोशल मीडिया अकाउंट पर एक वीडियो शेयर किया है। इसमें फिल्म ₹कभी खुशी कभी गम₹ के कुछ सीन नजर आ रहे हैं। इसके अलावा करण जौहर ने फिल्म को मिले इतने प्यार के लिए लोगों का शुक्रिया अदा किया।

सपना चौधरी ने शेयर की बेटे संग तस्वीर

फेमस हरियाणवी सिंगर और डांसर सपना चौधरी ने अपने बेटे के साथ अपनी तस्वीर सोशल मीडिया पर शेयर की। लगभग 2 महीने पहले बेटे को जन्म दिया था। सपना की इस क्यूट तस्वीर पर बेहद प्यार आ रहा है। फैन्स सपना की इस तस्वीर पर बेहद प्यारे कॉमेंट्स कर रहे हैं। सपना चौधरी ने बिल्कुल अलग ही शायराना अंदाज में इस तस्वीर को शेयर किया है। उन्होंने तस्वीर शेयर करते हुए लिखा कि 'हजारों साल नर्गिस अपनी बेनूरी पे रोती है। बड़ी मुश्किल से होता है चमन में दीदावर पैदा।' इस तस्वीर में सपना अपने बेटे को प्यार से गोद में लिए दिखाई दे रही हैं। बता दें कि सपना चौधरी ने इसी साल जनवरी के महीने में हरियाणवी सिंगर, राइटर और मॉडल वीर साहू से कोर्ट मैरिज कर ली थी। सपना और वीर की शादी के बारे में भी फैन्स को काफी बाद में पता चला था। हरियाणा और पश्चिमी यूपी में सपना पहले ही काफी पॉप्युलर थीं लेकिन टीवी रिऐलिटी शो 'बिग बॉस' में आने के बाद पूरे हिंदुस्तान में सपना के फैन्स बन गए हैं।

| वैक्सीन को लेकर फिर से चेतावनी जारी |

डब्लूएचओ ने कहा, जादुई गोली नहीं कोरोना वैक्सीन

जनेवा ■ एजेंसी

कोरोना वैक्सीन को लेकर विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) ने कहा है कि यह वैक्सीन कोई जादुई गोली नहीं होगी जो कोरोना वायरस को पलक झपकते खत्म कर देगी। हमें यथार्थवादी होने की जरूरत है। दुनिया में इस महामारी का प्रकोप लंबे समय तक बना रहेगा। डब्लूएचओ ने कोरोना वैक्सीन को लेकर फिर से चेतावनी जारी की है। डब्लूएचओ के पश्चिमी प्रशांत क्षेत्र के क्षेत्रीय निदेशक कसेई ताकेशी ने कहा कि ये वैक्सीन कोई चांदी की गोली नहीं हैं जो निकट भविष्य में महामारी को समाप्त कर देंगे। सुरक्षित और प्रभावी टीकों का विकास एक बात है। लेकिन इनका पर्याप्त मात्रा में उत्पादन करना और हर किसी तक पहुंचना आवश्यक है। यह प्रक्रिया क्षेत्र के कुछ हिस्सों में शुरू हो रही है, लेकिन समान वितरण में समय लगेगा। कसेई ने कहा कि उच्च जोखिम वाले लोगों को छोड़ दिया जाए तो आम नागरिकों को कोरोना वायरस की वैक्सीन मिलने में 12 से 24 महीनों की समय लग सकता है। उन्होंने कहा कि युवा समूह की कोरोना को नियंत्रित करने वाले उपायों को नहीं अपना रहे हैं। ऐसे में आगामी छुट्टियों के दौरान इनके जरिए संक्रमण के फैसले का अंदेशा है। बिना लक्षण वाले लोग क्रिसमस की छुट्टियों में अपने प्रियजनों या परिवार के अन्य सदस्यों को संक्रमित कर सकते हैं। विश्व स्वास्थ्य संगठन ने चेतावनी जारी करते हुए कहा है कि पूरे यूरोप में क्रिसमस के दौरान लोग अपने दोस्तों और परिवारवालों के साथ इकट्ठा होंगे। इससे कोरोना के संक्रमण का खतरा भी बढ़ जाएगा। ऐसे में डब्लूएचओ ने अपील करते हुए कहा है कि लोग संक्रमण को बढ़ने से रोकने के लिए अपनी-अपनी जिम्मेदारी को निभाएं। संगठन ने यह भी कहा है कि मुलाकातों को घरों से बाहर रखने की कोशिश करें। अगर बंद हॉल या कमरे में मिल रहे हैं तो सोशल डिस्टेंसिंग बनाए रखें और मास्क का प्रयोग करें। डब्लूएचओ के महानिदेशक टेड्रोस एडहोम घेब्येयियस भी वैक्सीन को लेकर चेतावनी दे चुके हैं। उन्होंने अगस्त में ही कहा था कि वैक्सीन कोई जादुई गोली नहीं होगी जो कोरोना वायरस को पलक झपकते खत्म कर देगी। हमें अभी लंबा रास्ता तय करना है इसलिए सबको साथ मिलकर प्रयास करने होंगे। संक्रमण की बढ़ती रफ्तार के बीच यूरोपियन यूनियन (ईयू) की प्रेसीडेंट उसुर्ला वोन डेर लेयेन ने ऐलान किया है कि एक हफ्ते के भीतर कोरोना वैक्सीन को मंजूरी दे दी जाएगी।

अमेरिका और ब्रिटेन में वैक्सीनेशन का काम युद्धस्तर पर जारी है। फाइजर की कोरोना वैक्सीन को अमेरिका में इमरजेंसी यूज के लिए अनुमोदित किया जा चुका है। जबकि ब्रिटेन में यह वैक्सीन अब सभी लोगों को दी जा रही है। इस वैक्सीन के अधिक डोज को बनाने के लिए अमेरिका मे अन्य कंपनियों की भी मदद ली जाएगी।

इजरायल में कोरोना टीकाकरण अभियान शुरू प्रधानमंत्री नेतन्याहू ने टीका लगवाया

तेल अवीव। कोविड-19 के जानलेवा वायरस से जूझ रहे इजरायल में इसकी रोकथाम के लिए पीएम बेंजामिन नेतन्याहू ने शनिवार कोरोनारोधी टीका लगवाया। इस कार्यक्रम का टेलीविजन पर सीधा प्रसारण किया गया। नेतन्याहू कोरोना वायरस रोधी टीका लगवाने वाले अपने देश के पहले व्यक्ति हैं। इसके साथ ही वह दुनिया के उन चुनिंदा नेताओं में शामिल हो गए हैं जिन्होंने यह टीका लगवाया है। उन्होंने कहा कि वह खुद का उदाहरण पेश करने के लिए सबसे पहला टीका लगवाना चाहते थे और इसके जरिए लोगों को प्रेरित भी करना चाहते थे। नेतन्याहू के साथ इजरायल के स्वास्थ्य मंत्री युली एडेलस्टीन को भी कोरोना वैक्सीन की डोज दी गई। इन दोनों नेताओं को फाइजर-बायोएनटेक वैक्सीन दिए जाने के बाद आधिकारिक रूप से इजरायल में वैक्सीनेशन प्रोग्राम को लॉन्च कर दिया गया है। वैक्सीनेशन के बाद नेतन्याहू ने कहा कि मुझे उम्मीद है कि इजरायल में जल्दी ही हालात पहले की तरह सामान्य हो जाएंगे। उन्होंने इसे आगे बढ़ने वाला समय बताते हुए कहा कि इससे व्यवसायों को जोड़ने से काम जल्द शुरू हो सकेगा और लोग पहले की तरह जीवन यापन कर सकेंगे। इजरायल के स्वास्थ्य मंत्रालय ने बताया कि रविवार से पूरे इजरायल में फ्रंट लाइन वर्कर्स को 10 अस्पतालों और टीकाकरण केंद्रों पर कोरोना वैक्सीन की डोज दी जाएगी।

ब्रिटेन और अमेरिका में फिलहाल बच्चों को नहीं दी जाएगी कोरोना वैक्सीन

लंदन। ब्रिटेन और अमेरिका में कोरोना वायरस इन्फेक्शन से लड़ने के लिए फाइजर वैक्सीन देना शुरू कर दिया गया है। ब्रिटेन में जहां बुजुर्गों के साथ फ्रंटलाइन हेल्थवर्कर्स को पहले चरण के लिए चुना गया है, वहीं अमेरिका में 30 लाख हेल्थवर्कर्स और नर्सिंग होम रेजिडेंट्स को वैक्सीन दी जानी है। एक बात जिसपर सभी का ध्यान है और जिसे लेकर सवाल खड़ा हो रहा है कि क्या बच्चों को भी कोरोना वैक्सीन दी जाएगी। दोनों देशों में बच्चों को फिलहाल वैक्सिनेशन के लिए नहीं चुना गया है। दरअसल, अलग-अलग उम्र के लोगों पर वैक्सीन की स्टडी का पर्याप्त डेटा अभी मौजूद नहीं है। माना जा रहा है कि यह अगले साल तक मिल सकेगा। फाइजर की वैक्सीन का 12 साल तक की उम्र के बच्चों पर टेस्ट अक्टूबर में शुरू किया गया था और अभी उसके नतीजे आने में कुछ महीने का वक्त लग सकता है। फूड एंड ड्रग ऐडमिनिस्ट्रेशन को इस बारे में फैसला करना होगा कि क्या बच्चों पर इमर्जेंसी में इस्तेमाल की इजाजत देने के लिए डेटा पर्याप्त है।

बिना मास्क राष्ट्रपति ने महिला संग खिंचवाई तस्वीर, लगा 2.57 लाख का जुर्माना

सेंटियागो ■ एजेंसी

घातक वायरस कोविड से बचाव के लिए मास्क पहनना अनिवार्य है ऐसे में चिली के राष्ट्रपति सेबेस्टियन पिनेरा पर 3,500 डॉलर यानि 2.57 लाख रुपये का जुमार्ना लगाया है। उन पर यह जुमार्ना कोरोना वायरस के नियमों के उल्लंघन के लिए लगाया गया है। राष्ट्रपति का दोष यह है कि उन्होंने समुद्र तट पर बिना मास्क के एक महिला के साथ फोटो खिंचवा ली।

यह फोटो सोशल मीडिया पर वायरल हो गई और चिली के स्वास्थ्य विभाग ने सख्ती बरतते हुए राष्ट्रपति को भी नहीं बख्शा और उन पर जुमार्ना लगा दिया। राष्ट्रपति पिनेरा ने अपनी बगैर मास्क वाली फोटो वायरल होने के बाद सार्वजनिक रूप से माफी भी मांगी थी। इसके बावजूद स्वास्थ्य विभाग ने लोगों को संदेश देने के लिए राष्ट्रपति पर स्वास्थ्य विभाग ने भारी-भरकम जुमार्ना लगा दिया। चिली में कोरोना वायरस के नियमों के उल्लंघन पर जुमार्ने के साथ-साथ जेल का भी प्रावधान है। राष्ट्रपति के मास्क नहीं लगाने पर उनकी सोशल मीडिया और पारंपरिक मीडिया ने जमकर आलोचना की। इस बारे में राष्ट्रपति ने सफाई देते हुए कहा है कि वे अपने घर के पास समुद्र तट पर अकेले घूम रहे थे और तभी एक महिला उनके पास आई और सेल्फी लेने का आग्रह करने लगी। राष्ट्रपति के अनुसार, वे महिला के इस अनुरोध को अस्वीकार नहीं कर सके। राष्ट्रपति सेबेस्टियन पिनेरो का विवादों से नजदीकी नाता रहा है। यही वजह है कि उन्हें कई बार आलोचना का सामना करना पड़ा है। कोरोना महामारी को लेकर जब घरों में रहने को मजबूर हुए थे तब राष्ट्रपति ने स्क्वायर पर जाकर फोटो खिंचवाई। यह फोटो वायरल हुई और उनकी खूब आलोचना हुई। वर्ष 2019 में सैंटियागो में असमानता को लेकर विरोध-प्रदर्शन हो रहे थे और राष्ट्रपति पिज्जा पार्टी में बिजी थे। राष्ट्रपति की पिज्जा पार्टी वाली फोटो सोशल मीडिया पर खूब वायरल हुई थी और उनकी काफी किरकिरी हुई थी। जॉन हॉपकिन्स यूनिवर्सिटी के अनुसार, चिली में अब तक कोरोना के 5,81,135 मामले सामने आ चुके हैं जबकि यहां 16 हजार से ज्यादा लोगों की मौत हो चुकी है। इस साल जून में चिली में हर रोज कोरोना के एक हजार से ज्यादा मामले सामने आ रहे थे।

न्यूज. ब्रीफ

सिडनी में बुधवार तक के लिए लॉकडाउन

सिडनी। सिडनी के उत्तरी तटीय क्षेत्रों में पिछले 24 घंटों में कोविड-19 संक्रमण के 30 नए मामले सामने आने के बाद कुल मामले बढ़कर 70 हो गए। अधिकारियों का कहना है कि वे संक्रमित मरीजों के संपर्क में आने वालों की पहचान संभवतः कभी नहीं कर पाएंगे। उत्तरी तटीय क्षेत्र के बाहर संक्रमण के मामलों में वृद्धि के साक्ष्य नहीं मिले हैं, लेकिन नए मामलों की सूची से यह पता चलता है कि वायरस ग्रेटर सिडनी और राज्य के अन्य हिस्सों में फैल रहा है। सरकार ने बुधवार तक क्षेत्र में लॉकडाउन घोषित कर दिया गया है। वहीं थाईलैंड में शनिवार को कोविड-19 के एक दिन में सर्वाधिक 548 नए मामले सामने आए। थाईलैंड में सीमा पर सख्त प्रतिबं?धों और दिशानिदेर्शों के बाद कई महीनों बाद संक्रमण के इतने नए मामले सामने आए हैं।

मेक्सिको के राष्ट्रपति ने की बाइडन से फोन पर बात

मेक्सिको सिटी। मेक्सिको के राष्ट्रपति आंद्रेस मैन्युअल लोपेज ओब्राडोर ने अमेरिका के नवनिर्वाचित राष्ट्रपति जो बाइडन से फोन पर बातचीत की। इससे पहले ही ओब्राडोर ने बाइडन को बड़ा नीरस सा पत्र लिखा था। उन्होंने बाइडन को बधाई देते हुए अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर लिखा था ?कि हम हमारे लोगों और देशों की भलाई के लिए मिलकर काम करने की प्रतिबद्धता दोहराते हैं। ओब्राडोर और ब्राजील के राष्ट्रपति जेयर बोलासोनारो ने अमेरिकी निर्वाचन मंडल द्वारा बाइडन की जीत की घोषणा के बाद ही उन्हें बधाई दी है। इन दोनों लातिन अमेरिकी नेताओं को अमेरिका के निवर्तमान राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का मित्र माना जाता है। ओब्राडोर ने कहा कि उन्होंने पत्र लिखने के लिए निर्वाचन मंडल का मतदान होने तक सोच-समझकर इंतजार किया। पत्र में मेक्सिको के अंदरूनी मामलों में दखल नहीं देने की परोक्ष चेतावनी भी दी गई है।

मस्जिद नक्शा पास होने के ढाई साल के भीतर होगी तैयार

नई दिल्ली। अयोध्या के मंदिर-मस्जिद विवाद के फैसले में सुप्रीम कोर्ट के आदेश के तहत उ.प्र.सुन्नी वक्फ बोर्ड को अयोध्या के धन्नीपुर गांव में प्रदेश सरकार द्वारा दी गयी पांच एकड़ जमीन पर मस्जिद के निर्माण की तैयारी शुरू हो गयी है। इस निर्माण के लिए सुन्नी वक्फ बोर्ड ने इण्डो इस्लामिक फाउण्डेशन के नाम से एक ट्रस्ट गठित किया है। लखनऊ के ट्रस्ट के दफ्तर में एक प्रेस कान्फ्रेंस में वरिष्ठ वास्तुविद और इस मस्जिद के डिजायनर प्रो.एस.एम.अख्तर ने मस्जिद का डिजायन सार्वजनिक किया। इस मस्जिद के साथ अस्पताल, प्रकाशनगृह व शोध केन्द्र आदि का भी निर्माण करवाया जाएगा। यह जानकारी ट्रस्ट के प्रवक्ता अतहर हुसैन ने दी है। उन्होंने जोर देकर कहा कि इसका नाम बाबरी मस्जिद नहीं बल्कि धन्नीपुर मस्जिद होगा। एक सवाल पर उन्होंने बताया कि मस्जिद, अस्पताल आदि का नक्शा अयोध्या जिला पंचायत में जमा होगा या अयोध्या विकास प्राधिकरण में ,इस बाबत वास्तुविद प्रो.अख्तर ही राय देंगे।

ट्रेन में तबीयत बिगड़ने पर आपकी सीट पर पहुंचेगा डॉक्टर

नई दिल्ली। ट्रेन में सफर के दौरान कई बार कुछ लोग बीमार पड़ जाते हैं। ऐसी स्थिति में आपको घबराने की बिलकुल भी जरूरत नहीं है। भारतीय रेलवे की मदद से आप सफर के दौरान अपना इलाज कर सकते हैं। आज हम आपको बताएंगे कि ट्रेन में तबीयत बिगड़ने पर आपको यह मदद कैसे मिल सकती है। भारतीय रेलवे में सफर के दौरान यदि आप बीमार महसूस कर रहे हैं तो टीटीई से संपर्क कर सकते हैं। रेलवे नियमों के अनुसार टीटीई को आपकी मदद करनी ही होगी। आपके लिए टीटीई ट्रेन में फर्स्ट एड चिकित्सा की सुविधा लेने की प्रक्रिया को पूरा करेगा। मेडिकल इमरजेंसी में ये किट आपके काम आएगी। इसके अलावा टीटीई रेलवे कंडक्टर को जानकारी दे सकता है। बता दें कि रेलवे कंडक्टर कंट्रोल रूम से कनेक्ट होता है और वह अगले स्टेशन पर डॉक्टर की मांग कर सकता है। आप 138 नंबर पर तुरंत कॉल करके भी मदद मांग सकते हैं। इसके बाद अगले स्टेशन तक आपके पास डॉक्टर पहुंच जाएंगे। वर्तमान में रेलवे सोशल मीडिया पर भी काफी सक्रिय रहता है।&ल्दुरस्र;यदि आपकी तबीयत बिगड़ती है तो आप रेलवे के आधिकारिक ट्वीटर हैंडल पर ट्वीट कर मदद मांग सकते हैं। इसके बाद आपके मामले को रेलवे संबंधित जोन में हस्तांतरित कर देगा।

तुर्की के हॉस्पिटल में ऑक्सीजन वेंटिलेटर फटा, 9 कोरोना संक्रमित मरीजों की मौत

इस्तांबुल ■ एजेंसी

कई बार जीवन देने वाले उपकरण भी मौत का कारण बन जाते हैं। ऐसा ही कुछ तुर्की में देखने को मिला। तुर्की में शनिवार को एक अस्पताल में आग लगने से 9 लोगों की मौत हो गई थी। यह पता चला है कि ये मौतें अस्पताल में ऑक्सीजन वेंटिलेटर फटने से हुई हैं।

गवर्नर ऑफिस ने बताया कि यह आग गजियांटेप के निजी सैंकू विश्वविद्यालय अस्पताल के आईसीयू में ऑक्सीजन वेंटिलेटर फटने के कारण लगी। यूनिट में तड़के चार बजकर 45 मिनट पर ऑक्सीजन उपकरण में विस्फोट हुआ। इस यूनिट में कोविड-19 से संक्रमित मरीजों का इलाज किया जा रहा था। अस्पताल द्वारा जारी किए गए बयान के अनुसार मरने वालों की उम्र 56-85 वर्ष के बीच हैं। गाज़ियांटेप के गवर्नर ऑफिस ने बताया कि इस वार्ड में इलाज कर रहे कई अन्य मरीजों को पास के अस्पतालों में इलाज के लिए स्थानांतरित किया गया। आग लगने के बाद मरीजों को जब दूसरे अस्पताल में शिफ्ट किया जा रहा था तब एक और मरीज की मौत हो गई।

गवर्नर ऑफिस की तरफ से पीड़ितों के प्रति प्रति संवेदना व्यक्त करते हुए कहा कि अस्पताल में आवश्यक उपाय किए गए हैं। तुर्की के राष्ट्रपति रजब ताइप के प्रवक्ता इब्राहिम कालिन ने ट्वीट कर पीड़ितों के जख्मों के जल्द भरने की दुआ की और साथ ही गाजियांटेप के भी इस हादसे से जल्द उबरने की प्रार्थना की। पिछले महीने रोमानिया के एक अस्पताल में भी आग लगने से कोविद-19 का इलाज कर रहे 10 मरीजों की मौत हो गई थी।

ट्रंप ने कथित चुनाव धोखाधड़ी मामले में विशेष वकील नियुक्त किया

वाशिंगटन। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने चुनाव धोखाधड़ी के अपने आरोपों के सिलसिले में वकील सिडनी पॉवेल को विशेष वकील नियुक्त किया है। पॉवेल ट्रंप के चुनाव अभियान की कानूनी टीम का हिस्सा थीं, जिन्हें बाद में हटा दिया गया था।

व्हाइट हाउस में हुई बैठक में ट्रंप ने पॉवेल की नियुक्ति के संबंध में चर्चा की थी। बैठक से जुड़े दो सूत्रों ने यह जानकारी दी। ट्रंप तीन नवंबर को राष्ट्रपति चुनाव में हार मिलने के बाद से ही चुनाव धोखाधड़ी के आरोप लगा रहे हैं। उन्होंने चुनाव नतीजों को चुनौती भी दी है। हालांकि अभी यह स्पष्ट नहीं है कि ट्रंप अपनी कानूनी लड़ाई जारी रखेंगे या नहीं। अमेरिका के संघीय कानून के तहत विशेष वकीलों की नियुक्ति अटॉर्नी जनरल की जिम्मेदारी होती है। कई रिपब्लिकन नेता, अटॉर्नी जनरल विलियम बार, कई गवर्नर और राज्य के चुनाव अधिकारी बार-बार कह चुके हैं कि चुनाव धोखाधड़ी के ट्रंप के आरोपों का कोई सबूत नहीं है।

ग्रेट पिरामिड के नीचे है गुफाओं के जाल, चेंबर और टनल

▶ ग्रेट पिरामिड बनाया गया था 20 साल में

गीजा ■ एजेंसी

एक ब्रिटिश एक्सप्लोरर ने दावा किया है कि गीजा के ग्रेट पिरामिड के नीचे गुफाओं के जाल, चेंबर और टनल हैं। माना जाता है कि ग्रेट पिरामिड 20 साल में बनाया गया था। मिस्र के फिरौन के 'अंडरवल्र्ड' की खोज के दौरान यह जाल मिला है। अभी भी कई रहस्यों और पहेलियों से घिरी इस इमारत को प्राचीन दुनिया के सात अजूबों में शामिल किया जाता है। एक्सप्लोरर के मुताबिक ये मकबरे पिरामिड के नीचे फैले हैं। मिस्र के जांचकर्ता ऐंड्रू कॉलिन्स का मानना है कि इसके नीचे ऐसे पुरातत्व संबंधी ऐसे सबूत हैं जिन्हें अभी तक छुआ नहीं गया है। उन्होंने अपनी किताब में दावा किया है कि इन मकबरों के एंट्रेंस 19वीं सदी के राजनयिक और एक्सप्लोरर के लेखओं में मिली है। ब्रिटेन के कॉन्सुल जनरल हेनरी सॉल्ट ने याद किया है कि कैसे उन्होंने गीजा में 1817 में इस सिस्टम की जांच की थी उनके साथ इटली के एक्सप्लोरर जियोवानी काविग्लिया भी थे। कॉलिन्स ने आगे बताया है कि इन गुफाओं की जांच तब तक की गई जब तक हवा कम नहीं हो गई। उन्होंने इन गुफाओं को काफी खतरनाक बताया है जिसमें अचानक गड्ढे आ जाते हैं, चमगादड़ और जहरीली मकड़ियां रहती हैं। वह कहते हैं कि प्राचीन लेखों में गीजा के पिरामिड के पास ऐसी दुनिया का जिक्र मिलता है।कॉलिन्स ने ब्रिटेन के मिस्र मामलों के जानकार नाइजेल स्किन सिंपसन के साथ सॉल्ट के काम का अध्ययन किया और खोज शुरू की। उन्हें एक चट्टान में दरार दिखी जिसके पीछे एक गुफा थी। उन्होंने दावा किया कि यह नेटवर्क उस अंडरवल्र्ड का संकेत देता है जिसका मिस्र में मरने के बाद के जीवन के तौर पर जिक्र मिलता है।

बेहाल पाकिस्तान में जान देने पर उतारू गरीब जनता

2 लाख पाने वाले इमरान बोले, 'हम क्या करें'

इस्लामाबाद ■ एजेंसी

आर्थिक रूप से बदहाल पाकिस्ताकी जनता इन दिनों अपनी जान देने पर उतारू है। जबकि भारत के खिलाफ दुराग्रह रखने वाले यहां के प्रधानमंत्री इमरान खान के पास अपने देश की समस्याओं के समाधान नहीं हैं। यहां तक कि एक इंटरव्यू के दौरान जब इमरान से सवाल किया गया कि गरीबी से परेशान लोग आखिरकार क्या खुदकुशी कर लें, तो इसके जवाब में इमरान ने कह दिया- 'क्या करें अब?' इमरान की इस जवाब पर काफी आलोचना हो रही है कि जब देश का पीएम ऐसे जवाब देगा तो जनता का क्या हाल होगा। इमरान से इंटरव्यू के दौरान पत्रकार ने सवाल किया कि इमरान कहते हैं कि दो लाख वेतन में उनका गुजारा नहीं होता तो लोग 17-18 हजार में कैसे गुजारा करेंगे? इस पर इमरान ने जवाब दिया कि इसका हल यह है कि देश की दौलत बढ़ाएं। इस पर पत्रकार ने वापस सवाल किया कि जब तक ऐसा नहीं होता तो लोग खुदकुशी कर लें? इस पर इमरान ने कहा- 'क्या करें अब?...अब क्या करेंगे मुझे बताएं।' पाकिस्तान के एक अखबार के मुताबिक आबादी के मामले में दुनिया में छठे स्थान पर खड़े देश में एक

बड़ा हिस्सा बेरोजगार है। देश की 64फीसदी आबादी 30 साल की उम्र के नीचे है और युवा बेरोजगारी दर 8.5फीसदी है। अखबार के मुताबिक 80फीसदी युवा मजदूर या तो अशिक्षित है या कुशलता में कमी है। देश के प्राइवेट सेक्टर में ट्रेनिंग की कीमत काफी ज्यादा है जिसकी वजह से लोग इसका खर्च उठा नहीं पाते हैं। गौरतलब है कि देश की अर्थव्यवस्था पहले से चरमराई हुई थी, कोरोना वायरस ने उसकी कमर और ज्यादा तोड़ दी।

यहां तक कि अर्थव्यवस्था के और गर्त में जाने के डर से इमरान ने देश को पूरी तरह से लॉकडाउन भी नहीं किया। पाकिस्तान दूसरे देशों के कर्ज में भी बुरी तरह से डूबा है। हाल ही में सऊदी अरब का 2 अरब डॉलर का कर्ज चुकाने के लिए पाक ने चीन से 1.5 डॉलर की मदद मांगी है।

दादी के साथ खेत में गई नाबालिग बच्ची से सामूहिक दुष्कर्म

हापुड़ ■ एजेंसी

उत्तर प्रदेश के हापुड़ जिले के गढ़मुक्तेश्वर थाना इलाके के एक गांव में खेत पर काम कर रही किशोरी से पड़ोस के गांव में रहने वाले चार युवकों द्वारा सामूहिक दुष्कर्म करने का मामला सामने आया है। परिजनों ने कोतवाली पहुंचकर आरोपियों के खिलाफ तहरीर देकर कार्रवाई की मांग की है। वहीं, पुलिस ने दो नामजद अभियुक्तों को हिरासत में ले लिया है।गढ़ कोतवाली इलाके के एक गांव निवासी व्यक्ति ने कोतवाली में तहरीर दी है, जिसमें उल्लेख किया है कि शनिवार की शाम को उसकी 13 वर्षीय बेटी अपनी दादी के साथ खेत में काम करने के लिए गई हुई थी। आरोप है कि इसी दौरान पड़ोस के गांव के रहने वाले चार युवक खेत के पास पहुंचे और किशोरी को अकेला देख उसे जबरन दूसरे खेत में खींच लिया।

अनुमान ▶ शहरों की गर्मी और प्रदूषण बढ़ता रहा तो तूफानों की भयावहता बढ़ जाएगी

तूफानों को अपनी ओर आकर्षित करते हैं शहर : शोध

लंदन ■ एजेंसी

बेहद चतुर और बुद्धिमान होने के बावजूद इंसान प्रकृति के आगे बौने हैं। प्राकृतिक प्रकोपों के आगे इंसानों की कुछ नहीं चलती। अब एक नई स्टडी सामने आई है, जिसमें कहा जा रहा है कि शहर और मानवजनित गतिविधियों से आंधी-तूफान आकर्षित होते हैं और उन्हें मजबूती मिलती है। ऐसी आसमानी आपदाएं शहर में तबाही मचाती हैं। यूएस डिपार्टमेंट ऑफ एनर्जीस पैसिफिक नॉर्थवेस्ट नेशनल लेबोरेटरी की स्टडी के मुताबिक शहरों में होने वाले वायु प्रदूषण के कणों की वजह से भी थंडरस्टॉर्म शहरों में तबाही मचाते हैं।

वैज्ञानिकों ने इस संबंध की स्टडी करने के लिए अमेरिका के दो शहरों में आए तूफानों का अध्ययन किया। ये तूफान ह्यूस्टन और कंसास में आए थे। कंसास शहर में आया तूफान काफी तेज, घुमावदार और आंधी से भरा था। जबकि, ह्यूस्टन में आया तूफान कंसास वाले की तुलना में कमजोर, शांत और उमस से भरा हुआ था। यूएस डिपार्टमेंट ऑफ एनर्जीस पैसिफिक नॉर्थवेस्ट नेशनल लेबोरेटरी की पर्यावरणीय विज्ञानी जिवेन फैन ने कहा कि ह्यूस्टन में आए तूफान को शहरी एयरोसोल ने और ज्यादा तीव्र कर दिया था। इसकी वजह से काफी ज्यादा दिनों तक बारिश होती रही। यहां तक कि दिन में दोपहर के समय जब गर्मी ज्यादा होती है, तब भी शहरी प्रदूषण की वजह से बारिश होती रही। बिजली कड़कती रही।

हुआ यूं था कि ह्यूस्टन शहर के ऊपर गर्म हल्की हवा का फॉर्मेशन हो रहा था। ये शहर की गर्मी, प्रदूषण और एयरोसोल की वजह से था। जब समुद्र की नमी वाली, ठंडी और घनत्व वाली हवा ह्यूस्टन के वातावरण से टकराई तो वहां पर तेज तूफान बन गया। जिसकी वजह से कई दिनों तक बिजली कड़कने के साथ बारिश होती रही। कंसास शहर के मामले में अलग ही चीज देखने को मिली। शहर से निकलने वाली गर्म हवा शहर की सीमा के पास पहुंचे तूफान की नमी वाली ठंडी हवा से मिली तो उसे तेजी से अपनी ओर खींच लिया। इसकी वजह से कंसास का तूफान ज्यादा तीव्र और भयावह हो गया। लेकिन कंसास में शहरी एयरोसोल ने तूफान को आकर्षित नहीं किया था। यहां पर शहरी गर्म हवा मुख्य वजह थी। जबकि, ह्यूस्टन में शहरी गर्म हवा और एयरोसोल दोनों मिलकर तूफान को आकर्षित कर रहे थे। जिवेन फैन ने बताया कि शहरों में मौजूद इमारतों से निकलने वाली गर्मी और एयरोसोल की वजह से तूफान आकर्षित होते हैं। अगर शहरों में गर्मी ज्यादा होती है तो तूफानों के ज्यादा दिन तक टिकने की आशंका बनी रहती है। अगर शहर का तापमान कम और प्रदूषण का स्तर कम है तो तूफान भी आकर्षित नहीं होते। वो अपनी गति से आकर चले जाते हैं। जिवेन फैन की यह स्टडी एटमॉस्फियरिक केमिस्ट्री एंड फिजिक्स नाम के जर्नल में प्रकाशित हुई है। इस स्टडी से एक बात प्रमाणित होती नजर आ रही है कि अगर इसी तरह से शहरों की गर्मी और प्रदूषण बढ़ता रहा तो भविष्य में तूफानों की भयावहता खुद-ब-खुद बढ़ जाएगी।

न्यूज. ब्रीफ

हफीज की शानदार पारी के बाद पाक प्रशंसक ने टीम इंडिया पर तंज कसा

हेमिल्टन। पाकिस्तान के बल्लेबाज मोहम्मद हफीज ने यहां न्यूजीलैंड के साथ दूसरे टी20 मैच में शानदार बल्लेबाजी करते हुए 57 गेंदों में 99 रनों की नाबाद पारी खेली। इससे पाक टीम ने 20 ओवर में 6 विकेट के नुकसान पर 163 रन बनाए हैं। इस प्रकार मेजबान न्यूजीलैंड की टीम को जीत के लिए 164 रनों का लक्ष्य मिला है। हफीज की इस पारी के बाद पाक के एक क्रिकेट प्रशंसक ने टीम इंडिया पर तंज कसा है क्योंकि ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ एडिलेड टेस्ट मैच की दूसरी पारी में भारत की टीम केवल 36 रनों पर ही आउट हो गयी थी। हफीज ने अपनी 99 रनों की नाबाद पारी में 10 चौके और 5 छक्के लगाए। उनकी इस पारी के बाद पाकिस्तानी क्रिकेट फैन ने भारत की टीम पर तंज कसते हुए लिखा, 'वाह आज तो छा गए क्या शानदार पारी खेली है हफीज ने। इंडिया की पूरी टीम ने 36 किया था, हमारे अकेले बंदे ने 99 किए हैं और वो भी नाबाद।' बॉर्डर गावस्कर टेस्ट सीरीज के पहले मैच की दूसरी पारी में भारत का बल्लेबाजी क्रम विफल रहा था और टीम 9 विकेट गंवाने के बाद सिर्फ 36 रन ही बना सकी थी, जो कि टेस्ट क्रिकेट में भारत का अबतक का सबसे कम स्कोर भी रहा।

ऑस्ट्रेलिया के पास 4-0 से जीत दर्ज करने का अच्छा अवसर : पोंटिंग

मेलबर्न। पहले क्रिकेट टेस्ट में भारतीय टीम की करारी हार के बाद ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान रिकी पोंटिंग ने कहा कि मेजबान टीम के पास अब इस सीरीज में 4-0 से क्लीन स्वीप करने का अच्छा अवसर है। भारतीय टीम गुलाबी गेंद से खेले गए पहले टेस्ट क्रिकेट मैच की दूसरी पारी में 36 रनों पर ही आउट हो गयी थी। ऑस्ट्रेलिया ने यह मैच 8 विकेट से जीतकर बॉर्डर-गावस्कर ट्राफी में 1-0 से बढ़त हासिल कर ली है। पोंटिंग ने कहा, अब क्लीन स्वीप का अच्छा मौका हो सकता है।' उन्होंने कहा, मेलबर्न में सकारात्मक परिणाम की उम्मीद रखिए और अगर हम ऐसा कर देते हैं तो फिर भारत के लिए वापसी करना और एक मैच जीतना कठिन हो जाएगा। साथ ही कहा कि भारत को बाकी बचे तीन टेस्ट मैचों में कप्तान विराट कोहली की कमी खलेगी जो अपने बच्चे के जन्म के कारण स्वदेश लौट जाएंगे और पोंटिंग ने कहा कि यह मेहमान टीम के लिए असली परीक्षा होगी जिसे अंजिक्य रहाणे की कप्तानी में वापसी करनी होगी। पोंटिंग ने कहा, हम उनके बारे में बहुत कुछ जानेंगे। कोहली के नहीं होने से उनके पास कोई ऐसा नहीं है जो उन्हें इस तरह की हार से वापसी दिला सके। साथ ही कहा कि भारत को 26 दिसंबर से शुरू हो रहे दूसरे टेस्ट मैच के लिए अपनी सर्वश्रेष्ठ एकादश तलाशनी होगी क्योंकि युवा सलामी बल्लेबाज पृथ्वी शॉ और विकेटकीपर ऋद्धिमान साहा पहले टेस्ट में नाकाम रहे थे। पोंटिंग के अनुसार विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत ओर युवा बल्लेबाज शुभमन गिल को अवसर देना चाहिये।

सुनील गावस्कर ने कहा इशांत फिट है तो उसे ऑस्ट्रेलिया भेजें

मुम्बई। भारतीय टीम के पूर्व कप्तान सुनील गावस्कर ने कहा कि तेज गेंदबाज इशांत शर्मा अगर फिट हो गये हैं तो उन्हें शीघ्र ऑस्ट्रेलिया भेजा जाना चाहिये। गावस्कर ने अपने एक बयान में कहा, मोहम्मद शमी का चोटिल भारतीय टीम के लिए बड़ी समस्या है। उसके पास विकेट लेने की क्षमता है, वह अपने बाउंसरों और यॉर्कर्स से विपक्ष को झटका दे सकता है। अगर वह नही खेल रहा है तो यह भारत के लिए परेशानी वाली जगह है। गावस्कर ने आगे कहा, ऐसे में अगर अनुभवी इशांत शर्मा फिट है तो उसे अभी ऑस्ट्रेलिया भेजा जाना चाहिए। जिससे भारतीय गेंदबाजी प्रभावशाली बनी रहे। इस पूर्व क्रिकेटर ने कहा, यदि वह एक दिन में 20 ओवर गेंदबाजी करने में सक्षम है तो प्रबंधन को उसे कल की ऑस्ट्रेलिया भेज देना चाहिए जिससे वह सिडनी टेस्ट के लिए तैयार हो सके। उन्होंने आगे कहा, मैं कह रहा हूं कि भारत को एक अवसर लेना चाहिए क्योंकि अभी कोई सही बैक-अप नहीं है। युवा तेज गेंदबाज नवदीप सैनी के पास विकेट लेने की क्षमता है, लेकिन जिस तरह से उन्होंने अभ्यास मैचों में गेंदबाजी की, उससे ऐसा नही लगता कि वह ऑस्ट्रेलिया के बल्लेबाजों को परेशान कर पाएंगे। शमी के चोटिल होने के बाद बीसीसीआई ने मोहम्मद सिराज को एक विकल्प के तौर पर रखा है।

टीम इंडिया के रुख में आक्रमकता लाने ऋषभ पंत की है जरुरत

एडीलेड। भारतीय टीम के लिए ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ दूसरे टेस्ट मैच में उतरने समय अपनी मानसिकता में बदलाव करते हुए आक्रमक रुख रखना होगा। पहले टेस्ट में भारतीय टीम की और कप्तान विराट कोहली के अलावा अन्य सभी ने रक्षात्मक रुख अपनाया था जिससे मेजबान गेंदबाज हावी हो गये थे। ऐसे में माना जा रहा है कि टीम इडिया कई को आक्रामक विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत को टीम में शामिल करना चाहिये। पहले टेस्ट में टीम इंडिया का रुख बेहद रक्षात्मक था। वहीं दूसरी ओर ऑस्ट्रेलिया टीम के कप्तान टिम पेन का मानना है कि आक्रामक तेवरों के साथ बल्लेबाजी करने से ही विरोधी टीम पर काबू पाया जा सकता है। पेन ने तेजी से बल्लेबाजी करते हुए अर्धशतक लगाया था। पेन जैसी ही क्षमताएं ऋषभ में भी है। ऋषभ भी गेंदबाजों पर लगातार दबाव बनाने का प्रयास करते हैं। ऋषभ को टेस्ट टीम में शामिल करने की बात ऑस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान रिकी पॉन्टिंग ने भी कही है। पॉन्टिंग का मानना है कि भले ही ऋषभ के अंदर साहा जैसी विकेटकीपिंग स्किल्स ना हो पर वो अच्छे बल्लेबाज हैं।

दोहा में एएफसी चैम्पियंस लीग के अवार्ड समारोह में एकसाथ नजर आये खिलाड़ी।

एक क्लब के लिए 643 गोल दागे
मेसी ने पेले की बराबरी की: ब्राजीलियन लेजेंड बोले- मैं लियोनल का बड़ा फैन

कैंप नाउ ■ एजेंसी

अर्जेंटीना के स्टार फुटबॉलर लियोनल मेसी ने शनिवार को एक बड़ी उपलब्धि अपने नाम कर ली। उन्होंने एक क्लब के लिए खेलते हुए सबसे ज्यादा 643 गोल के मामले में ब्राजीलियन लेजेंड पेले की बराबरी कर ली है। मेसी ने स्पेनिश क्लब बार्सिलोना के लिए अब तक 748 मैच में 643 गोल दागे हैं। इस दौरान उन्होंने 278 गोल असिस्ट भी किए। पेले ने मेसी को इस रिकॉर्ड के लिए बधाई दी। उन्होंने कहा कि वे भी मेसी के बहुत बड़े फैन हैं।

वहीं, पेले ने ब्राजील के क्लब सांतोस के लिए 15 साल की उम्र में 1956 से खेलना शुरू किया था। उन्होंने क्लब के लिए 1974 तक 656 मैच खेले और 643 गोल दागे। पेले के ओवरऑल गोल को देखे जाएं तो उन्होंने 767 मैच में 831 गोल किए हैं। इसमें अपने देश ब्राजील के लिए उन्होंने 92 मैच में 77 गोल दागे हैं। नेशनल टीम के लिए पेले ने 16 साल की उम्र में खेलना शुरू किया था। मेसी ने स्पेनिश टूर्नामेंट ला लिगा में शनिवार देर रात वेलेंसिया टीम के खिलाफ एक गोल दागा। इसी के साथ पेले के रिकॉर्ड की बराबरी कर ली। हालांकि, मेसी अपनी टीम बार्सिलोना को जिता नहीं सके। यह मैच 2-2 से ड्रॉ हुआ।

700 गोल करने वाले दुनिया के 7वें खिलाड़ी

मेसी 30 जून को ही 700 से ज्यादा गोल करने वाले दुनिया के 7वें खिलाड़ी बने हैं। इसमें अपने देश अर्जेंटीना के लिए किए गए 70 गोल भी शामिल हैं। सबसे ज्यादा 805 गोल का रिकॉर्ड ऑस्ट्रिया के जोसेफ बिकन के नाम है।

आमिर ने मिसबाह और यूनिस को संन्यास के लिए जिम्मेदार बताया

कराची ■ एजेंसी

पाकिस्तान के तेज गेंदबाज मोहम्मद आमिर ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास लेने के अपने फैसले के लिए टीम प्रबंधन को जिम्मेदार बताते हुए कोच मिसबाह उल हक और तेज गेंदबाजी कोच वकार यूनिस पर हमला बोला है। आमिर ने कहा कि उन्हें मिसबाह और वकार से परेशानी थी। आमिर ने कहा, ये लोग धीरे-धीरे लोगों के दिमाग में जहर भरने की कोशिश कर रहे थे कि मैं टेस्ट क्रिकेट नहीं खेलना चाहता हूं और केवल पैसे कमाने के लिए टी20 लीग में खेलना चाहता हूं। उन्होंने यह धारणा बनाई कि मैंने तमाम उम्मीदों के बावजूद टीम को नीचा दिखाया। आमिर ने कहा, उन्होंने मेरी छवि खराब करने की कोशिश की। आपको अपनी छवि बनाने में बहुत मेहनत करनी पड़ती है। आमिर ने कहा, यह मेरे लिए बहुत मुश्किल फैसला था लेकिन मुझे लगा कि समय आ गया है जब चुप नहीं रहना चाहिए। मैंने यह मसला उठाने और लोगों को सच्चाई से अवगत कराने के लिए यह फैसला किया। उन्होंने कहा कि टेस्ट क्रिकेट से संन्यास लेने के बाद उन्होंने खुद को सीमित ओवरों के मैचों के लिए उपलब्ध रखा था लेकिन जब वर्तमान टीम प्रबंधन ने जिम्मा संभाला तो अच्छे प्रदर्शन के बावजूद उन्हें नजरअंदाज किया गया। आमिर ने कहा, निश्चित तौर पर मैं दुखी था जब न्यूजीलैंड दौरे के लिए 35 खिलाड़ियों में भी मुझे जगह नहीं दी गयी।

टीम इंडिया के लिए अलर्ट: 34 टेस्ट मैच में 31 बार हारा, 3 ड्रॉ
भारतीय टीम एशिया के बाहर पहला टेस्ट हारने के बाद सीरीज नहीं जीती

मेलबर्न ■ एजेंसी

टीम इंडिया ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 4 टेस्ट की सीरीज का पहला मैच शनिवार को 8 विकेट से गंवा दिया। इस डे-नाइट टेस्ट में भारत ने एक पारी में अपना सबसे छोटा 36 रन का स्कोर भी बनाया। इस हार के बाद टीम इंडिया को अलर्ट होना होगा, क्योंकि उसके साथ एक खराब रिकॉर्ड जुड़ गया है। दरअसल, टीम इंडिया टेस्ट इतिहास में एशिया के बाहर सीरीज का पहला मैच हारने के बाद सीरीज नहीं जीत सकी है। टीम ने इस बार 35वीं द्विपक्षीय टेस्ट सीरीज (2+ मैच) का पहला मुकाबला हारा है।

इससे पहले 34 टेस्ट सीरीज में भारतीय टीम ने पहला मैच हारकर 31 बार सीरीज गंवाई है। जबकि तीन बार भारत ने विपक्षी टीम के साथ सीरीज ड्रॉ कराई। इस दौरान टीम इंडिया ने 1980 में ऑस्ट्रेलिया, 2002 में इंग्लैंड और 2010 में साउथ अफ्रीका से टेस्ट सीरीज 1-1 से ड्रॉ कराई।

भारतीय टीम को पिछली शिकस्त इसी साल न्यूजीलैंड के खिलाफ मिली थी। फरवरी में खेली गई 2 टेस्ट की सीरीज में भारतीय टीम पहला मैच हार गई थी। इसके बाद मेजबान न्यूजीलैंड ने दूसरा मैच भी हराकर सीरीज 2-0 से जीत ली थी। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ दूसरे टेस्ट से पहले भारतीय टीम को 2 बड़े झटके लगे हैं। पहला यह है कि भारतीय कप्तान विराट कोहली पैटरनिटी लीव पर चले गए हैं। अब उनकी जगह सीरीज में अजिंक्य रहाणे टीम की कमान संभालेंगे। दूसरा यह है कि तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी चोटिल होकर सीरीज से ही बाहर हो गए हैं। उन्हें पहले टेस्ट में कलाई पर चोट लगी थी। वहीं, रोहित शर्मा का दूसरा टेस्ट में खेलना मुमकिन नहीं लग रहा है। वे तीसरे टेस्ट से टीम को जॉइन कर सकते हैं।

2 साल पहले इंग्लैंड ने हराया

अगस्त 2018 में टीम इंडिया ने इंग्लैंड दौरे पर 5 टेस्ट की सीरीज का पहला मैच 31 रन से गंवाया था। इसके बाद भारत वापसी नहीं कर सका और यह सीरीज 4-1 से हार गया। टीम इंडिया ने सिर्फ सीरीज का तीसरा मैच 203 रन से जीता था।

भारत का अगला टेस्ट 26 से

ऑस्ट्रेलिया दौरे पर टीम इंडिया को अगला टेस्ट 26 दिसंबर को मेलबर्न में खेलना है। यह बॉक्सिंग-डे टेस्ट है। हालांकि, भारत के लिए अच्छी बात यह है कि 2018 के दौरे पर उसने ऑस्ट्रेलिया को इसी मैदान पर एक टेस्ट हराया था।

टीम इंडिया को भारी पड़ी शुभमन और राहुल की अनदेखी

एडिलेड टेस्ट में टीम इंडिया की करारी हार के कारण भारत की मजबूत बल्लेबाजी पर सवाल उठने लगे हैं। यह माना जा रहा है कि पृथ्वी शॉट और हनुमा बिहार पर जरुरत से ज्यादा भरोसा और शुभमना गिल व लोकेश राहुल की उपेक्षा भारतीय टीम को भारी पड़ी है। टीम इंडिया पहली पारी में 53 रनों की बढ़त के बाद भी दूसरी पारी में बिखर गयी। ऑस्ट्रेलियाई तेज गेंदबाजों जोश हेजलवुड और पैट कमिंस के सामने भारतीय बल्लेबाज बेबस नजर आये। माना की क्रिकेट अनिश्चितताओं का खेल है पर जिस प्रकार भारतीय बल्लेबाज आउट हुए उसके बारे में किसी ने भी कल्पना नहीं की थी। 36 रनों पर पूरी टीम सिमट गयी। भारतीय टीम प्रबंधन को पृथ्वी और हनुमा पर मेहरबान होना भी भारी पड़ा। प्रबंधन ने इन दोनों को फॉर्म में चल रहे शुभमिन और राहुल पर वरीयता दी परन्तु इससे नुकसान ही हुआ।

सरकार शिपिंग कॉरपोरेशन में हिस्सेदारी के लिए इस सप्ताह रूचि पत्र आमंत्रित करेगी

नई दिल्ली ■ ब्यूरो

सरकार इस सप्ताह शिपिंग कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया (एससीआई) के निजीकरण के लिए बोली आमंत्रित कर सकती है। इसमें रूचि रखने वाले खरीदारों के लिये रूचि पत्र जमा करने की समयसीमा फरवरी मध्य तक होगी। एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। सरकार प्रबंधन नियंत्रण के साथ शिपिंग कॉरपोरेशन में अपनी पूरी 63.75 प्रतिशत हिस्सेदारी बेचने की योजना बना रही है। अधिकारी ने कहा कि प्रारंभिक सूचना ज्ञापन (पीआईएम) इस सप्ताह जारी किया जाएगा और बोलीदाताओं के पास रूचि पत्र (ईओआई) जमा करने की समयसीमा फरवरी मध्य तक होगी। निवेश और लोक परिसंपत्ति प्रबंधन विभाग (दीपम) विनिवेश प्रक्रिया चालू वित्त वर्ष में पूरा करने को लेकर काम कर रहा है। इसका कारण जहां एक तरफ इसमें निवेशकों की रूचि है, वहीं दूसरी तरफ सौदे का आकार बड़ा नहीं है। शिपिंग कॉरपोरेशन का शेयर शुक्रवार को बीएसई में 3.33 प्रतिशत की बढ़त के साथ 86.55 पर बंद हुआ। मौजूदा बाजार भाव पर सरकार की शिपिंग कॉरपोरेशन में हिस्सेदारी मूल्य 2,500 करोड़ रुपए बैठता है। मंत्रिमंडल की आर्थिक मामलों की समिति (सीसीईए) ने पिछले साल नवंबर में शिपिंग कॉरपोरेशन में विनिवेश को सैद्धांतिक मंजूरी दे दी थी। हालांकि कोविड-19 महामारी के कारण योजना के क्रियान्वयन में देरी हुई। वित्त वर्ष 2020-21 के बजट में विनिवेश के जरिये 2.1 लाख करोड़ रुपये जुटाए जाने का लक्ष्य रखा गया है। सरकार ने चालू वित्त वर्ष में अब तक केंद्रीय लोक उपक्रमों में अल्पांश हिस्सेदारी बेचकर 11,006 करोड़ रुपये जुटाए हैं।

बजट 2021-22: स्टील स्क्रैप पर हटाया जाए आयात शुल्क: इंडस्ट्री

नई दिल्ली। इंडियन स्टेनलेस स्टील डेवलपमेंट एसोसएिशन (आईएसएसडीए) ने बजट से पहले सरकार से फेरो-निकेल और स्टेनलेस स्टील कतरन (स्क्रैप) पर आयात शुल्क हटाने का आग्रह किया है। फिलहाल फेरो-निकेल और स्टेनलेस स्टील कतरन पर मूल सीमा शुल्क 2.5 प्रतिशत है। आईएसएसडीए ने वित्त वर्ष 2021-22 के बजट के लिये वित्त मंत्रालय को सौंपी गयी अपनी सिफारिशों में ग्रेफाइट इलेक्ट्रोड्स पर भी आयात शुल्क हटाने की मांग की है। संगठन ने कहा, हमने फेरो निकेल और स्टेनलेस स्टील कतरन समेत कच्चे माल पर 2.5 प्रतिशत मूल सीमा शुल्क हटाने की अपील की है। फिलहाल, दोनों कच्चे माल देश में उपलब्ध नहीं है। इससे इनका आयात करना जरूरी होता है। उद्योग की फेरो निकेल और स्टेनलेस स्टील कतरन पर शुल्क हटाने की लंबे समय से मांग है। इस्पात मंत्रालय भी इन उत्पादों पर शून्य शुल्क की वकालत कर चुका है। स्टेनलेस स्टील उद्योग अपनी निकेल जरूरतों को फेरो-निकेल और स्टेनलेस स्टील कतरन के माध्यम से पूरा करता है। आईएसएसडीए ने ग्रेफाइट इलेक्ट्रोड्स पर भी मौजूदा 7.5 प्रतिशत आयात शुल्क हटाने की मांग की है। स्टेनलेस स्टील विनिर्माण के लिये यह महत्वपूर्ण कच्चा माल है। इसके अलावा उद्योग संगठन ने स्टेनलेस स्टील के बने चादरें समेत अन्य फ्लैट उत्पादों पर आयात शुल्क बढ़ाकर 12.5 प्रतिशत करने और उसे कार्बन स्टील उत्पादों के स्तर पर लाने की मांग की है। आईएसएसडीए के अनुसार इन उपायों से न केवल घरेलू विनिर्माण को प्रोत्साहन मिलेगा बल्कि अवांछित स्टेनलेस इस्पात के आयात पर भी अंकुश लगेगा। संगठन के अध्यक्ष के के पहूजा के अनुसार इन सुझावों के अमल में लाने से घरेलू उद्योग की प्रतिस्पर्धी क्षमता मजबूत होगी और इससे एमएसएमई (सूक्ष्म, लघु एवं मझोले उद्यम) क्षेत्र को गति मिलेगी जिनका स्टेनलेस स्टील उद्योग में 40 प्रतिशत हिस्सेदारी है। उन्होंने कहा कि साथ ही इससे अनुचित आयात पर भी अंकुश लगेगा और घरेलू उद्योग को राहत मिलेगी जो कोविड-19 संकट के कारण 60 प्रतिशत क्षमता पर काम कर रहा है और वित्तीय दबाव में है।

आईफोन विनिर्माण संयंत्र में हिंसा पर विस्ट्रॉन ने कहा- कंपनी पर कोई उल्लेखनीय असर नहीं

बेंगलुरु। एप्पल के लिए ठेके पर विनिर्माण करने वाली ताइवान की कंपनी विस्ट्रॉन कॉरपोरेशन ने कहा कि उसके कर्नाटक स्थित संयंत्र में हाल में हुई हिंसा का उस पर कोई उल्लेखनीय असर नहीं होगा। कोलार जिसले के नरसापुरा स्थित विस्ट्रॉन के आईफोन विनिर्माण संयंत्र में 12 दिसंबर को कथित रूप से वेतन और ओवर टाइम भुगतान में देरी के चलते तोड़फोड़ हुई थी।

चीन को एक और झटका — अमेरिकी कांग्रेस ने इसी साल कानून पास किया था, चीन को लेकर ट्रंप का सख्त रूख लगातार बना है

ट्रंप ने चीनी कंपनियों को अमेरिकी स्टॉक एक्सचेंज से बाहर निकालने वाले कानून पर हस्ताक्षर किए

नई दिल्ली ■ ब्यूरो

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का कार्यकाल के आखिरी दिनों में भी चीन को लेकर सख्त रूख बना हुआ है। ट्रंप ने चीनी कंपनियों को अमेरिकी स्टॉक एक्सचेंज से बाहर निकलने वाले कानून पर हस्ताक्षर कर दिए हैं। यह कानून चीनी कंपनियों को स्टॉक एक्सचेंज से बाहर निकालने की शक्ति देता है।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने 'द होल्डिंग फॉरिन कंपनी एकाउंटेबल एक्ट' कानून पर हस्ताक्षर किए हैं। यह कानून कहता है कि जो कंपनियां लगातार तीन साल तक अमेरिकी पब्लिक अकाउंटिंग ओवरसाइट बोर्ड के ऑडिट नियमों का पालन नहीं करती हैं, वे अमेरिका के किसी भी एक्सचेंज में लिस्ट नहीं हो पाएंगी। हालांकि, यह कानून किसी भी देश की कंपनी पर लागू होता है। लेकिन इसका असल मकसद अमेरिका में लिस्टेड अलीबाबा, टेक फर्म Pinduoduo Inc और दिग्गज ऑयल कंपनी पेट्रोचाइना को बाहर निकालना है। चीनी कारोबारों को रोकने वाला यह कानून इसी साल अमेरिकी कांग्रेस से बड़े बहुमत से पास हुआ था। विपक्षी डेमोक्रेट और रिपब्लिकन दोनों पार्टियों के सांसदों ने चीन विरोधी इस कानून को लेकर डोनाल्ड ट्रंप का समर्थन किया था।

डोनाल्ड ट्रंप कोरोनावायरस के लिए बार-बार चीन को जिम्मेदार ठहरा रहे हैं। इसके बाद से ही वे चीन के खिलाफ सख्त रूख अपनाए हुए हैं। नए कानून के तहत पब्लिक कंपनियों ओनरशिप का खुलासा करना होगा।

चीन की दर्जनों कंपनियों को ब्लैकलिस्ट किया

इससे पहले ट्रंप प्रशासन चीन की दर्जनों कंपनियों को ब्लैकलिस्ट कर चुका है। इसमें चिपमेकर SMIC और चीनी ड्रोन निर्माता एसजेड डीजेआई टेक्नोलॉजी कंपनी लिमिटेड जैसी नामी कंपनियां भी शामिल हैं। इस कदम को व्यापार और कई आर्थिक मुद्दों पर वाशिंगटन और बीजिंग के बीच छिड़ी लंबी लड़ाई में अपनी छवि को चमकाने के रिपब्लिकन ट्रम्प के नए प्रयासों के रूप में देखा जा रहा है। अमेरिकी वाणिज्य विभाग ने कहा कि SMIC के खिलाफ कार्रवाई इसलिए की गई है क्योंकि बीजिंग सैन्य प्रयोजनों के लिए नागरिक टेक्नोलॉजी का दोहन कर रहा है और इससे उपजी चिंता को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता है।

अमेरिका और चीन के रिश्तों में लंबे समय से तनाव

वाशिंगटन और बीजिंग के बीच संबंध पिछले एक साल में काफी बिगड़ गए हैं। दुनिया की शीर्ष दो अर्थव्यवस्थाओं में कोरोनावायरस महामारी के प्रसार, साउथ चाइना सी में मिलिट्री बेस का निर्माण और हांगकांग में मानवाधिकार के उल्लंघन को लेकर आपस में जंग छिड़ा हुआ है।

दैनिक पुष्पांजली टुडे

ओरछा टूरिस्ट सर्किल से जुड़ेंगे मुरार ग्रामीण क्षेत्र के पर्यटन स्थलः भारत सिंह कुशवाह

राज्य मंत्री स्वतंत्र प्रभार ने ग्रामीण अंचल में किया बहुप्रतीक्षित विकास कार्यों का भूमिपूजन

ग्वालियर। जिले के मुरार विकासखण्ड में स्थित ऐतिहासिक एवं पर्यटन के लिहाज से महत्वपूर्ण स्थलों को ओरछा टूरिस्ट सर्किट से जोड़ा जायेगा। इन पर्यटन स्थलों में संगीत सम्राट तानसेन की जन्मस्थली बेहट, भदावना कुण्ड, देवगढ़ का किला, बंधौली के ऐतिहासिक मंदिर, तसीम खो सिंहपुर इत्यादि शामिल हैं। यह बात प्रदेश के उद्यानिकी एवं खाद्य प्रसंस्करण राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्री भारत सिंह कुशवाह ने ग्राम सौंसा एवं खेमराज का पुरा में विकास कार्यों के भूमिपूजन कार्यक्रमों में कही। उन्होंने 4 लाख 93 हजार रूपए की लागत से ग्राम सौंसा में रनिंग ट्रैक सहित खेल मैदान का भूमिपूजन किया। साथ ही जिले के दूरस्थ ग्राम खेमराज का पुरा (टांकोली) को नहर से जोड़ने वाले पहुँच मार्ग के निर्माण का भूमिपूजन भी किया। इस पहुँचमार्ग का निर्माण 9 लाख 34 हजार रूपए की लागत से किया जायेगा।

राज्य मंत्री स्वतंत्र प्रभार श्री कुशवाह ने सोमवार को आयोजित हुए इन भूमिपूजन कार्यक्रमों में कहा कि जिले के पर्यटन स्थलों को ओरछा टूरिस्ट सर्किल से जोड़ने की परियोजना की मंजूरी के लिये शासन स्तर पर गंभीरता से प्रयास किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा ओरछा टूरिस्ट सर्किट से जिले के पर्यटन स्थलों को इस प्रकार से जोड़ा जायेगा, जिससे ग्वालियर के पर्यटन स्थलों को देखने के बाद ही पर्यटक ओरछा और खजुराहो पहुँचें। इससे ग्वालियर में पर्यटन को बढ़ावा मिलने के साथ-साथ जिले के लोगों को रोजगार भी मिलेगा।

ग्वालियर जिले में स्थापित होगी अत्याधुनिक खाद्य प्रसंस्करण यूनिट–उद्यानिकी एवं खाद्य प्रसंस्करण राज्य मंत्री ने इस अवसर पर कहा कि केन्द्र व राज्य सरकार के साझा प्रयासों से 35 खाद्य प्रसंस्करण यूनिट स्थापित की जा रही हैं। उनमें से एक यूनिट ग्वालियर जिले में भी स्थापित होगी। श्री कुशवाह ने ग्रामीणों से कहा कि वे खाद्य प्रसंस्करण यूनिट का लाभ उठाकर अपनी आय को बढ़ा सकते हैं। **मुरार विकासखण्ड को सरकार ने लिया गोद, बनेगा उद्यानिकी का मॉडल**–उद्यानिकी एवं खाद्य प्रसंस्करण राज्य मंत्री श्री भारत सिंह कुशवाह ने इस अवसर पर जानकारी दी कि प्रदेश सरकार ने प्रदेश भर में 20

विकासखण्डों को उद्यानिकी फसलों के लिहाज से मॉडल के रूप में विकसित करने के लिये गोद लिया है। इसमें मुरार विकासखण्ड भी शामिल है। उन्होंने बताया कि मॉडल विकासखण्ड में अत्याधुनिक कोल्ड स्टोरेज व पॉली हाउस सहित ऐसी अधोसंरचना विकसित की जायेगी, जिससे किसान अत्याधुनिक तरीके से उद्यानिकी फसलें ले सकें। उद्यानिकी फसलों को बढ़ावा देने के लिये सरकार द्वारा किसानों को 50 प्रतिशत तक अनुदान भी दिया जायेगा। श्री कुशवाह ने कहा कि उद्यानिकी के क्षेत्र में अपार संभावनायें हैं। कृषकगण उद्यानिकी फसलों को अपनाकर अपनी आय में बड़ा इजाफा कर सकते हैं। उन्होंने जानकारी दी कि जल्द ही उद्यानिकी एवं खाद्य प्रसंस्करण पर प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए जायेंगे। इसमें जिले के किसान जरूर शामिल हों।

नए कृषि कानून किसानों के हित में क्रांतिकारी साबित होंगे –राज्य मंत्री स्वतंत्र प्रभार श्री भारत सिंह कुशवाह ने इस अवसर पर यह भी कहा कि भारत सरकार ने किसानों की भलाई के लिये ऐतिहासिक कानून बनाए हैं। ये कानून किसानों की खुशहाली के लिये क्रांतिकारी साबित होंगे। उन्होंने कहा केन्द्र एवं राज्य सरकार ने किसानों के कल्याण के लिये किसान सम्मान निधि व मुख्यमंत्री किसान कल्याण योजना शुरू की है। मध्यप्रदेश देश का एक मात्र राज्य है जहाँ हर किसान के खाते में 10 हजार रूपए की राशि पहुँचाई जा रही है।

जन समस्याओं का भी किया समाधान–भूमिपूजन कार्यक्रमों में राज्य मंत्री स्वतंत्र प्रभार श्री भारत सिंह कुशवाह ने ग्रामीणों की समस्यायें भी सुनीं और मौके पर मौजूद अधिकारियों के माध्यम से समस्याओं का निराकरण भी कराया। उन्होंने ग्रामीणों से कहा कि उनकी समस्याओं के समाधान के लिये वे 24 घंटे उपलब्ध हैं। भूमिपूजन कार्यक्रमों में सर्वश्री नारायण सिंह बघेल, दीवान सिंह गुर्जर, सुरेन्द्र राणा, हाकिम सिंह, प्रेम सिंह राजपूत, पूरन जाटव व कल्याण सिंह सहित अन्य क्षेत्रीय जनप्रतिनिधिगण, ग्रामीण जन एवं खण्ड स्तरीय अधिकारी मौजूद थे।

नगरीय निकायों के सभी खाते संचालनालय के ई-नगरपालिका पोर्टल से होंगे लिंक

ग्वालियर। नगरीय निकायों के सभी खाते संचालनालय नगरीय प्रशासन एवं विकास के ई-नगरपालिका पोर्टल से लिंक किये जायें। प्रमुख सचिव नगरीय विकास एवं आवास श्री नीतेश व्यास ने यह निर्देश सभी नगरीय निकायों के अधिकारियों को दिये हैं। उन्होंने कहा कि नगरीय निकायों के अनावश्यक बैंक खातों को बंद कर लेखा नियमों के अन्तर्गत प्रावधानित खाते ही संधारित किये जाएं। अधिकारियों को निर्देशित किया गया है कि नगरीय निकायों में सभी प्रकार के आय-व्यय ई-नगरपालिका के ऑनलाइन पोर्टल के माध्यम से ही किये जायें। कैशबुक, बैलेंस शीट तथा लेखांकन संबंधी सभी कार्य ई-नगरपालिका पोर्टल से ही करें। नगरीय निकायों में एक ही कैशबुक संधारित की जाये तथा प्रत्येक योजना के लिए अलग-अलग लेजर संधारित करें। ऐसी योजनाएँ जो अब नगरीय निकायों द्वारा संचालित नहीं की जा रही हैं, उनकी शेष राशि संबंधित विभाग अथवा संचालनालय नगरीय प्रशासन एवं विकास को वापस करें।

डीआरडीई के लिए ग्राम-महाराजपुर डांग में आवंटित निःशुल्क भूमि का गजट नोटिफिकेशन जारी किया जाए : एमपीसीसीआई

केन्द्रीय रक्षा मंत्री-राजनाथ सिंह, केन्द्रीय मंत्री-नरेन्द्र सिंह तोमर, मुख्यमंत्री-शिवराज सिंह चौहान, सांसद एवं पूर्व केन्द्रीय मंत्री-ज्योतिरादित्य सिंधिया एवं सांसद-विवेकनारायण शेजवलकर सहित संभागीय आयुक्त एवं जिलाधीश-ग्वालियर को लिखा पत्र

ग्वालियर। डीआरडीई ग्वालियर के लिए ग्राम-महाराजपुर डांग जिला-ग्वालियर में निःशुल्क आवंटित भूमि रकवा 140.11 एकड़ पर डीआरडीई को शिफ्ट कराने एवं 10 मीटर की दूरी करने के संबंध में गजट नोटिफिकेशन जारी करने की माँग करते हुए, आज एमपीसीसीआई द्वारा केन्द्रीय रक्षा मंत्री-माननीय श्री राजनाथ सिंह, केन्द्रीय मंत्री-माननीय श्री नरेन्द्र सिंह तोमर, मुख्यमंत्री-माननीय श्री शिवराज सिंह चौहान, सांसद एवं पूर्व केन्द्रीय मंत्री-माननीय श्रीमंत ज्योतिरादित्य सिंधिया एवं सांसद-माननीय श्री विवेकनारायण शेजवलकर सहित संभागीय आयुक्त एवं जिलाधीश-ग्वालियर को पत्र प्रेषित किए गए । एमपीसीसीआई अध्यक्ष-विजय गोयल, संयुक्त अध्यक्ष-प्रशांत गंगवाल, उपाध्यक्ष-पारस जैन, मानसेवी सचिव-डॉ. प्रवीण अग्रवाल, मानसेवी संयुक्त सचिव-ब्रजेश गोयल एवं कोषाध्यक्ष-वसंत अग्रवाल ने प्रेस को जारी विज्ञप्ति में अवगत कराया है कि म. प्र. राजस्व विभाग मंत्रालय के पत्र क्रमांक/एफ-6-79/2019/सात/शाखा-3 भोपाल, दिनांक 04-09-2020 के माध्यम से डीआरडीई को शिफ्ट कराने के लिए ग्राम-महाराजपुरा डांग, जिला-ग्वालियर में रकवा 140.11 एकड़ भूमि निःशुल्क आवंटित की गई है । मंत्रालय के पत्र जारी होने की दिनांक से आज तक लगभग 4 माह हो चुके हैं, लेकिन आज दिनांक तक डीआरडीई को शिफ्ट कराने की कार्यवाही नहीं की गई है । पदाधिकारियों ने कहा है कि उपरोक्त प्रकरण माननीय सर्वोच्च न्यायालय में लंबित है । माननीय सर्वोच्च न्यायालय के आदेश के आने से पहले डीआरडीई को शिफ्ट नहीं किया गया एवं 10 मीटर दूरी नहीं की गई, तो बेहद अप्रिय स्थिति उत्पन्न हो सकती है तथा 200 मीटर के क्षेत्र में निर्मित नगर-निगम मुख्यालय के साथ-साथ शासकीय व अशासकीय लगभग 180 संपत्तियाँ प्रभावित होंगी, जिससे लगभग 9000 करोड़ रुपये का नुक्सान होगा, जिसमें 8500 करोड़ की संपत्तियाँ स्वयं राज्य शासन की हैं एवं 500 करोड़ की निजी संपत्तियाँ हैं । एमपीसीसीआई ने शहर में 9000 करोड़ रुपये की सम्पत्तियों को तोड़फोड़ से बचाने के लिए केन्द्रीय रक्षा मंत्री-माननीय श्री राजनाथ सिंह, केन्द्रीय मंत्री-माननीय श्री नरेन्द्र सिंह तोमर, मुख्यमंत्री-माननीय श्री शिवराज सिंह चौहान, सांसद एवं पूर्व केन्द्रीय मंत्री-माननीय श्रीमंत ज्योतिरादित्य सिंधिया एवं सांसद-माननीय श्री विवेकनारायण शेजवलकर सहित संभागीय आयुक्त एवं जिलाधीश-ग्वालियर से पुरजोर माँग की है कि डीआरडीई को शीघ्रातिशीघ्र शिफ्ट कराने की कार्यवाही एवं 10 मीटर की दूरी करने के संबंध में गजट नोटिफिकेशन जारी किया जाए ।

ग्वालियर स्मार्ट सिटी द्वारा विकसित क्षेत्रीय आर्ट एंड क्राफ्ट सेंटर से शहर की कला और कलाकारों को मिल सकेगी पहचान

ग्वालियर। ग्वालियर स्मार्ट सिटी द्वारा शहर के हर वर्ग के लिये कई विकास कार्य किये जा रहे है, क्षेत्रीय कला और कलाकारो को भी एक बेहतर मंच प्रदान कराना भी स्मार्ट सिटी के मुख्य उद्देश्यो में से है। इसी उदेश्य को लेकर ग्वालियर स्मार्ट सिटी द्वारा मोतीमहल स्थित रीजनल आर्ट एंड क्राफ्ट सेंटर को अब नए सिरे से संवारा जा रहा है। यहां शिल्पकार देश की महान हस्तियों की प्रतिमाएं तैयार कर रहे हैं। लाकडाउन और अनलॉक के दौर में शिल्पियों ने जो प्रतिमाएं तैयार की थी, उनको प्रदर्शित करने का काम शुरू हो गया है। साथ ही परिसर में नई अत्याधुनिक मशीनो के स्थापन के साथ ही इस पूरे परिसर का भी सौंदर्यीकरण किया जा रहा है।

ग्वालियर स्मार्ट सिटी सीईओ श्रीमती जयति सिंह नें जानकारी देते हुये बताया कि क्षेत्रीय आर्ट और क्राफ्ट को अधिक ऊचाईयों पर पहुंचाने व इनके प्रचार-प्रसार के लिए शहर के मोती महल परिसर में स्थित रीजनल आर्ट एंड क्राफ्ट सेंटर को स्मार्ट सिटी द्वारा नए सिरे से संवारने का काम किया जा रहा और सेंटर के लगभग सभी कार्य पूर्ण हो चुके है। अगले 15 दिन में बचे हुए कार्य पूर्ण हो जाएंगे। इस सेंटर के विकसित होने से न केवल क्षेत्रीय स्टोन आर्ट व वुडन आर्ट के आर्टिस्टों को नई पहचान मिल सकेगी सेंटर पर कलाकार अपनी कला को प्रदर्शित भी कर सकेगे। यहाँ कला प्रेमियो को आसानी से काम करने और सीखने का भी मौका भी मिलेगा। सेंटर पर कलाकार पर्यटकों एवं ग्वालियराइट्स को शिल्प कला हेतु ओपन मंच भी उपलब्ध कराया जायेगा। श्रीमती सिंह नें जानकारी देते हुये बताया कि रीजनल आर्ट एंड क्राफ्ट सेंटर पर स्टोन और वुडन कटर मशीनो को लगाने के साथ ही यहाँ पूरे परिसर पर कलाकारो की सुविधानुसार सेंटर को विकसित किया गया है, ताकि इस सेंटर पर क्षेत्रीय कला और कलाकारो को बेहतर माहौल प्राप्त हो सके। वर्तमान में भी इस सेंटर पर मूर्तियाँ तरासने का कार्य किया जा रहा है, सेंटर में स्वामी विवेकानंद, भारत रत्न और पूर्व प्रधानमंत्री स्व. अटल बिहारी वाजपेयी, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, लौहपुरुष सरदार वल्लभ भाई पटेल, संविधान निर्माता डॉ. भीमराव अम्बेडकर और सदी के महानायक अमिताभ बच्चन की प्रतिमाएं इत्यादी तैयार की गई है। जो लोगो के लिये आकर्षण का केन्द्र है।

रिजनल आर्ट एंड क्राफ्ट सेंटर में मिलेगी अत्याधुनिक सुविधाये

-पर्यटको एवं ग्वालियर राइटस को शिल्प कला हेतु ओपन मंच मिल सकेगा।

-शहर के आसपास क्षेत्रीय आर्ट और शिल्प डिजाइन को नया स्वरुप मिलेगा।

-सभी आर्टिस्टो को अपनी कलाकृतियो को एक्जीबीशन व अन्य माध्यमो से प्रदर्शित करने के लिये एक्जीबीशन लगाने के लिये हॉल मिल सकेगा।

-आर्ट और क्राफ्ट को डिजाइन करने के लिये युनिक टूल्स उपलब्ध होगे।

-युवा कलाकारो को आर्ट की बारिकियां व अधिक जानकारी के लिये एजुकेशन हॉल उपलब्ध होगा।

-आर्ट व क्राफ्ट के नये स्वरुप को लोगो तक पहुचाने के लिये परिसर में सिंटिंग स्पेश, गार्डन, फाउंटेन, म्यूजिक, फूड व डिस्प्ले हॉल रेडी किया गया है ताकि लोगो का इसकी ओर रुझान बढे।

कुछ ऐसी रहेगी रिजनल आर्ट एंड क्राफ्ट सेंटर की बनावट-इस सेंटर पर विभिन्न अत्याधुनिक सुविधाओ के साथ ही कलाकारो और आने वाले पर्यटको के लिये इमारत को विभिन्न हिस्सो में विभाजित किया गया है जिसके तहत बुडन वर्कशॉप, स्टोर, डिस्प्ले हॉल, ऑफिस, ट्रेनिंग रुम, स्टोर रुम, आवास कक्ष, स्टोन वर्कशॉप ग्राउंड, टेम्पल, सहीत गार्डन का समावेश किया गया है।

राज्य सरकार द्वारा स्वरोजगार योजनाओं को अधिक कारगर बनाने का निर्णय

ग्वालियर। राज्य सरकार ने प्रदेश में संचालित स्वरोजगार योजनाओं को अधिक प्रभावी और हितग्राहियों के लिये अधिकतम उपयोगी बनाने की प्रक्रिया आरंभ की है। सरकार की मंशा है कि स्वरोजगार योजनाएँ हितग्राहियों के लिये प्रगति का मार्ग प्रशस्त करें। यह कार्य शीघ्र ही पूरा होगा। इस सिलसिले में विभागीय समीक्षा बैठक में निर्णय लिया गया है कि शीघ्र ही मुख्यमंत्री युवा उद्यमी/स्वरोजगार/कृषक उद्यमी योजना अधिक प्रभावी स्वरूप में लागू की जायेगी जो कि हितग्राहियों के लिये कहीं अधिक लाभदायक सिद्ध होगी। इसके लिये 18 दिसम्बर तक संवितरित नहीं हुये उक्त स्वरोजगार योजनाओं के प्रकरणों में आगामी आदेश तक संवितरण नहीं किया जा रहा है। कतिपय समाचार पत्रों में राज्य सरकार द्वारा संचालित स्वरोजगार योजनाओं के बंद किये जाने के संबंध में भ्रामक समाचार प्रकाशित किये गये हैं जो कि तथ्यपरक नहीं हैं।

खाद्यान्न की ऑनलाइन पावती न होने पर परिवहनकर्ताओं के खिलाफ एफआईआर

ग्वालियर। शासकीय उचित मूल्य की दुकानों से सभी पात्र परिवारों को सुव्यवस्थित ढंग से राशन उपलब्ध कराने के लिये जिला प्रशासन द्वारा विशेष मुहिम चलाई जा रही है। साथ ही राशन वितरण में गड़बड़ी करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जा रही है। इस कड़ी में नागरिक आपूर्ति निगम के जिला प्रबंधक द्वारा राशन परिवहन में अनियमितता पाए जाने पर संबंधित परिवहनकर्ताओं के खिलाफ झांसी रोड़ पुलिस थाने में एफआईआर दर्ज कराई है। जिला आपूर्ति नियंत्रक से प्राप्त जानकारी के मुताबिक शासकीय उचित मूल्य की दुकानों पर पहुँचाई जाने वाली सामग्री की ऑनलाइन पावती प्राप्त न होने को संदेहास्पद मानकर यह एफआईआर दर्ज कराई गई है। जिला आपूर्ति नियंत्रक ने बताया कि उचित मूल्य की दुकान पर प्राप्त होने वाली सामग्री को पीओएस मशीन में रिसीव किया जाना होता है, विक्रेताओं की मशीन में इन प्रकरणों से संबंधित सामग्री रिसीव नहीं थी। जिसे संदेहास्पद माना गया और संबंधित के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराई गई है। पुलिस द्वारा इस प्रकरण की विवेचना की जा रही है।

खुशियों की दास्तां

किचिन गार्डन से स्कूली बच्चों को मिली संजीवनी

ग्वालियर। खुशबूदार प्रजातियों के सुंदर-सुंदर फूल चेतूपाड़ा के सरकारी स्कूल को महका रहे हैं। वहीं स्कूल के किचिन गार्डन में पुष्पित व पल्लवित हो रहीं हरी-हरी सब्जियों की हरियाली ने सम्पूर्ण परिसर को एक नयनाभिराम बना दिया है। किचिन गार्डन में जैविक तरीके से पैदा हो रही लौकी, तोरई, भिण्डी, बैंगन, पालक, मैथी, धनिया एवं हरी मिर्च जैसी पौष्टिक सब्जियाँ पककर जब यहाँ के बच्चों की मध्यान्ह भोजन थाली की शोभा बढ़ाती हैं। जाहिर है बच्चों के पोषण को इन किचिन गार्डन से नई संजीवनी मिल गई है। जिला पंचायत ग्वालियर की पहल पर सरकारी स्कूलों के बच्चों के पोषण स्तर में सुधार के लिये केवल चेतूपाड़ा ही नहीं ग्वालियर जिले के 150 सरकारी स्कूलों में किचिन गार्डन तैयार कराए गए हैं। इनमें जनपद पंचायत मुरार के 35, घाटीगाँव के 37, डबरा के 38, एवं भितरवार के 40 शासकीय स्कूल शामिल हैं। जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री शिवम वर्मा बताते हैं कि जिले के इन शासकीय प्राथमिक एवं माध्यमिक विद्यालयों में किचिन गार्डन बनाने के लिये उन्नत सब्जियों के बीज, कम्पोस्ट खाद तथा कृषि उपकरण खरीदने के लिये चयनित प्रत्येक विद्यालय को 5 हजार रूपए की धनराशि दी गई है। किचिन गार्डन के संचालन में स्व-सहायता समूहों की दीदी, रसोईया एवं स्कूल के शिक्षक अहम भूमिका निभा रहे हैं। वैश्विक महामारी कोरोना संक्रमण के कारण जब लोग बाहर की खान-पान की वस्तुओं से बच रहे थे। ऐसे में ग्वालियर के सरकारी स्कूलों के किचिन गार्डन बच्चों के लिये वरदान साबित हुए। किचिन गार्डन में जैविक तरीके से पैदा हो रहीं सब्जियों से बच्चे तो तंदुरूस्त हो ही रहे है, उनके अभिभावकों में भी खुशी की लहर है।

स्वीकृत प्रकरणों में हर दिन 100 ग्रामीण पथ विक्रेताओं को आर्थिक सहायता दिलाएँ

ग्वालियर। स्वीकृत प्रकरणों में से प्रतिदिन 100 पथ विक्रेताओं को बैंकों के माध्यम से आर्थिक सहायता उपलब्ध कराएँ, जिससे सरकार की मंशा के अनुरूप मुख्यमंत्री ग्रामीण पथ विक्रेता योजना के तहत जरूरतमंद पथ विक्रेताओं को आर्थिक मदद मिल सके और वे बेहतर ढंग से अपनी आजीविका चला सकें। इस आशय के निर्देश जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री शिवम वर्मा ने जिले की सभी जनपद पंचायतों के सहायक विकास विस्तार अधिकारियों एवं पंचायत समन्वय अधिकारियों को दिए हैं। उन्होंने साफ किया इस योजना में किसी भी तरह की ढ़िलाई बर्दाश्त नहीं होगी। सोमवार को जिला पंचायत के सभागार में आयोजित हुई बैठक में जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री वर्मा ने निर्देश दिए कि बैंकों में प्रस्तुत किए गए मुख्यमंत्री ग्रामीण पथ विक्रेता योजना के शेष प्रकरणों को भी जल्द से जल्द मंजूर कराएँ। साथ ही वितरण की कार्रवाई भी सुनिश्चित कराई जाए। जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री वर्मा ने सीएम हैल्पलाइन व संबल योजना सहित सरकार द्वारा संचालित अन्य जन कल्याणकारी योजनाओं की समीक्षा भी की। उन्होंने कहा कि शासन द्वारा 24 दिसम्बर से 7 जनवरी तक संबल योजना के पोर्टल को खोला गया है। पोर्टल पर 90 दिन से अधिक पुराने प्रकरणों को अपलोड कर आवश्यक कार्रवाई करें। साथ ही यह ध्यान रहे कोई भी पात्र हितग्राही इस योजना के लाभ से छूटे नहीं। ग्राम पंचायतों के रिकॉर्ड का संधारण व करारोपण, वसूली इत्यादि की भी बैठक में समीक्षा की गई।

सम्पर्क व कॉल का समय 11 से 4 बजे तक || श्री गणेशाय नमः || रैरा रजिस्टर्ड फर्म
सौम्या प्रोपर्टी डीलर
आवासीय, कॉमर्शियल, इन्डस्ट्रीयल, एग्रीकल्चर भूमि खरीदने, बेचने व रेन्ट (किराये) पर लेने, निवेश के लिये एवं प्रोपर्टी व्यवसाय से जुड़ने के लिये भी सम्पर्क करें :-
9301759475, 9713253992
ऑफिस : शॉप नं. 3-4, तोमर मार्केट, गायत्री मन्दिर वाली गली, पिन्टो पार्क, ग्वा.

P TV NEWS INDIA प्रतिभा हम निखारेंगे PUSHPANJALI TODAY न्यूज नई सोच नई पहल
अगर आपके अंदर है कोई जज्बा तो उभर कर आइये आगे आपकी लिखी हुई कहानी, लेख, कविताओं को हम देंगे जगह आपके अंदर की प्रतिभा को हम उभारेंगे ।
तो देर किस बात की हमे भेजें अपनी कविता, लेख, कहानियां फिर देश की आर्थिक स्थति या फिर स्वच्छता के ऊपर अपने विचार
आप हमें व्हाट्सप या मेल भी कर सकते हैं
हमारा उद्देश्य भारत में छिपी प्रतिभाओं को बाहर निकालना।
Whatsapp :- 9425665944, 7999246560, 9691270207
gmail - pushpanjalitoday@gmail.com
नोट - व्हाट्सएप या मेल करते समय ध्यान रखे भेजने वाला व्यक्ति अपनी फोटो ओर नाम/ पता / अवश्य भेंजे

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक, एवं संपादक भरत सिंह चौहान। पुष्पांजली प्रिंटर्स गोवर्धन कॉलोनी, भिण्ड रोड, गोला का मंदिर, जिला ग्वालियर (म.प्र.) से मुद्रित एवं दीपू इलेक्ट्रोनिक्स, पंजीयन क्रमांक/ एम.पी.एच.आई.एन. /31130 निगर हनुमान मंदिर, गोवर्धन कॉलोनी, भिण्ड रोड, गोला का मंदिर, ग्वालियर (म.प्र.) से प्रकाशित। सम्पादक - भरत सिंह चौहान E-mail : pushpanjalitoday17@gmail.com 0751-4901333, M.: 8269307478